धनबाद
शनिवार 12.09.2026
मूल्य- ₹ 2.50
वर्ष-32 अंक-201 पृष्ठ- 12
भाद्रपद शुक्ल पक्ष-1
संवत 2083

झारखण्ड से प्रकाशित सर्वाधिक लोकप्रिय दैनिक

बिहार ऑब्जर्वर

नगर निगम मेले के खेल का टेंडर कराने में क्यों कर रहा है आनाकानी

डिगवाडीह गणेश मेले का टेंडर नहीं कराने से 50 लाख का राजस्व का होगा घाटा

धनबाद (कासं): मेला का खेला में नगर निगम धनबाद के नगर आयुक्त आशीष गंगवार क्यों मौन हैं। डिगवाडीह १० नम्बर सर्कस मैदान जो कि राज्य सरकार की भूमि है उस पर अवैध ढंग से कई वर्षो से मेला लगवाकर करोड़ों का घोटाला को समाप्त करने के लिए जनता की मांग पर झरिया के अंचल अधिकारी मनोज कुमार ने अपने पत्रांक संख्या-८४८ दिनांक ११.८.२०२६ को नगर आयुक्त धनबाद को पत्र भेजकर जोरापोखर खाता संख्या- १८२ प्लॉट नम्बर-६४६१ की लगभग ७५ डिसमिल गैर आबाद सरकारी भूमि पर सैरात वसूली यानि कि मेला का ठेका का टेंडर करने का आग्रह किया था।

जिससे नगर निगम को ५० लाख रुपया का राजस्व प्राप्त होता लेकिन एक माह बीत जाने के बाद भी नगर निगम ने मेला माफियाओं की पैरवी और पैसे के खेल ने इस फाईल को दबा दिया और मेला का टेंडर अभी तक नहीं निकाला है। जिसके कारण नगर निगम का राजस्व का भारी नुकसान होगा।

उच्च न्यायालय झारखण्ड के याचिका डब्ल्यू.पीसी.एल. नम्बर ६००५/२०२६ में मेले की नीलामी कराने का आदेश झारखण्ड सरकार और उपायुक्त धनबाद अंचल अधिकारी धनबाद को दिया था।

क्या मेयर संजीव सिंह झरिया सीओ के आग्रह पत्र पर करवाएंगे मेले का टेंडर

उच्च न्यायालय के आदेश पर झरिया अंचल अधिकारी मनोज कुमार ने इस मामले पर गंभीरता से लेते हुए नगर आयुक्त को टेंडर करवाकर राजस्व की हो रही क्षति को रोकने का आग्रह किया था। वहीं नगर निगम के कुछ भ्रष्ट अधिकारी मेला संचालकों से सांठगांठ कर इस मामले को मेयर संजीव सिंह से छुपा कर और टेंडर में देरी कर फायदा पहुंचाने का आरोप मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और नगर विकास सचिव से पवन कुमार प्रजापति ने आज किया है और अवैध मेला संचालन पर रोक लगाने की मांग की है।

जहां धनबाद नगर निमग के मेयर संजीव सिंह नगर निगम के राजस्व बढ़ाने के लिए कई योजनाएं बना रहे हैं और धनबाद के विकास के रोल्ड मॉडल बनाने का निर्देश नगर निगम के अधिकारियों को दिया है लेकिन ५० लाख का मिलने वाला मेला नीलामी से राजस्व पर कोई कार्रवाई नहीं करने के कारण जनता में नगर निगम के कार्यो की चर्चा हो रही है।

पूजा मैदान में दुकान और मेला लगना शुरू हो गया है लेकिन जोरापोखर पुलिस कहती है कि उसे पता नहीं। आखिर उच्च न्यायालय ने जोरापोखर पुलिस को भी पार्टी बनाया गया है।

महिला आरक्षण बिल पास कराने की तैयारी में जुटी मोदी सरकार

नवरात्रि में होगा संसद का विशेष सत्र!

नई दिल्ली (ईएमएस): सरकार ने संसद का विशेष सत्र बुलाने का विकल्प फिलहाल खुला रखा है। संसद के मॉनसून सत्र का सत्रावसान नहीं किया था। ऐसे में अटकलें लगाई जा रही थीं कि सरकार विशेष सत्र बुला सकती है लेकिन अब तक सरकार की तरफ से विशेष सत्र को लेकर कोई भी आधिकारिक बयान नहीं आया है।

सूत्रों की मानें तो सरकार ब्रिक्स समिट के बाद विशेष सत्र को लेकर फैसला कर सकती है। ब्रिक्स के बाद सरकार यह तय करेगी कि महिला आरक्षण और परिसीमन बिल को पारित कराने के लिए विशेष सत्र बुलाया जाए या नहीं। अगर सरकार तय करती है कि विशेष सत्र नहीं बुलाना है तो मॉनसून सत्र का सत्रावसान कर दिया जाएगा लेकिन अगर सरकार विशेष सत्र बुलाने का फैसला करती है तो नवरात्रि के दौरान सत्र बुलाया जा सकता है।

कांग्रेस सांसद जयराम रमेश ने एक्स पर पोस्ट करते हुए इस पर सवाल भी उठाए हैं। उनका कहना है कि मॉनसून सत्र को खत्म हुए २९ दिन हो चुके हैं लेकिन सत्रावसान नहीं किया गया। उन्होंने सरकार पर तंज कसते हुए कहा कि यह सरकार अपना ही रिकॉर्ड तोड़ रही है। उन्होंने इसे बेवकूफी बताते हुए कहा है कि सरकार सोच रही है कि इससे विपक्ष घबरा जाएगा लेकिन असल में ऐसा बिल्कुल नहीं है। संसद के मॉनसून सत्र में दोनों सदनों के कामकाज हंगामे के चलते भेंट चढ़ गया। संसद में अगर रोजाना छह घंटे की संसदीय कार्यवाही मानी जाए, तो १५ दिनों में ९० घंटे का काम होना चाहिए था।

आईएएस रिंकू दुग्गा की नौकरी बहाली पर रोक

नई दिल्ली (ईएमएस): सुप्रीम कोर्ट ने आईएएस अफसर रिंकू दुग्गा की नौकरी में फिर से बहाली पर रोक लगा दी है। सुबह-सुबह अपना कुत्ता टहलाने के लिए दिल्ली के त्यागराज स्टेडियम को खाली करवाने के आरोपों की वजह से भारत सरकार ने उन्हें कंपलसरी रिटायरमेंट दे दी थी। आईएएस रिंकू दुग्गा को सरकार ने नौकरी से जबरन रिटायर कर दिया था। उनपर अपने आईएएस पति के साथ अपना कुत्ता टहलाने के लिए दिल्ली के त्यागराज स्टेडियम को खाली करवाने का आरोप लगाया गया था। दिल्ली हाई कोर्ट ने भारत सरकार के फैसले को खारिज कर दिया था। जिसपर सुप्रीम कोर्ट ने अब रोक लगा दी है। सुप्रीम कोर्ट में सीजेआई सूर्यकांत की अगुवाई वाली बेंच ने इस मामले में दिल्ली हाई कोर्ट के फैसले को केंद्र सरकार की ओर से दी गई चुनौती पर रिंकू दुग्गा को नोटिस भी जारी किया है। सुप्रीम कोर्ट में सीजेआई सूर्यकांत, जस्टिस जॉयमाल्या बागची और जस्टिस वी मोहना की बेंच ने ७ सितंबर को यह आदेश जारी किया है।

भारत की आर्थिक ताकत और नवाचार से ब्रिक्स को नई दिशा : मोदी

नई दिल्ली (ईएमएस): प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि भारत ब्रिक्स के माध्यम से आर्थिक सहयोग, नवाचार और वैश्विक विकास को नई दिशा देने के लिए प्रतिबद्ध है। शुक्रवार को ब्रिक्स बिजनेस फोरम को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि ब्रिक्स अब केवल देशों का समूह नहीं, बल्कि वैश्विक अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाला २१ देशों का बड़ा आर्थिक परिवार बन चुका है।

मोदी ने कहा कि ब्रिक्स देश दुनिया की करीब ५० प्रतिशत आबादी, लगभग ४० प्रतिशत वैश्विक जीडीपी और २५ प्रतिशत से अधिक वैश्विक व्यापार का प्रतिनिधित्व करते हैं। पिछले वर्षों में जहां वैश्विक जीडीपी करीब ढाई गुना बढ़ी, वहीं ब्रिक्स देशों की संयुक्त जीडीपी करीब साढ़े चार गुना बढ़ी है। उन्होंने कहा कि भारत की ब्रिक्स अध्यक्षता की थीम 'रेजिलिएंस, इनोवेशन, को-ऑपरेशन एंड सस्टेनेबिलिटी के लिए निर्माण' है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत सड़क, रेल, बंदरगाह और हवाई अड्डों के साथ जहाज निर्माण, सेमीकंडक्टर, क्वांटम तकनीक, महत्वपूर्ण खनिज और जैव-प्रौद्योगिकी जैसे क्षेत्रों में तेजी से क्षमता विकसित कर रहा है। देश में दो लाख से अधिक स्टार्टअप और १२० से अधिक यूनिकॉर्न हैं। उन्होंने कहा कि भारत का लक्ष्य 'मेक इन इंडिया, इनोवेट विद इंडिया एंड स्केल फॉर द वर्ल्ड' है।

उन्होंने यूपीआई को भारत की डिजिटल नवाचार यात्रा की बड़ी उपलब्धि बताते हुए कहा कि दुनिया के करीब ५० प्रतिशत रियल टाइम डिजिटल भुगतान यूपीआई आधारित तकनीक से होते हैं। मोदी ने ब्रिक्स देशों के बीच व्यापारिक बाधाएं कम करने, निवेश और प्रतिभा का आदान-प्रदान बढ़ाने पर जोर दिया। प्रधानमंत्री ने ब्रिक्स बिजनेस काउंसिल के सामने तीन लक्ष्य रखे-आपसी व्यापार की शीर्ष १० बाधाओं को दूर करने की रिपोर्ट तैयार करना, हर वर्ष १०० ब्रिक्स स्टार्टअप को दूसरे देशों के बाजारों में विस्तार में मदद देना और कारोबारों के बीच सालाना १,००० नई साझेदारियां विकसित करना।

1 लाख करोड़ रुपये राजस्व का बड़ा लक्ष्य, वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर ने अफसरों को दिया कड़ा टास्क

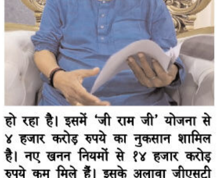

रांची (एजेंसी): झारखंड सरकार ने राज्य की कमाई बढ़ाने के लिए कमर कस ली है। फर्जी ऋद्धढ रजिस्ट्रेशन, टैक्स चोरी और कोयले के अवैध कारोबार के खिलाफ अब कड़ी कार्रवाई होगी। वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर ने विभाग के अफसरों को सीधी चेतावनी दी है। उन्होंने स्पष्ट कहा है कि हर हाल में राजस्व का लक्ष्य हासिल करना होगा।

राज्य का लक्ष्य अपने दम पर ६० हजार करोड़ रुपये जुटाने का है। भविष्य में इसे १ लाख करोड़ रुपये तक ले जाने का इरादा है। फिलहाल झारखंड सरकार अपने तय लक्ष्य से करीब ६ प्रतिशत पीछे चल रही है। अभी तक कुल लक्ष्य का लगभग ३६ प्रतिशत राजस्व ही जमा हो पाया है। इसके बावजूद सरकार को उम्मीद है कि नवंबर की समीक्षा बैठक तक यह आंकड़ा लक्ष्य को पार कर जाएगा।

केंद्र सरकार की नीतियों पर जमकर साधा निशाना

वित्त मंत्री ने केंद्र सरकार की नीतियों पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि केंद्र के फैसलों के कारण झारखंड को हर साल २२ हजार करोड़ रुपये का भारी घाटा हो रहा है। इसमें 'जी राम जी' योजना से ४ हजार करोड़ रुपये का नुकसान शामिल है। नए खनन नियमों से १४ हजार करोड़ रुपये कम मिले हैं। इसके अलावा जीएसटी नियमों में बदलाव से ४ हजार करोड़ रुपये का झटका लगा है।

वित्त मंत्री ने केंद्र की मंशा पर भी सवाल खड़े किए। उन्होंने कहा कि या तो केंद्र सरकार का अपना खजाना खाली है, या फिर झारखंड में गैर-भाजपा सरकार होने के कारण उसके साथ भेदभाव किया जा रहा है। उन्होंने इस स्थिति को लोकतंत्र के लिए सही नहीं बताया।

केंद्र से आर्थिक मदद न मिलने के बावजूद वित्त मंत्री का हौसला पस्त नहीं है। उन्होंने साफ कहा कि झारखंड कोई कमजोर राज्य नहीं है। राज्य सरकार अपनी सभी योजनाओं और जिम्मेदारियों को अपने संसाधनों से पूरा करने में सक्षम है।

टैक्स चोरी रोकना सबसे बड़ी चुनौती

अब सरकार के सामने सबसे बड़ी चुनौती टैक्स चोरी रोकना है। वाणिज्य-कर विभाग को फर्जी कागजातों पर चल रहे कारोबार को बंद करने के निर्देश दिए गए हैं। अवैध कोयला धुलाई और परिवहन पर भी सीधी नजर रखी जाएगी। अधिकारियों से कहा गया है कि वे पूरे जुनून के साथ काम करें।

नवंबर का महीना राज्य के खजाने के लिए बहुत अहम रहने वला है। इसी महीने में राजस्व संग्रह की अगली समीक्षा होगी। इस बैठक में तय होगा कि सरकार की नई सख्ती से खजाने में कितनी बढ़ोतरी हुई है। राज्य सरकार को पूरा भरोसा है कि वह सही रणनीति से अपने लक्ष्यों को पा लेगी।

कठुआ में पाकिस्तानी घुसपैठिया गिरफ्तार

कठुआ (ईएमएस): जम्मू-कश्मीर के कठुआ जिले में अंतरराष्ट्रीय सीमा के पास सुरक्षा बलों ने एक पाकिस्तानी घुसपैठिए को गिरफ्तार किया। अधिकारियों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। उसे हिरानगर सेक्टर के बोबिया इलाके में सीमा पर लगी फेंसिंग के पास पकड़ा गया। सूत्रों के मुताबिक, गिरफ्तार व्यक्ति की उम्र करीब ६५ साल है। सुरक्षा बलों ने पाकिस्तानी नागरिक को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। सीमा पार करने की परिस्थितियों और इलाके में उसकी मौजूदगी के मकसद की जानकारी जुटाई जा रही है।

सेना के चोरी हुए हथियार जब्त, कैंटोनमेंट का एक कर्मचारी अरेस्ट, 2 रूम के ताले तोड़ चुराए थे हाईटेक वेपंस

हैदराबाद (ईएमएस): तेलंगाना पुलिस ने शुक्रवार को सिकंदराबाद कैंटोनमेंट से चोरी हुए सेना के सभी हथियार जब्त कर लिए हैं। पुलिस के मुताबिक, कैंटोनमेंट में काम करने वाले एक शख्स की मदद यह चोरी की गई थी। आरोपी को हिरासत में ले लिया गया है। हालांकि, जांच में सामने आई अन्य जानकारियां अभी शेयर नहीं की गई हैं। चोरी का मामला ३१ अगस्त को तब सामने आया था, जब मद्रास रेजिमेंट के एक लेफ्टिनेंट कर्नल ने हैदराबाद के बोल-ाराम पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत के अनुसार, लगभग ४० मीटर की दूरी पर स्थित दो शस्त्रागार रूम के ताले तोडक़र बड़ी संख्या में हाईटेक वेपंस चोरी कर लिए गए थे।

जांच के दौरान २० मद्रास रेजिमेंट की एक यूनिट के सीनियर ऑफिसर से भी पूछताछ की गई थी। इसकी एक वजह यह थी कि आर्मरी के रजिस्टर कई महीनों से मेंटेन नहीं किए जा रहे थे।

पश्चिम बंगाल के अलीपुरद्वार में भूकंप के झटके, सुबह-सुबह कांपी धरती

कोलकाता (ईएमएस): पश्चिम बंगाल में शुक्रवार सुबह-सुबह धरती कांपी। अलीपुरद्वार में सुबह ६ बजकर ५६ मिनट पर भूकंप के झटके महसूस किए गए, जिससे लोगों की नींद उड़ गई। नेशनल सेंटर फॉर सिस्मोलॉजी (एनएससी) के मुताबिक, रिक्टर स्केल पर इस भूकंप की तीव्रता ३.० मापी गई। इसकी गहराई जमीन के अंदर करीब ९ किलोमीटर थी। भूकंप के झटके महसूस होने के बाद लोगों में हलचल मच गई, हालांकि अभी तक किसी तरह के जानमाल के नुकसान की सूचना नहीं है।

अलीपुरद्वार में आया भूकंप शुक्रवार को भारत में दर्ज हुई भूकंपीय गतिविधियों का हिस्सा था। इससे पहले भी देश के अलग-अलग हिस्सों में धरती हिली। एनएससी के आंकड़ों के अनुसार, शुक्रवार रात १२ बजकर २७ मिनट पर लेह-लद्दाख में ३.७ तीव्रता का भूकंप आया था, जिसकी गहराई करीब १२ किलोमीटर थी। इसके बाद असम में भी भूकंप दर्ज किया गया, शुक्रवार रात १ बजकर २० मिनट के आसपास दिमा हसाओ इलाके में ३.१ तीव्रता का भूकंप आया, जिसकी गहराई करीब ३९ किलोमीटर थी।

यानी शुक्रवार की सुबह तक भारत में कम तीव्रता वाले कई भूकंप दर्ज किए जा चुके थे, जिनमें सबसे ज्यादा तीव्रता ३.७ की लेह-लद्दाख में थी। भारत के बाहर के इलाकों में भी शुक्रवार को भूकंप दर्ज हुए। एनएससी के अनुसार, सुबह ४ बजकर २ मिनट के आसपास तिब्बत में ३.७ तीव्रता का भूकंप आया, जिसकी गहराई करीब ३० किलोमीटर थी।

अब आपकी जमीन का भी बनेगा आधार कार्ड

जमीन का पूरा रिकॉर्ड किया जाएगा डिजिटल

नई दिल्ली (ईएमएस): सरकार ने सभी के जमीन का रिकॉर्ड रखने के लिए नई स्कीम की शुरुआत की है। डिजिटल इंडिया लैंड रिकॉर्ड मोर्डनाइजेशन प्रोग्राम के तहत ग्रामीण से लेकर शहरी तक सभी जमीनों का रिकॉर्ड होगा। डिजिटल इंडिया लैंड रिकॉर्ड मोर्डनाइजेशन प्रोग्राम के तीसरे फेस की पूरी गाइडलाइन जारी कर दी गई है। डिजिटल इंडिया लैंड रिकॉर्ड मोर्डनाइजेशन प्रोग्राम ३.० स्कीम के लिए २०२६-३१ के दौरान ५६५.५ करोड़ रुपये का बजट आवंटित किया गया है। इस स्कीम का उद्देश्य लैंड रिकॉर्ड, मैप, रजिस्ट्रेशन और संबंधित आंकड़ों को जीआईएस बेस्?ड डिजिटल फ्रेमवर्क पर लाना है। लॉन्च के दौरान केंद्रीय ग्रामीण मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि यह स्कीम व्यक्तिगत रिकॉर्ड के डिजिटलीजेशन से आगे बढक़र एक यूनिफाइड लैंड मैनेजमेंट सिस्टम की ओर लेकर जाएगी। उन्होंने कहा कि इस योजना से किसानों को संस्थागत लोन आसानी से प्राप्त करने में मदद मिलेगी और सरकारी कार्यालयों के बार-बार चक्कर लगाने की आवश्यकता नहीं होगी।

पाकिस्तान धार्मिक यात्रा के नियम बदले

हिसार (ईएमएस): केंद्र और हरियाणा सरकार ने भारत-पाकिस्तान धार्मिक यात्राओं के नियम बदल दिए हैं। ऑपरेशन सिंदूर के बाद सामने आए पाक जासूसी नेटवर्क और हिसार की यूट्यूबर ज्योति मल्होत्रा केस के बाद यह फैसला लिया गया है। जांच में खुलासा हुआ है कि पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी और वहां के प्राइवेट टूर ऑपरेटर धार्मिक यात्रा के नाम पर भारतीय नागरिकों को स्पॉन्सर करते हैं, ताकि उनसे जासूसी करा सकें। इसे देखते हुए भारत सरकार ने पाकिस्तान से चलने वाले सभी प्रकार के प्राइवेट स्पॉन्सर्ड टूर पर पूरी तरह से पाबंदी लगा दी है।

अगर ममता नंदीग्राम से उपचुनाव में उतरती हैं तो उनके खिलाफ उम्मीदवार नहीं उतारेंगे

टीएमसी के बागी गुट ने पार्टी प्रमुख ममता को चुनाव लड़ने का दिया खुला ऑफर

कोलकाता (ईएमएस): पश्चिम बंगाल में नंदीग्राम और रेजीनगर विधानसभा सीट पर होने वाले उपचुनाव को लेकर सियासत गरमा गई है। टीएमसी के बागी गुट ने पार्टी प्रमुख ममता बनर्जी को नंदीग्राम सीट से चुनाव लड़ने का खुला ऑफर दिया है। ऋतब्रत बनर्जी की अगुवाई वाले तृणमूल खेमे के नेता मदन मित्रा ने कहा कि अगर ममता बनर्जी नंदीग्राम से मैदान में उतरती हैं तो उनके खिलाफ कोई उम्मीदवार नहीं उतारा जाएगा।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक नंदीग्राम विधानसभा सीट से ममता बनर्जी २०२१ में विधानसभा चुनाव लड़ चुकी हैं, लेकिन उन्हें जीत नहीं मिली थी और वे बीजेपी के उम्मीदवार शुभेंदु अधिकारी से हार गई थीं। इसके बाद २०२६ के विधानसभा चुनाव में शुभेंदु अधिकारी ने ममता बनर्जी को उनके गढ़ भवानीपुर में भी हरा दिया। शुभेंदु इस बार नंदीग्राम और भवानीपुर दोनों ही विधानसभा सीटों से चुनाव जीते थे, जिसके बाद उन्होंने नंदीग्राम सीट छोड़ दी। अब नंदीग्राम सीट पर उपचुनाव हो रहे हैं। ममता बनर्जी को टीएमसी के बागी गुट ने खुला ऑफर दिया है। ऐसे में सवाल उठता है कि क्या ममता बनर्जी नंदीग्राम सीट से चुनावी मैदान में उतरेंगी?

रिपोर्ट के मुताबिक पश्चिम बंगाल की सत्ता से बाहर होते ही तृणमूल कांग्रेस तीन धड़ों में बंट गई है। ऋतब्रत खेमे ने टीएमसी विधायकों को अपने साथ मिलाकर पार्टी पर कब्जा जमा रखा है, जिसे लेकर ममता का मामला कोर्ट में चल रहा है। ऋतब्रत गुट के नेता मदन मित्रा ने कहा है कि अगर ममता बनर्जी खुद नंदीग्राम से चुनाव लड़ती हैं, तो वे उम्मीदवार नहीं उतारेंगे। इसके साथ ही नंदीग्राम के एक अन्य नेता अबू ताहेर ने भी यही बात कही है। मित्रा ने कहा कि इस फैसले का मकसद बीजेपी विरोधी वोटों के बंटवारे को रोकना और ममता को नंदीग्राम में आसानी से जीत दिलाना है। मित्रा ने कहा कि इससे यह साबित होगा कि हम बीजेपी को विपक्ष के वोट बांटने का मौका नहीं देना चाहते।

बागेश्वर बाबा के नॉन-वेज न खाने के विवाद को किया खत्म कौशिकी अमावस्या पर कालीघाट की परंपरा का किया पालन

कोलकाता (ईएमएस): बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने कालीघाट के मां काली मंदिर में बैठकर मछली खाई, जिससे ऐसा लग रहा है कि भारतीय जनता पार्टी बाबा बागेश्वर के दुर्गापूजा में नॉन-वेज न खाने वाले विवाद को खत्म करने की कोशिश कर रही है। बाबा बागेश्वर के नाम से मशहूर धीरेंद्र शास्त्री ने दुर्गा पूजा के दौरान बंगालियों से दुर्गा पूजा के दौरान मांसाहार छोडऩे की अपील की थी। वहीं धार्मिक मौकों पर मांस खाने वालों को ढोंगी बताया था।

भारतीय जनता पार्टी और कांग्रेस दोनों ने ही बाबा बागेश्वर की इस बात को खारिज किया था, लेकिन ये विवाद थम नहीं रहा था। अब शुभेंदु अधिकारी कालीघाट पहुंचे और उन्होंने मंदिर में बैठकर मछली का भोग खाया। सीएम शुभेंदु अधिकारी ने कौशिकी अमावस्या के मौके पर कालीघाट का दौरा किया, जिसे शाक्त हिंदू शुभ मानते हैं।

एक वीडियो में मुख्यमंत्री को जमीन पर बैठकर भोग खाते हुए देखा गया, जिसमें मछली का एक बड़ा सिर भी शामिल था - जो कालीघाट के भोग की थाली की

शुभेंदु अधिकारी ने मंदिर में बैठकर खाई मछली

खासियत है। इसके अलावा, फ्राइड फिश और बसंती पुलाव (पीले चावल) भी थे। कालीघाट में मुख्य देवी मां काली को मछली और बलि दिए गए बकरे का मांस चढ़ाने की परंपरा है। बाद में भक्त इस प्रसाद को ग्रहण करते हैं।

बंगाल में बीजेपी को इस बात पर अक्सर ऐसे आरोप लगते रहे हैं कि वह मुख्य रूप से मांस खाने वाले बंगाल में उत्तरी राज्यों से शाकाहारी खान-पान की आदतें थोपने की कोशिश कर रही है, लेकिन पार्टी ने बार-बार ऐसी बातों को खारिज किया है।

वहीं शुभेंदु अधिकारी के मंदिर में बैठकर मांस खाने के वीडियो से साफ संकेत दिया जा रहा है कि शाकाहारी-मांसाहारी वाली बहस खत्म होनी चाहिए। बीजेपी प्रवक्ता प्रदीप भंडारी ने कहा कि विवाद को वहीं खत्म हो जाना चाहिए, जहां उसे होना चाहिए। कालीघाट में मुख्यमंत्री मां काली के पारंपरिक मछली भोग में शामिल होते हैं, जो बंगाल की आस्था, परंपराओं और जीवन शैली का सम्मान है। उनके नेतृत्व में, बीजेपी हमेशा बंगाल के हितों, बंगाल की परंपराओं और बंगाल के लिए जो सही है, उसके लिए मजबूती से खड़ी रहेगी।

संपादकीय | पुलिस की कार्रवाई पर उठे गंभीर सवाल

कुछ समय पहले दिल्ली के जंतर मंतर पर काकरोच जनता पार्टी की अगुआई में विद्यार्थियों के विरोध प्रदर्शन के खिलाफ पुलिस ने जिस तरह की बेलगाम कार्रवाई की थी, उस पर हर तरफ से तीखे सवाल उठे थे। यह भी कहा गया कि अगर विद्यार्थियों का अपने मुद्दों पर बात करना, सरकार से खामियों को दुरुस्त करने की मांग करना इतना मुश्किल है और इसके बदले उन्हें पुलिस की बेरहम कार्रवाई का सामना करना पड़ेगा, तो यह देश के लोकतांत्रिक ढांचे के कितना अनुरूप है।

यहां तक कि सुप्रीम कोर्ट ने भी इस मसले पर तीखी नाराजगी जाहिर करते हुए कहा था कि प्रदर्शनकारियों के खिलाफ पुलिस की कार्रवाई और मारपीट देखना बेहद दुखद है। अदालत ने यह भी कहा कि पुलिस अफसरों से अपेक्षित तटस्थता भी गायब होती दिख रही है। कायदे से पुलिस-प्रशासन और सरकार को अदालत की इस टिप्पणी पर गौर करते हुए अपने रवैये में सुधार करने की जरूरत थी। मगर शीर्ष अदालत की टिप्पणियों की पुलिस को कितनी फिक्र है, यह सिर्फ इतने से ही समझा सकता है कि जंतर मंतर पर प्रदर्शन में शामिल होने को कारण बता कर विद्यार्थियों को नोटिस देना शुरू कर दिया गया है। जबकि इसी मसले पर सुप्रीम कोर्ट पुलिस के रवैये पर नाराजगी जता चुका है।

गौरतलब है कि जंतर मंतर पर हुए प्रदर्शन में शामिल होने के आरोप में नोएडा की कार्यकारी मजिस्ट्रेट ने गौतमबुद्ध विश्वविद्यालय के एक छात्र के खिलाफ नोटिस जारी कर दिया था। इस मसले पर सुनवाई के दौरान बुधवार को सुप्रीम कोर्ट ने कार्यकारी मजिस्ट्रेट को कड़ी फटकार लगाई। प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत ने साफ शब्दों

में कहा कि शीर्ष अदालत के पहले के आदेश के बावजूद मजिस्ट्रेट ने ऐसा नोटिस जारी करने की हिम्मत कैसे की। दरअसल, अदालत ने अपने पहले के आदेश में साफ तौर पर कहा था कि किसी भी विद्यार्थी के खिलाफ जबरन कार्रवाई नहीं की जाएगी। जाहिर है, दिल्ली में प्रदर्शन और उसमें हुई कार्रवाई के संदर्भ में अदालत ने एक तरह से स्पष्ट लहजे में पुलिस और प्रशासन को एक बार फिर उसकी सीमा याद दिलाई है।

हालांकि छात्र को जारी नोटिस बाद में वापस ले लिया गया, लेकिन यह विचित्र है कि नोएडा की कार्यकारी मजिस्ट्रेट को यह कार्रवाई करते हुए अदालत के निर्देश का खयाल रखने की जरूरत महसूस नहीं हुई थी। सवाल यह भी है कि सुप्रीम कोर्ट के स्पष्ट आदेश के बावजूद अगर किसी छात्र को प्रदर्शन में शामिल होने के लिए नोटिस जारी किया जाता है, इस दुस्साहस का स्रोत आखिर क्या है? क्या ऐसा परोक्ष रूप से सरकार के संरक्षण और निर्देश की वजह से किया जाता है? अगर ऐसा नहीं है, तो पुलिस या प्रशासन की नजर में शीर्ष अदालत के निर्देशों की क्या अहमियत है? यह समझना मुश्किल है कि जब पुलिस को किसी आंदोलन से निपटने के लिए तैनात किया जाता है, तो संवाद के जरिए समाधान की राह खोजने के बजाय कई बार वह बिना किसी हिचक के प्रदर्शनकारियों के खिलाफ अधिकतम बेरहम क्यों हो जाती है। यह ध्यान रखने की जरूरत है कि अगर शांतिपूर्ण तरीके से किए जाने वाले विरोध प्रदर्शनों को दबाने के लिए बलप्रयोग या कार्रवाई की धमकी का सहारा लिया जाएगा, तो इसका देश के लोकतांत्रिक ढांचे पर दूरगामी असर पड़ेगा। सरकार की ओर से हुई लापरवाही या उसकी किसी कमी पर सवाल उठाना या अपनी मांगों के साथ सरकार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन करना आम नागरिकों का संवैधानिक अधिकार है। अभिव्यक्ति का यह अधिकार अगर सुरक्षित है, तो इसी से लोकतंत्र का जीवन बचेगा।

बिहार बाढ़ः की विभीषिकाः कुदरत का कहर या प्रशासनिक नाकामी?

बिहार हर वर्ष बाढ़ की विभीषिका का सामना करता है। इसका मतलब यह होता है कि इसकी प्रकृति को समझ कर इससे बचाव के इंतजाम किए जा सकते हैं। मगर इतने वर्षों से अमूमन हर वर्ष बाढ़ की तबाही के बावजूद राज्य को इस प्राकृतिक आपदा से बचाने के लिए कभी ठोस उपाय नहीं किए गए। इस बार भी नदियां उफान पर हैं। कई नदियां खतरे के निशान से ऊपर बह रही हैं। पिछले कुछ दिनों से लगातार बारिश और नेपाल के जलग्रहण क्षेत्र में भारी वर्षा की वजह से राज्य के चौदह जिलों में स्थिति गंभीर हो गई है। चालीस लाख से ज्यादा लोग बाढ़ से प्रभावित हुए हैं। बड़ी संख्या में लोग बेघर हो गए हैं। राहत शिविरों की अपनी सीमा है। गौरतलब है कि हर साल नेपाल से आने वाली नदियां तबाही लेकर आती हैं। बावजूद इसके राज्य सरकार इन नदियों के पानी को संभालने और आम लोगों को राहत के लिए कोई ठोस तंत्र विकसित नहीं कर पाई है। हर वर्ष बाढ़ राहत कार्यों पर निर्भरता

के बजाय अगर सरकार बाढ़ नियंत्रण के उपायों पर ध्यान केंद्रित करती, तो इस समस्या को सुलझाने की दिशा में काफी आगे बढ़ा जा सकता था। नागरिकों की सुरक्षा के लिए बनाए गए तटबंध आज नाकाम साबित हो रहे हैं, तो इस समस्या की जड़ में जाने की जरूरत है। यह निराशाजनक ही है कि हर साल बाढ़ राहत के नाम पर रस्मी कवायद कर अगले वर्ष फिर बाढ़ की प्रतीक्षा की जाती है। एक बड़ी चुनौती यह है कि हिमालयी नदियां हर बार अपने साथ भारी मात्रा में गाद लेकर आती हैं, जो राज्य की नदियों में जमा होती जाती हैं। नतीजा यह कि उथली हो रही नदियों का पानी रिहाइशी इलाकों को अपनी चपेट में ले लेता है। सुशासन का दावा करने वाली सरकार ने इस समस्या को गंभीरता से लिया होता, तो राज्य में जल प्रबंधन की नई तस्वीर बन सकती थी। यह बेवजह नहीं है कि देश के अन्य राज्यों की तुलना में बिहार को इस आपदा से सबसे अधिक नुकसान होता है। सही है कि बाढ़ को रोका नहीं जा सकता, लेकिन धरातल पर योजनाओं को साकार कर जन-जीवन को व्यापक नुकसान से जरूर बचाया जा सकता है।

आज का कार्टून

नशे की गिरफ्त में भारतः युवाओं पर सबसे बड़ा संकट

करोड़ों लोग कर रहे ड्रग्स का इस्तेमाल

जब तक समाज के भीतर से नशीले पदार्थों की मांग समाप्त नहीं होगी, यह जंग अधूरी रहेगी। हमें 'जेल नहीं, इलाज' और 'सहानुभूति, न कि तिरस्कार' के सिद्धांत को अपनाना होगा। उत्तराखंड के देहरादून में एक गांव की महिलाओं ने जिस तरह मोर्चा थामा है, वह काबिले-तारीफ है। प्राथमिक स्तर पर ही स्कूलों और कालेजों में नियमित जांच और पेशेवर काउंसलरों की नियुक्ति अनिवार्य होनी चाहिए। खेलकूद, कला और रचनात्मक गतिविधियों को बढ़ावा देकर युवाओं की ऊर्जा को सकारात्मक दिशा देना आवश्यक है। सबसे महत्त्वपूर्ण भूमिका परिवार की है। माता-पिता को अपने बच्चों के साथ भावनात्मक संवाद स्थापित करना होगा, ताकि बच्चे तनाव के क्षणों में मादक पदार्थ के बजाय परिवार का सहारा लें। सरकार, नागरिक समाज, मीडिया और परिवारों को एकजुट होकर 'नशे के विरुद्ध और जिंदगी को हां' का नारा बुलंद करना होगा।

प्रमोद कुमार वाजपेयी

उस व्यक्ति की त्रासदी का बस अंदाजा ही लगाया जा सकता है, जिसका बेटा नशे का आदी हो चुका है। इसी वजह से उसकी पढ़ाई छूट चुकी है और अब वह दिन भर कंप्यूटर गेम खेलता रहता है या दिन भर ट्रक के अड्डे पर जुआ खेलता रहता है।

पिता इसलिए परेशान हैं कि वह अब उसके मादक पदार्थों पर भी हाथ साफ करने लगा है और उसे अपने बेटे के भविष्य का अनुमान है और अब वह इसी को लेकर फिक्रमंद है। हालांकि खुद पचास का पिता भी नशे के जाल में इस कदर फंसा हुआ है, उसके हाथ कांपने लगे हैं और वह ठीक से खड़ा भी नहीं हो पाता है।

बीते कुछ महीने के भीतर ऐसे मामले अब तेजी से बढ़ने लगे हैं। जिनका नशे की लत की वजह से सब कुछ बर्बाद हो चुका है, वैसे लोग अब परामर्श और आपात हस्तक्षेप तक के लिए मनोचिकित्सकों या काउंसलरों के पास पहुंचने लगे हैं। संकट की भयावहता के चलते केंद्र सरकार अब नशा मुक्त भारत अभियान की बात कर रही है और राज्यों के मुख्यमंत्री भी नशाखोरी के विरुद्ध बड़ी-बड़ी रैलियां कर रहे हैं।

युवाओं को शपथ दिलवाया जा रहा है, स्कूल-कालेजों को नशे के विरुद्ध माहौल बनाने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है। वहीं नशे के खिलाफ लड़ाई के लिए पुलिस प्रशासन को चुस्त-दुरुस्त किया जा रहा है तथा बड़े पैमाने पर मादक पदार्थों के तस्करों के खिलाफ कार्रवाई की जा रही है। मगर इसी बीच यह खबर भी आती है कि पंजाब में एक ग्रामीण ने जब मादक पदार्थों की धड़ल्ले से आपूर्ति पर सवाल उठाया, तो उसे प्रताड़ित किया गया और आखिर उसने आत्महत्या कर ली।

सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय द्वारा एम्स के 'नेशनल ड्रग डिपेंडेंस ट्रीटमेंट सेंटर' के सहयोग से जारी की गई आधिकारिक रिपोर्ट 'मैग्नीट्यूड आफ सब्सटेंस यूज इन इंडिया' के आंकड़े यह स्पष्ट करते हैं कि मादक पदार्थों की खरीद-बिक्री और नशे की समस्या अब केवल कुछ महानगरों या सीमावर्ती क्षेत्रों तक सीमित नहीं रही। यह एक सर्वव्यापी राष्ट्रीय स्वास्थ्य आपातकाल और सामाजिक संकट का रूप ले चुकी है।

रिपोर्ट के अनुसार, भारत में 10 से 75 वर्ष की आयु वर्ग के बीच लगभग 16 करोड़ लोग शराब का सेवन करते हैं, जिनमें से 5.7 करोड़ से अधिक लोगों को तत्काल चिकित्सीय उपचार की आवश्यकता है। वहीं, लगभग 3.1 करोड़ लोग भांग, गांजा या चरस जैसे कैनबिस उत्पादों का इस्तेमाल कर रहे हैं। सबसे चिंताजनक स्थिति ओपियोइड्स (अफीम, हेरोइन और सिंथेटिक ड्रग्स) के मामले में है।

भारत में ओपियोइड का उपयोग वैश्विक औसत से लगभग तीन गुना अधिक है। देश में करीब 2.26 करोड़ ओपियोइड उपयोगकर्ता हैं, जिनमें से साठ लाख से अधिक लोग इस लत के गंभीर दुश्चक्र में फंस चुके हैं। इससे भी अधिक विचलित करने वाला तथ्य यह है कि देश के लगभग 1.7 फीसद बच्चे और किशोर (यानी करीब अठारह लाख बच्चे) 'इन्हेलेंट्स' यानी सूंघने वाले नशे जैसे थिनर, फ्लूइड, सरेष आदि के जाल में फंस चुके हैं।

हाल के वर्षों में एमडीएमए, मेथमफेटामाइन और अवैध दवाओं (सिंथेटिक ओपियोइड्स) की मांग और जब्ती में आया भारी उछाल यह साबित करता है कि नशे का बाजार अब पारंपरिक से बदलकर अत्यधिक घातक रासायनिक स्वरूप अख्तियार कर चुका है। मादक पदार्थों की यह विभीषिका पूरे देश में फैली है, लेकिन भौगोलिक और सामरिक कारणों से कुछ राज्य इसके गढ़ बन गए हैं।

मिजोरम, नगालैंड, अरुणाचल प्रदेश, सिक्किम और मणिपुर जैसे उत्तर-पूर्वी राज्य ओपियोइड और नशीली दवाओं से सबसे ज्यादा प्रभावित हैं। दूसरी ओर, पंजाब, हरियाणा और दिल्ली राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र सिंथेटिक मादक पदार्थों और हेरोइन का एक बड़ा केंद्र बन चुका है। दरअसल, भारत दुनिया के दो सबसे बड़े अवैध अफीम उत्पादक क्षेत्रों के बीच फंसा हुआ है। इसके पश्चिम में 'गोल्डन क्रिसेंट' (पाकिस्तान, अफगानिस्तान और ईरान) है और पूर्व में 'गोल्डन ट्रायंगल' (म्यांमार, लाओस और थाईलैंड) है।

इससे भारत न केवल मादक पदार्थों की तस्करी के लिए एक प्रमुख 'ट्रांजिट रूट' बना, बल्कि धीरे-धीरे एक विशाल उपभोक्ता बाजार में भी तब्दील हो गया। वर्तमान में डार्कवेब, क्रिप्टोकरेंसी और ड्रोन तकनीक के माध्यम से होने वाली उच्च-तकनीक तस्करी के संजाल ने इस चुनौती को कई गुना बढ़ा दिया है। नशे की लत से पीड़ित व्यक्ति को केवल एक 'अपराधी' या 'चरित्रहीन' के चश्मे से देखना हमारी भूल होगी। चिकित्सा विज्ञान के अनुसार मादक पदार्थों या ड्रग की लत एक मानसिक बीमारी है।

शुरुआत में युवा वर्ग गलाकाट प्रतिस्पर्धा, करिअर की अनिश्चितता, बेरोजगारी जनित अवसाद या सहकर्मियों के दबाव के कारण अनजाने में इस दलदल में कदम रखता है, लेकिन धीरे-धीरे रासायनिक निर्भरता के कारण व्यक्ति का अपने मस्तिष्क पर नियंत्रण नहीं रहता। जब कोई व्यक्ति इस लत से बाहर निकलना चाहता है, तो सबसे बड़ी बाधा 'विड्राल सिम्प्टम्स' यानी तड़प और शारीरिक कष्ट तथा समाज में व्याप्त 'सामाजिक लांछन' बनते हैं। सामाजिक बहिष्कार के डर से पीड़ित या उसका परिवार समय पर मदद मांगने या नशामुक्ति केंद्र जाने से कतराता है।

परिणामतः यह समस्या बंद कमरों के भीतर ही सुलगती रहती है और आखिरकार आत्महत्या या गंभीर अपराधों के रूप में सामने आती है। महंगी लत को पूरा करने के लिए युवा वर्ग चोरी, झपटमारी और यहां तक कि जघन्य अपराधों की राह पकड़ लेता है। इस महामारी से निपटने के लिए वर्तमान में आपूर्ति, मांग और नुकसान में कमी की त्रिआयामी रणनीति पर काम किया जा रहा है। एक ओर कड़े एनडीपीएस अधिनियम के तहत तस्करों की गिरफ्तारियां कर संपत्तियां कुर्क की जा रही हैं, तो दूसरी ओर देश में सरकारी ओर मान्यता प्राप्त नशामुक्ति केंद्रों की संख्या बढ़ा कर 780 से अधिक की गई है, जिनके माध्यम से 8.20 लाख से अधिक लोगों को इलाज और पुनर्वास का लाभ मिल चुका है। मगर कड़े कानूनों और पुलिसिया कार्रवाइयों की अपनी एक सीमा है। वे केवल आपूर्ति को बाधित कर सकते हैं।

जब तक समाज के भीतर से नशीले पदार्थों की मांग समाप्त नहीं होगी, यह जंग अधूरी रहेगी। हमें 'जेल नहीं, इलाज' और 'सहानुभूति, न कि तिरस्कार' के सिद्धांत को अपनाना होगा। उत्तराखंड के देहरादून में एक गांव की महिलाओं ने जिस तरह मोर्चा थामा है, वह काबिले-तारीफ है। प्राथमिक स्तर पर ही स्कूलों और कालेजों में नियमित जांच और पेशेवर काउंसलरों की नियुक्ति अनिवार्य होनी चाहिए।

खेलकूद, कला और रचनात्मक गतिविधियों को बढ़ावा देकर युवाओं की ऊर्जा को सकारात्मक दिशा देना आवश्यक है। सबसे महत्त्वपूर्ण भूमिका परिवार की है। माता-पिता को अपने बच्चों के साथ भावनात्मक संवाद स्थापित करना होगा, ताकि बच्चे तनाव के क्षणों में मादक पदार्थ के बजाय परिवार का सहारा लें। सरकार, नागरिक समाज, मीडिया और परिवारों को एकजुट होकर 'नशे के विरुद्ध और जिंदगी को हां' का नारा बुलंद करना होगा। एक नशामुक्त, स्वस्थ और मानसिक रूप से सुदृढ़ युवा पीढ़ी ही सशक्त और आत्मनिर्भर भारत की वास्तविक नींव बन सकती है।

बच्चों को बेहतर जिंदगी देने की चाह में छोटा हुआ परिवार

आज हजारों किलोमीटर दूर बैठे बच्चे भी अपने माता-पिता को रोज देख सकते हैं, लेकिन स्क्रीन पर दिखाई देने वाला चेहरा और सामने बैठा हुआ व्यक्ति एक जैसा अनुभव नहीं देते। शायद इसलिए संपर्क बढ़ने के बावजूद अकेलापन हमेशा कम नहीं हुआ है। एकल-संतान परिवारों के संदर्भ में यह बात और महत्त्वपूर्ण हो जाती है। एक बच्चे के लिए माता-पिता बहुत कुछ कर पाते हैं। अपनी आय, समय और ध्यान का बड़ा हिस्सा उसी पर लगा सकते हैं, लेकिन आगे चलकर वही बच्चा अपनी दुनिया में व्यस्त हो जाए, तो माता-पिता के पास अपने भावनात्मक संसार को साझा करने वाले लोग भी कम हो सकते हैं।

श्याम यादव

माता-पिता जब बच्चे को बड़ा करते हैं, तो उनके सामने सबसे बड़ा सवाल यह नहीं होता कि आगे चलकर बच्चा उनके लिए क्या करेगा। उनकी चिंता यह होती है कि बच्चे को वह सब मिल जाए, जो वे उसे देना चाहते हैं। जो सुविधाएं उन्हें नहीं मिलीं, वे बच्चे को मिलें। जिस रास्ते पर उन्हें मुश्किलें आईं, बच्चे के लिए वह रास्ता कुछ आसान हो। शायद इसी इच्छा ने परिवारों की सोच भी बदली है। दो बच्चों के छोटे परिवार के बाद अब एक-संतान परिवार की धारणा भी इसी बदलाव का हिस्सा है। एक बच्चा हो, तो उसकी पढ़ाई-लिखाई पर अधिक खर्च किया जा सकता है, उसकी पसंद और जरूरतों को समझने के लिए अधिक समय दिया जा सकता है और उसके बेहतर भविष्य की तैयारी की जा सकती है।

एक बच्चे को अधिक अवसर देने की इच्छा आज बहुत-से माता-पिता के फैसलों में दिखाई देती है। इसमें कुछ अस्वाभाविक भी नहीं है। मगर सवाल यह है कि परिवार छोटा होने के साथ क्या बच्चे का अपना संसार भी कुछ छोटा हो जाता है? एक समय घर में भाई-बहन होते थे और रिश्तेदारों की आवाजाही भी बनी रहती थी। दादा-दादी के पास बैठना, चाचा-चाची से झगड़ना, मामा-मौसी के घर जाना- इन सबका अपना महत्त्व था। बच्चा इन्हीं संबंधों के बीच बड़ा होता था। उसे समझने में ज्यादा समय नहीं लगता था कि हर बात अपनी इच्छा के अनुसार नहीं होती। कभी किसी की सुननी पड़ती थी, कभी अपनी चीज बांटनी पड़ती थी और कभी बिना किसी खास कारण के किसी के काम आना पड़ता था। एक बच्चे वाले परिवार में माता-पिता का ध्यान स्वाभाविक रूप से उसी पर अधिक रहता है। उसकी पढ़ाई, स्वास्थ्य, पसंद और भविष्य घर की बातचीत का बड़ा हिस्सा बन जाते हैं। कभी-कभी माता-पिता अपनी अधूरी इच्छाओं को भी बच्चे के भविष्य से जोड़ देते हैं। बच्चा सफल होता है तो लगता है जैसे उनकी मेहनत सफल हुई। फिर वही बच्चा बड़ा होकर अपनी राह पर निकलता है। पढ़ाई के लिए बाहर जाता है, नौकरी दूसरे शहर में मिलती है और फिर अपनी गृहस्थी तथा जिम्मेदारियों में व्यस्त हो जाता है। माता-पिता उसके आगे बढ़ने से खुश होते हैं। आखिर उन्होंने उसे रोकने के लिए तो नहीं पाला था! बच्चों की जिंदगी जितनी फैलती जाती है, कई बार माता-पिता का संसार उतना ही सिमटता जाता है।

फोन है, वीडियो काल है, कभी त्योहार पर मुलाकात हो जाती है। जरूरत हो, तो पैसे भेज दिए जाते हैं। बीमारी में डाक्टर से सलाह भी मिल जाती है। बहुत-सी चीजें आसान हुई हैं। फिर भी उम्र के एक पड़ाव पर शायद इंसान को केवल सुविधा नहीं, किसी अपने की मौजूदगी की जरूरत भी होती है। हाल में एक बुजुर्ग पिता की मृत्यु से जुड़ी एक घटना सामने आई।

उनकी संतानें अपने-अपने जीवन में दूर थीं और अंतिम समय में उनके पास पहुंच पाना संभव नहीं हुआ। आर्थिक मदद और वीडियो काल के जरिए अंतिम विदाई की बात सामने आई। यह घटना एक सवाल छोड़ती है कि क्या रिश्तों की जगह धीरे-धीरे व्यवस्थाएं ले रही हैं? किसी बुजुर्ग की दवा का इंतजाम किया जा सकता है। पैसे भेजे जा सकते हैं।

किसी देखभाल करने वाले को रखा जा सकता है। यह सब जरूरी भी है, लेकिन इन सबके बीच वह व्यक्ति कहां है, जो उसके पास बैठकर उसकी बात सुन सके? बीमारी का खर्च उठाना और बीमारी के समय पास बैठना एक ही बात नहीं है। तकनीक ने दूरियों को कम करने में बहुत मदद की है। आज हजारों किलोमीटर दूर बैठे बच्चे भी अपने माता-पिता को रोज देख सकते हैं, लेकिन स्क्रीन पर दिखाई देने वाला चेहरा और सामने बैठा हुआ व्यक्ति एक जैसा अनुभव नहीं देते। शायद इसलिए संपर्क बढ़ने के बावजूद अकेलापन हमेशा कम नहीं हुआ है। एकल-संतान परिवारों के संदर्भ में यह बात और महत्त्वपूर्ण हो जाती है। एक बच्चे के लिए माता-पिता बहुत कुछ कर पाते हैं। अपनी आय, समय और ध्यान का बड़ा हिस्सा उसी पर लगा सकते हैं, लेकिन आगे चलकर वही बच्चा अपनी दुनिया में व्यस्त हो जाए, तो माता-पिता के पास अपने भावनात्मक संसार को साझा करने वाले लोग भी कम हो सकते हैं। यह एक बच्चे के होने की समस्या नहीं, बल्कि छोटे होते पारिवारिक दायरे की एक चुनौती है।जीवन बदल चुका है। लोगों के रहने और काम करने के तरीके बदल गए हैं। मगर रिश्तों का अर्थ शायद इतना नहीं बदला है कि उनमें उपस्थिति की जरूरत ही न रहे। माता-पिता अगर बच्चे को अपना पूरा संसार बना लें, तो उसके दूर जाने पर उनका अकेलापन बढ़ सकता है। उम्र के साथ अपने मित्रों, रुचियों और सामाजिक जीवन को बनाए रखना भी जरूरी है। परिवार जीवन का बड़ा हिस्सा है, पूरा जीवन नहीं। फिर भी बच्चे को स्वतंत्र बनाना और उसे रिश्तों से मुक्त कर देना- इन दोनों में फर्क है।

उसे अच्छी शिक्षा देना जितना जरूरी है, उतना ही यह समझ देना भी जरूरी है कि जीवन में कुछ रिश्ते ऐसे होते हैं, जिन्हें सुविधा के हिसाब से नहीं निभाया जाता। परिवार छोटा होना कोई समस्या नहीं। सवाल बस इतना है कि क्या परिवार के छोटा होने के साथ हमारी दुनिया भी इतनी छोटी हो गई है कि उसमें माता-पिता के लिए जगह निकालना मुश्किल पड़ने लगे? हमने अपने बच्चे को ज्यादा देने के लिए परिवार छोटा किया। शायद अब यह सोचने की बारी है कि हमने उसे दूसरों के लिए जगह बनाना कितना सिखाया। माता-पिता को अपने बच्चों से कोई प्रतिदान नहीं चाहिए। वे चाहते हैं कि बच्चा अपनी दुनिया बनाए, आगे बढ़े और खुश रहे। बस इतना कि उस दुनिया में उनके लिए कोई कोना ऐसा हो, जहां उम्र बढ़ने पर भी उन्हें अपने होने का एहसास बना रहे। आखिर परिवार छोटा करना हमारी पसंद हो सकती है, लेकिन रिश्तों को छोटा करना हमारी मजबूरी नहीं होना चाहिए।

जंगल में सिर कटी महिला का शव मिलने से सनसनी

बलियापुर (ससे) : धनबाद के बलियापुर थाना क्षेत्र में एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। ढांगी बस्ती स्थित मड़ई थान के आगे चटनियां पुल के सामने जंगल में एक अज्ञात महिला का सिर कटा शव बरामद हुआ है। महिला का सिर और धड़ अलगअलग स्थानों से मिला है। शव मिलने की खबर फैलते ही मौके पर ग्रामीणों की भारी भीड़ जुट गई। सूचना मिलने के बाद बलियापुर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी।

बताया जा रहा है कि स्थानीय निवासी किशोर कुमार महतो शौच के लिए जंगल की ओर गया था। इसी दौरान उसकी नजर महिला के पैर पर पड़ी। संदेह होने पर उसने आसपास के लोगों को इसकी जानकारी दी। ग्रामीण मौके पर पहुंचे तो

महिला का शव पड़ा मिला, जबकि उसका सिर शरीर से अलग था। इसके बाद आशीष महतो ने घटना की सूचना बलियापुर थाना पुलिस को दी। पुलिस के मौके पर पहुंचने के बाद शव को कैंजे में लेकर जांच शुरू की गई। बताया जा रहा है कि महिला का सिर प्लास्टिक के बोरे में मिला, जबकि धड़ जंगल में अलग स्थान पर पड़ा था। मौके से अगरबत्ती सहित कुछ पूजा सामग्री मिलने की भी बात सामने आई है। इसी आधार पर स्थानीय लोग महिला की हत्या को कथित नरबलि से जोड़कर आशंका जता रहे हैं। हालांकि, पुलिस ने अभी तक नरबलि की पुष्टि नहीं की है।

वहीं, बलियापुर थाना के एएसआई अशोक कुमार के मुताबिक महिला की उम्र करीब २५ से ३० वर्ष के बीच होने का अनुमान है। फिलहाल महिला की पहचान नहीं हो सकी है। पुलिस आसपास के लोगों से पूछताछ कर महिला की पहचान कराने की कोशिश कर रही है। पुलिस ने घटना की गंभीरता को देखते हुए रांची से एफएसएल टीम और डॉग स्क्वायड को बुलाया है। दोनों टीमों की जांच के बाद घटनास्थल से अहम सुराग मिलने की उम्मीद है। फिलहाल पुलिस महिला की पहचान, हत्या के कारण और इस सनसनीखेज वारदात के पीछे की वजह का पता लगाने में जुटी है। मामले की जांच के बाद ही साफ हो पाएगा कि आखिर महिला की हत्या किसने और किस वजह से की।

अनियंत्रित कार घर में घुसी चालक वाहन छोड़कर फरार

झरिया (ससे) : झरियाभौंरा चेक पोस्ट के समीप उस समय अफरातफरी मच गई, जब एक अनियंत्रित कार सड़क किनारे स्थित एक घर में जा घुसी। हादसे में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। हालांकि, टक्कर में कार का अगला हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। हादसे के बाद कार चालक वाहन को मौके पर ही छोड़कर फरार हो गया। स्थानीय लोगों के अनुसार, चालक के नशे में होने की आशंका जताई जा रही है। घटना के बाद स्थानीय लोगों की भीड़ मौके पर जुट गई।

भादो अमावस्या पर काली मंदिर में उमड़ा आस्था का सैलाब

धनबाद (कासं) : भादो अमावस्या के अवसर पर हीरापुर हटिया स्थित काली मंदिर में विशेष पूजाअर्चना का आयोजन किया गया। इस दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालु मंदिर पहुंचे और मां काली के दर्शन कर सुखसमृद्धि की कामना की। पूजा के दौरान पूरा मंदिर परिसर मां काली के जयकारों से गूंज उठा।

स्थानीय लोगों और परिवारों ने श्रद्धा के साथ मंदिर में पूजा-अर्चना की। अनुष्ठान के बाद मंदिर कमिटी की ओर से श्रद्धालुओं के बीच प्रसाद और महाभोग का वितरण किया गया। मंदिर पहुंचे श्रद्धालुओं ने कहा कि मां काली के प्रति सच्ची आस्था रखने वाले भक्तों की मनोकामनाएं मां पूरी करती हैं। इस मौके पर सुनील पंडित जी ने भी श्रद्धालुओं को भादो अमावस्या के महत्व की जानकारी दी।

विधायक की पहल से स्टेशनदुखहरनी मंदिर मार्ग हुआ साफ, राहगीरों को मिली राहत

झरिया (ससे) : झरिया स्टेशन से दुखहरनी मंदिर जाने वाले मार्ग पर लंबे समय से जमा झाड़ियों और गंदगी की समस्या का समाधान कर दिया गया है। स्थानीय लोगों की शिकायत पर झरिया विधायक रागिनी सिंह ने तत्काल पहल करते हुए डोजर

भेजकर पूरे मार्ग की सफाई कराई। सड़क किनारे उगी झाड़ियों और जमा कचरे को हटाए जाने के बाद अब राहगीरों और वाहन चालकों को आवागमन में काफी सहूलियत होगी।

स्थानीय लोगों के अनुसार, झरिया स्टेशन से दुखहरनी मंदिर जाने वाली सड़क के दोनों किनारों पर लंबे समय से झाड़ियां उग आई थीं। कई स्थानों पर कचरा जमा होने के कारण सड़क संकरी हो गई थी। इससे पैदल चलने वाले लोगों के साथसाथ वाहन चालकों को भी परेशानी का सामना करना पड़ रहा था। समस्या की जानकारी मिलने के बाद विधायक रागिनी सिंह ने मामले को गंभीरता से लेते हुए त्वरित कार्रवाई की। उनके निर्देश पर डोजर के माध्यम से सड़क के दोनों ओर की झाड़ियों और गंदगी को हटाया गया। सफाई के बाद मार्ग पहले की अपेक्षा काफी साफ और सुगम हो गया है। सफाई कार्य के दौरान रघु राम, सौरव शर्मा और जितेंद्र गिरी मौके पर मौजूद रहे और पूरे कार्य की निगरानी की। स्थानीय लोगों ने तत्काल समस्या का समाधान कराने के लिए विधायक रागिनी सिंह के प्रति आभार जताया। वहीं, स्थानीय लोगों ने आम नागरिकों से अपील की कि सड़क अथवा उसके आसपास कचरा न फेंकें। लोगों ने कहा कि सामूहिक प्रयास से ही मार्ग को लंबे समय तक साफसुथरा रखा जा सकता है और राहगीरों को सुगम आवागमन की सुविधा मिल सकती है।

पंचमुखी मंदिर के पास युवक का शव बरामद

निरसा (ससे) : धनबाद के चिरकुंडा थाना क्षेत्र में सुबह पंचमुखी मंदिर के समीप एक

युवक का शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। सुबह स्थानीय लोगों की नजर शव पर पड़ी, जिसके बाद मौके पर लोगों की भीड़ जुट गई।

सूचना मिलने पर चिरकुंडा पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी। मृतक की पहचान ३२ वर्षीय राहुल शर्मा के रूप में हुई है। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण किया और आसपास मौजूद लोगों से पूछताछ कर घटना की जानकारी जुटाई। घटना की सूचना मिलने पर मृतक की पत्नी और परिजन भी मौके पर पहुंचे। शव देखकर परिजनों में कोहराम मच गया।

मृतक के पिता विद्युत शर्मा जो सोनारडंगाल के रहने वाले हैं, उन्होंने बताया कि उनका बेटा राहुल खातापीता था। करीब चार दिन पहले ही राहुल अपनी पत्नी के साथ अलग घर लेकर रहने चला गया था। राहुल के दो बेटे हैं, जिनमें से एक उनके साथ रह रहा है। सुबह घटना की जानकारी मिलने के बाद वे मौके पर पहुंचे। वहीं, मृतक की पत्नी ने ससुरालवालों पर पति के साथ मारपीट करने का आरोप लगाया है। पत्नी के मुताबिक, चार दिन पहले ही वे लोग अलग होकर रहने लगे थे और सुबह राहुल की मौत की सूचना मिली।

फिलहाल युवक की मौत किन परिस्थितियों में हुई, यह स्पष्ट नहीं हो सका है। पुलिस सभी पहलुओं से मामले की जांच कर रही है। शव को पोस्टमार्टम के लिए एसएनएमएमसीएच धनबाद भेज दिया गया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के वास्तविक कारणों का खुलासा हो सकेगा।

सुरक्षा गार्ड पर चाकू से हमला, आरोपी गिरफ्तार

जोड़ापोखर (ससे) : जोड़ापोखर थाना क्षेत्र के सिम्फर गेट नंबर-३ के समीप शुक्रवार की शाम उस समय अफरातफरी मच गई, जब गेट पर तैनात सुरक्षा गार्ड देवाशीष पांडेय पर चाकू से हमला कर दिया गया। घटना में सुरक्षा गार्ड घायल हो गए। घटना के बाद मौके पर मौजूद अन्य सुरक्षा गार्डों ने आरोपी अमित कुमार प्रसाद को पकड़ लिया और जोड़ापोखर पुलिस के हवाले कर दिया।

घायल सुरक्षा गार्ड देवाशीष पांडेय के अनुसार, डिगवाडीह नंबर१२ निवासी अमित कुमार प्रसाद शाम को कथित रूप से जबरन सिम्फर के गेट नंबर३ से अंदर प्रवेश करने का प्रयास कर रहा था। गेट पर तैनात सुरक्षा गार्डों ने उसे रोकने की कोशिश की। इसी बात को लेकर दोनों पक्षों के बीच विवाद शुरू हो गया।

आरोप है कि विवाद बढ़ने के बाद अमित कुमार प्रसाद मारपीट पर उतारू हो गया और चाकू निकालकर सुरक्षा गार्ड पर हमला कर दिया। अचानक हुए हमले से सुरक्षा गार्ड घायल हो गए। उन्होंने शोर मचाकर आसपास तैनात अन्य सुरक्षा गार्डों को घटना की जानकारी दी। आवाज सुनकर मौके पर पहुंचे गार्डों ने आरोपी को पकड़ लिया। इसके बाद घटना की सूचना जोरापोखर थाना पुलिस को दी गई। पुलिस मौके पर पहुंची और आरोपी अमित कुमार प्रसाद को अपने कैंजे में लेकर थाना ले गई। घायल सुरक्षा गार्ड का उपचार कराया गया है। बताया जाता है कि आरोपी पर पूर्व में भी इस तरह के आरोप लग चुके हैं। हालांकि, पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है। घटना को लेकर सुरक्षा व्यवस्था पर भी सवाल उठने लगे हैं। पुलिस का कहना है कि जांच के बाद मामले में आगे की कार्रवाई की जाएगी।

पूर्व प्राचार्य की पत्नी का निधन

गोविंदपुर (ससे) : आरएस मोर कॉलेज के दिवंगत पूर्व प्राचार्य एवं साहित्यकार प्रोफेसर राजेश्वर प्रसाद वर्मा ललित की धर्मपत्नी सावित्री वर्मा ८४ वर्ष का निधन हो गया। उनका परिवार लोहारकुलही, सरायढेला में रहता है। परिवार में दो पुत्र पीयूष कौशल एवं एनसीएल के अवकाश प्राप्त अधिकारी

प्रियदर्शी पुलिन है। उनकी अंतिम क्रिया खुदिया घाट गोविंदपुर में होगी। उनके निधन पर कॉलेज की प्राचार्य डॉ प्रवीण सिंह, शरत दुदानी, संजय राणा, नंदलाल अग्रवाल, डॉ पी महतो, प्रदीप महतो, संजीव राणा, विश्वनाथ राणा आदि ने संवेदना प्रकट की है।

अवैध बालू लदा मिनी हाइवा को पुलिस ने किया जब्त

धनबाद (कासं) : धनबाद में अवैध बालू के कारोबार पर रोक लगाने को लेकर पुलिस लगातार कार्रवाई कर रही है। इसी क्रम में बरवाअड्डा पुलिस ने जीटी रोड से बिना नंबर प्लेट के एक मिनी हाइवा को अवैध बालू के साथ जब्त किया है। बताया जा रहा है कि पुलिस ने महिंद्रा

कंपनी के मिनी हाइवा को जांच के दौरान रोका। वाहन में बालू लदा हुआ था। पुलिस ने चालक से बालू के परिवहन से संबंधित वैध परमिट, चालान और अन्य जरूरी दस्तावेज प्रस्तुत करने को कहा। लेकिन चालक जांच के दौरान कोई भी वैध कागजात पुलिस के सामने पेश नहीं कर सका। जांच के दौरान पुलिस ने यह भी पाया कि मिनी हाइवा पर नंबर प्लेट नहीं लगी हुई थी। इसके बाद पुलिस ने वाहन को जब्त कर बरवाअड्डा थाना परिसर में खड़ा करा दिया। पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए कार्रवाई शुरू कर दी है। वाहन चालक और बालू के स्रोत से जुड़े बिंदुओं की भी जांच की जा रही है। पुलिस का कहना है कि पूरे मामले की जांच के बाद आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी। साथ ही मामले की जानकारी खनन विभाग को भी दे दी गई है।

राजगंज इंटर कॉलेज में साइबर सुरक्षा को ले जागरूकता अभियान

राजगंज (ससे) : एसएसपी प्रभात कुमार के निर्देशानुसार जिले में चल रहे विशेष साइबर सुरक्षा जागरूकता अभियान के तहत राजगंज थाना क्षेत्र स्थित इंटर कॉलेज में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया।

बाघमारा अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी अजीत विमल के नेतृत्व में आयोजित कार्यक्रम में शिक्षकों एवं विद्यार्थियों को साइबर अपराध के बढ़ते मामलों और इससे बचाव के उपायों की जानकारी दी गई। इस दौरान पुलिस अधिकारियों ने विद्यार्थियों को साइबर ठगी के विभिन्न तरीकों, फर्जी लिंक, ओटीपी साझा करने, संदिग्ध कॉल एवं सोशल मीडिया के माध्यम से होने वाली ठगी से सावधान रहने के प्रति जागरूक किया। साथ ही किसी भी साइबर अपराध का शिकार होने पर तत्काल १९३० पर शिकायत दर्ज कराने की जानकारी दी गई।

कार्यक्रम में पुलिस निरीक्षक मोहम्मद रुस्तम एवं राजगंज थाना प्रभारी संजीव झा समेत पुलिस पदाधिकारी एवं कर्मी मौजूद रहे। पुलिस अधिकारियों ने विद्यार्थियों से साइबर सुरक्षा संबंधी जानकारी अपने परिवार एवं आसपास के लोगों तक पहुंचाने की अपील भी की।

समाहरणालय में जनता दरबार का आयोजन

धनबाद (कासं) : उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी आदित्य रंजन के निर्देशानुसार समाहरणालय में जनता दरबार का आयोजन किया गया। जनता दरबार में जन शिकायत कोषांग के प्रभारी उमेश हांसदा

ने जिले के विभिन्न क्षेत्रों से पहुंचे लोगों की समस्याएं सुनीं। जनता दरबार में भूमि विवाद, नाली निर्माण, लंबित वेतन, जमीन की मापी, अवैध कब्जा, सड़क निर्माण, दिव्यांग पेंशन, विभिन्न प्रमाण पत्र एवं आधार कार्ड समेत कई अन्य मामलों से संबंधित शिकायतें प्राप्त हुईं। जन शिकायत कोषांग के प्रभारी उमेश हांसदा ने लोगों की समस्याओं को गंभीरतापूर्वक सुनते हुए प्राप्त शिकायतों का नियमानुसार निष्पादन सुनिश्चित करने का आश्वासन दिया।

गीले व सूखे कचरे का संग्रहण के लिए ईरिक्शा समर्पित

कतरास (ससे) : बाघमारा विधानसभा अंतर्गत जमुआटांड पंचायत के खमारगोड़ा स्थित प्रखंड स्तरीय प्लास्टिक प्रबंधन इकाई केंद्र में ईरिक्शा का वितरण किया गया। स्वच्छ भारत मिशनग्रामीण के तहत आयोजित कार्यक्रम में जिला परिषद अध्यक्ष शारदा सिंह ने ईरिक्शा की चाभी पंचायत को समर्पित किया।

इस ईरिक्शा के माध्यम से पंचायत क्षेत्र में घरघर से गीले एवं सूखे कचरे का संग्रहण कर उसे उचित प्रबंधन एवं निस्तारण के लिए प्लास्टिक प्रबंधन इकाई केंद्र तक पहुंचाने में सुविधा होगी। इस पहल से गांवों में स्वच्छता व्यवस्था को सुदृढ़ करने, कचरे के उचित प्रबंधन, प्लास्टिक प्रदूषण को कम करने तथा स्वच्छ एवं स्वस्थ वातावरण के निर्माण में महत्वपूर्ण सहायता मिलेगी। साथ ही, नियमित कचरा संग्रहण की व्यवस्था से ग्रामीणों में स्वच्छता के प्रति जागरूकता बढ़ेगी और स्वच्छ गांव की परिकल्पना को मजबूती मिलेगी।

इस अवसर पर जमुआटांड पंचायत मुखिया निरंजन गोप, राजगंज मुखिया बंदना बरूई, रंगूनी मुखिया अनीता देवी, मोहलीडीह मुखिया नूरजहाँ, कपुरिया मुखिया ममता देवी, बांसजोड़ा मुखिया समीर लाला, डिस्ट्रिक्ट कोऑर्डिनेटर सहित अन्य उपस्थित रहे।

टोटो पर गिरा विशाल पेड़ चालक समेत दो घायल

धनबाद (कासं) : धनबाद में सुबह से रुकरुक कर हो रही बारिश के बीच लुबी सर्कुलर रोड के समीप बड़ा हादसा हो गया। सड़क पर गुजर रहे एक टोटो पर अचानक विशाल पेड़ गिर गया। पेड़ गिरते ही टोटो बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। हादसे के वक्त टोटो में चालक के अलावा एक सवारी भी मौजूद थी। गनीमत रही कि पेड़ गिरने के बावजूद दोनों की जान बच गई। हादसे में टोटो चालक और सवारी को हल्की चोटें आई हैं। घटना के बाद मौके पर अफरातफरी का माहौल बन गया। आसपास मौजूद लोगों ने घायलों को बाहर निकालने में मदद की। घटना की सूचना मिलते ही नगर निगम की टीम मौके पर पहुंची और सड़क पर गिरे पेड़ को हटाने का काम शुरू किया। पेड़ गिरने के कारण कुछ समय तक सड़क पर आवागमन भी प्रभावित रहा।

सीएमडी ने खनन व साइडिंग पर उत्पादन वृद्धि व कोयला प्रेषण पर दिया जोर

धनबाद (कासं) : उत्पादन वृद्धि और कोयला प्रेषण में तेजी को परिचालन प्राथमिकताओं के केंद्र में रखते हुए सीएमडी बीसीसीएल मनोज कुमार अग्रवाल ने बरोरा एवं ब्लॉक२ क्षेत्र की विभिन्न खनन एवं साइडिंग गतिविधियों का दौरा कर विस्तृत समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने उत्पादन, मशीन उपलब्धता, क्षमता उपयोग, कोयला लोडिंग तथा निकासी से संबंधित आवश्यकताओं का जायजा लेते हुए अधिकारियों को आवश्यक दिशानिर्देश दिए।

केकेसीलिंक साइडिंग, बरोरा क्षेत्र में सीएमडी ने कोयला प्रेषण एवं लोडिंग व्यवस्था की समीक्षा की तथा वर्त्तमान परिचालन क्षमता को प्रतिदिन २ रेक से बढ़ाकर ३ रेक लोडिंग का लक्ष्य निर्धारित करने का निर्देश दिया। इसी प्रकार, केकेसी मेन साइडिंग, ब्लॉक२ क्षेत्र में भी उन्होंने वर्तमान २ रेक प्रतिदिन की लोडिंग को बढ़ाकर ३.५ रेक प्रतिदिन करने का निर्देश दिया। उन्होंने साइडिंग की उपलब्ध क्षमता के प्रभावी उपयोग, बेहतर समन्वय और निर्बाध परिचालन पर विशेष बल दिया।

इसके पश्चात सीएमडी ने एएमपी कोलियरी, बरोरा क्षेत्र में हायर्ड पैच७ में चल रही खनन गतिविधियों की समीक्षा की। उन्होंने महाप्रबंधक (विद्युत एवं यांत्रिकी) तथा क्षेत्रीय प्रबंधक (विद्युत एवं यांत्रिकी) को खनन कार्यों को सुचारु रूप से संचालित करने तथा उत्पादन में

वृद्धि के लिए समयबद्ध तरीके से डी-वॉटरिंग सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जल निकासी से संबंधित कार्यों में किसी भी प्रकार की देरी खनन गतिविधियों को प्रभावित न करे, इसके लिए आवश्यक कार्रवाई प्राथमिकता के आधार पर की जाए।

एएमपी डिपार्टमेंटल ओसी पैच के निरीक्षण के दौरान सीएमडी ने मशीनों की उपलब्धता, क्षमता उपयोग एवं उत्पादकता की समीक्षा की। उन्होंने संबंधित टीम को मशीनों की उपलब्धता, क्षमता उपयोग एवं उत्पादकता में तत्काल सुधार सुनिश्चित करने का निर्देश दिया, ताकि उपलब्ध संसाधनों का अधिकतम उपयोग करते हुए उत्पादन में अपेक्षित वृद्धि हासिल की जा सके। वहीं लेफ्ट-आउट पैचबी में सीएमडी ने शेष अतिक्रमणों को हटाने की प्रक्रिया को शीघ्र पूरा करने के निर्देश दिए, ताकि निर्धारित समयसीमा के अनुसार १५ सितंबर तक खनन कार्य प्रारंभ किया जा सके। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को आवश्यक समन्वय के साथ लंबित कार्यों का त्वरित निष्पादन सुनिश्चित करने पर जोर दिया।

दमोदा कोलियरी के डिपार्टमेंटल ओसी पैच में सीएमडी ने खनन कार्यों को गति देने के लिए महाप्रबंधक, बरोरा क्षेत्र एवं महाप्रबंधक (उत्खनन) को दो अतिरिक्त एक्सकेवेटर तथा पर्याप्त संख्या में डंपरों की तैनाती का निर्देश दिया। इसके लिए अतिक्रमणकारियों को स्थानांतरित कर पर्याप्त एवं बाधामुक्त कार्यक्षेत्र तैयार किए जाने के बाद आवश्यक मशीनरी की तैनाती सुनिश्चित करने को कहा गया।

निरीक्षण के दौरान सीएमडी ने विभिन्न स्थलों पर प्रकाश व्यवस्था एवं क्रशर संचालन की भी समीक्षा की। उन्होंने रात्रिकालीन परिचालन के दौरान पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था सुनिश्चित करने तथा उपकरणों का समयबद्ध रखरखाव एवं अनुरक्षण करने के निर्देश दिए, ताकि परिचालन में अनावश्यक व्यवधान न आए और कार्य की निरंतरता बनी रहे। सीएमडी ने अधिकारियों एवं फील्ड टीम को उपलब्ध संसाधनों के बेहतर उपयोग, परिचालन संबंधी बाधाओं के त्वरित समाधान तथा विभागों के बीच प्रभावी समन्वय के साथ कार्य करने पर जोर दिया। उन्होंने मशीनों की उपलब्धता एवं उत्पादकता में सुधार के साथसाथ साइडिंग की लोडिंग क्षमता को बढ़ाने और कोयला प्रेषण में तेजी लाने को प्राथमिकता देने का निर्देश दिया।

इन पहलों का उद्देश्य मशीन उपयोगिता में सुधार, परिचालन बाधाओं का निराकरण, उत्पादन एवं उत्पादकता में वृद्धि तथा बीसीसीएल में कोयला प्रेषण को और अधिक गति प्रदान करना है। बीसीसीएल देश की ऊर्जा आवश्यकताओं को पूरा करने की दिशा में उत्पादन एवं कोयला प्रेषण की दक्षता बढ़ाने तथा उपलब्ध संसाधनों का प्रभावी उपयोग सुनिश्चित करने के लिए निरंतर प्रयासरत है।

डिजाइन व इंजीनियरिंग विशेषज्ञों की कार्यशाला का शुभारंभ

बोकारो (ससे) : बोकारो स्टील प्लांट के टेक्निकल सेल विभाग द्वारा डिजाइन एवं इंजीनियरिंग के क्षेत्र में तकनीकी ज्ञान, अनुभव एवं श्रेष्ठ कार्यप्रणालियों के आदान-प्रदान तथा आपसी सीख को बढ़ावा देने के उद्देश्य से दो दिवसीय 'एलइओ कार्यशाला का आयोजन बोकारो में किया जा रहा है। कार्यशाला में सेल की विभिन्न इकाइयों जैसे भिलाई स्टील प्लांट, राउरकेला स्टील प्लांट, दुर्गापुर स्टील प्लांट, आईआईएससीओ स्टील प्लांट एवं बोकारो स्टील प्लांट के डिजाइन एवं इंजीनियरिंग क्षेत्र के विशेषज्ञ एवं प्रतिनिधि भाग ले रहे हैं।

कार्यशाला के उद्घाटन सत्र में अधिशासी निदेशक (संकार्य) मुख्य रूप से उपस्थित रहे। इस अवसर पर मुख्य महाप्रबंधक (टेक्निकल सेल) ने प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए डिजाइन एवं इंजीनियरिंग के क्षेत्र में नवीनतम तकनीकों एवं श्रेष्ठ कार्यप्रणालियों को अपनाने तथा सेल की विभिन्न इकाइयों के बीच तकनीकी ज्ञान एवं अनुभवों के प्रभावी आदानप्रदान की आवश्यकता पर बल दिया। विभिन्न इकाइयों में उपलब्ध सामूहिक तकनीकी विशेषज्ञता का अधिकतम एवं प्रभावी उपयोग करने पर जोर दिया। सीख, ज्ञानसाझाकरण एवं तकनीकी सहयोग को और मजबूत करने की आवश्यकता भी रेखांकित की।

कार्यक्रम में मुख्य महाप्रबंधक (अनुरक्षण), मुख्य महाप्रबंधक (सेवाएं), मुख्य महाप्रबंधक (यांत्रिकी), मुख्य महाप्रबंधक (शॉप्स) सहित विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

अपने संबोधन में अधिशासी निदेशक (संकार्य) ने ऐसी कार्यशालाओं की उपयोगिता को महत्वपूर्ण बताते हुए सेल की उन्होंने कहा कि विभिन्न संयंत्रों के विशेषज्ञों के बीच नियमित संवाद तथा तकनीकी अनुभवों एवं कार्यप्रणालियों का साझा किया जाना व्यावहारिक, प्रभावी एवं नवोन्मेषी इंजीनियरिंग समाधानों के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। उन्होंने डिजाइन एवं इंजीनियरिंग के क्षेत्र में निरंतर सुधार के लिए आपसी

कार्यशाला के दौरान सेल की विभिन्न इकाइयों में अपनाई जा रही डिजाइन एवं इंजीनियरिंग कार्यप्रणालियों, तकनीकी चुनौतियों तथा उनके प्रभावी समाधानों पर विस्तृत विचारविमर्श किया जाएगा। तकनीकी सत्रों, प्रस्तुतियों एवं संवादात्मक चर्चाओं के माध्यम से प्रतिभागी अपने अनुभवों, तकनीकी समाधानों एवं नवोन्मेषी विचारों को साझा करेंगे। इसके साथ ही, विभिन्न इकाइयों के बीच तकनीकी ज्ञान एवं श्रेष्ठ कार्यप्रणालियों के आदानप्रदान, बेहतर समन्वय तथा सहयोग को और अधिक सुदृढ़ करने के उपायों पर भी चर्चा की जाएगी।

टेक्निकल सेल विभाग द्वारा आयोजित यह कार्यशाला सेल की विभिन्न इकाइयों के बीच लर्न, शेयर एंड कोलैबोरेट' अर्थात सीखें, साझा करें और सहयोग करें की भावना को सुदृढ़ करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। कार्यशाला के दौरान साझा किए गए अनुभवों, श्रेष्ठ कार्यप्रणालियों एवं तकनीकी समाधानों का उपयोग डिजाइन एवं इंजीनियरिंग प्रक्रियाओं में सुधार, तकनीकी दक्षता में वृद्धि तथा संयंत्रों की परिचालन एवं कार्यक्षमता को और बेहतर बनाने में किया जा सकेगा।

खेलो झारखण्ड प्रतियोगिता में विभिन्न खेलों का हुआ आयोजन

डुमरी (ससे) : जैन उच्च विद्यालय के मैदान में आयोजित तीन दिवसीय प्रखंड स्तरीय खेलो झारखण्ड प्रतियोगिता के दूसरे दिन शुक्रवार को बालक एवं बालिका वर्ग के खोखो, कबड्डी एवं वालीबॉल खेल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। खोखो के बालिका वर्ग में मुख्यमंत्री उत्कृष्ट विद्यालय डुमरी की टीम विजेता रही तथा पीएम श्री कस्तूरबा गाँधी बालिका विद्यालय की टीम उपविजेता बनी। बालक वर्ग में भी मुख्यमंत्री उत्कृष्ट विद्यालय डुमरी की टीम विजेता बनी। जबकि उत्क्रमित उच्च विद्यालय नगरी की टीम उपविजेता रही। मुख्यमंत्री उत्कृष्ट विद्यालय डुमरी के कोच एवं खेल शिक्षक ब्रजदीश कुमार ने विजेता टीम को बधाई दी। बालीबाल में बालक वर्ग में उत्क्रमित उच्च विद्यालय रोशनाटुंडा की टीम मैदान फतह किया। वालीबाल के बालिका वर्ग की विजेता पीएम श्री कस्तुरबा गाँधी विद्यालय डुमरी की टीम बनी, उत्क्रमित उच्च विद्यालय डुमरी की टीम उपविजेता के रूप में अपना परचम लहराया। कार्यक्रम में बीपीओ गणेश मुखर्जी नोडल शिक्षक अनुप कुमार खेल शिक्षक शिवशंकर यादव, ब्रजदीश कुमार बीआरपी सुनीता मंडल, देवेश कुमार देव, बसंती कुमारी दयानन्द कुमार, गणेश महतो, विजय कुमार, नरेश कुमार, रौशन कुमार पांडेय, दशरथ महतो, हीरामन महतो, उमेश कुमार, महेन्द्र महतो लिलमुनी देवी आदि उपस्थित थे।

पलामू व पेंक में विकसित भारत युवा कनेक्ट कार्यक्रम का आयोजन

नावाडीह (बेरमो) (ससे) : माई भारत पोर्टल के तत्वावधान में नावाडीह प्रखंड के +२ उच्च विद्यालय पलामू एवं +२ उच्च विद्यालय पेंक में विकसित भारत युवा कनेक्ट कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं को विकसित भारत के संकल्प से जोड़ते हुए राष्ट्र निर्माण में उनकी सक्रिय भागीदारी को बढ़ावा देना तथा माई भारत के माध्यम से उपलब्ध विभिन्न अवसरों के प्रति जागरूक करना था।

कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों को माई भारत पोर्टल के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई तथा बड़ी संख्या में विद्यार्थियों का पोर्टल पर पंजीकरण कराया गया। युवाओं को पोर्टल के माध्यम से उपलब्ध स्वयंसेवा, युवा नेतृत्व, सामाजिक गतिविधियों, प्रतियोगिताओं एवं राष्ट्र निर्माण से जुड़े विभिन्न अवसरों के बारे में बताया गया।

इसी क्रम में विकसित भारत यंग लीडर्स डायलॉग के तहत विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक ऑनलाइन क्विज प्रतियोगिता में भाग लिया। क्विज के माध्यम से विद्यार्थियों को विकसित भारत की संकल्पना, युवा नेतृत्व, राष्ट्र निर्माण तथा देश के विकास में युवाओं की भूमिका से जुड़े विषयों पर अपने ज्ञान एवं प्रतिभा को प्रदर्शित करने का अवसर मिला। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों को नशामुक्त समाज के निर्माण के प्रति भी जागरूक किया गया। युवाओं को नशे के दुष्प्रभावों के बारे में जानकारी देते हुए स्वयं नशे से दूर रहने तथा दूसरों को भी इसके प्रति जागरूक करने की नशामुक्ति प्रतिज्ञा दिलाई गई। बोकारो जिला युवा अधिकारी गौरव कुमार ने कहा कि विकसित भारत के निर्माण में युवाओं की भागीदारी बेहद महत्वपूर्ण है।

विकसित भारत युवा कनेक्ट जैसे कार्यक्रम युवाओं को राष्ट्र निर्माण की प्रक्रिया से जोड़ने और उनमें सामाजिक जिम्मेदारी एवं नेतृत्व की भावना विकसित करने का माध्यम हैं। उन्होंने युवाओं से माई भारत पोर्टल पर सक्रिय रहने तथा विभिन्न गतिविधियों एवं प्रतियोगिताओं में बढ़चढ़कर भाग लेने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि विकसित भारत २०४७ का संकल्प युवाओं की सक्रिय भागीदारी से ही साकार होगा। इसके लिए युवाओं को शिक्षा, कौशल, नेतृत्व और सामाजिक दायित्वों के साथ नशामुक्त एवं स्वस्थ समाज के निर्माण में भी अपनी भूमिका निभानी होगी। इस अवसर पर विद्यालय के प्रधानाध्यापक वीरेंद्र कुमार, प्रेम कुमार, सरिता कुमारी, अंजनी कुमारी, विशाल कुमार सहित शिक्षकशिक्षिकाएं एवं बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित थे।

धनबाद स्टेशन पर चलाया गया टिकट चेकिंग अभियान

धनबाद (कासं) : धनबाद मंडल में बड़े पैमाना पर टिकट चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है । इसी क्रम में धनबाद स्टेशन पर प्राधिकार के यात्रा करने वाले यात्री, बिना बुक किये गए सामान के साथ यात्रा कर रहे यात्रीगण शामिल थे । इस दौरान

धनबाद का दस्ता एवं धनबाद स्लीपर की एल.आर. चेकिंग स्टाफ द्वारा टिकट चेकिंग अभियान चलाया गया।

इस जांच अभियान के परिणामस्वरूप ६१ यात्रियों को पकड़ा गया जिसमें बिना टिकट यात्रा कर रहे यात्री, बिना उचित उनसे २६.१८ हजार जुर्माने के रूप में राशि प्राप्त की गई तथा पकड़े गए यात्रियों को उचित टिकट के साथ यात्रा करने की कड़ी हिदायत दी गई । धनबाद मंडल द्वारा निरंतर टिकट जांच किया जा रहा है तथा भविष्य में भी यह जारी रहेगा।

सतर्कता अभियान के तहत साइबर सुरक्षा सत्र का आयोजन

बोकारो (ससे) : बोकारो इस्पात संयंत्र में सतर्कता जागरूकता सप्ताह (तथ२०२६) के तहत संचालित तीन माह के प्रिवेंटिव विजिलेंस अभियान के अंतर्गत ११ सितंबर २०२६ को प्रोजेक्ट्स सम्मेलन कक्ष में साइबर सुरक्षा एवं साइबर स्वच्छता विषय पर एक दिवसीय प्रशिक्षण एवं जागरूकता सत्र का सफल आयोजन किया गया। सतर्कता विभाग द्वारा कंप्यूटर एवं सूचना प्रौद्योगिकी (सीएंडआईटी) विभाग के सहयोग से आयोजित इस सत्र का मुख्य उद्देश्य दैनिक परिचालन में डेटा सुरक्षा को पुष्ट करना तथा अधिकारियों को उभरते डिजिटल खतरों के प्रति सतर्क करना रहा। इस कार्यक्रम में अधिशासी निदेशक (परियोजनाएं), मुख्य महाप्रबंधक (सतर्कता) एवं एसीवीओ, प्रोजेक्ट्स प्रभाग के मुख्य महाप्रबंधक सहित सतर्कता एवं परियोजना विभाग के ४७ अधिकारी उपस्थित रहे।

कार्यक्रम का शुभारंभ अधिशासी निदेशक (परियोजनाएं) द्वारा सभी उपस्थित अधिकारियों एवं प्रतिभागियों को सत्यनिष्ठा शपथ दिलाने के साथ हुआ। तत्पश्चात तकनीकी सत्र के दौरान सीएंडआईटी विभाग के प्रशिक्षकों -वरिष्ठ प्रबंधक तथा उप प्रबंधक द्वारा संयंत्र के वर्तमान साइबर सुरक्षा ढांचे पर सारगर्भित प्रस्तुतियाँ दीं गई। उन्होंने एंटरप्राइज डेटा की सुरक्षा, आवश्यक साइबर स्वच्छता प्रोटोकॉल तथा दैनिक कार्यालयी कार्यों में डिजिटल खतरों व मैलवेयर से बचाव के व्यावहारिक उपायों की विस्तृत जानकारी साझा की। इस सत्र का कुशल संचालन उप महाप्रबंधक (सतर्कता) द्वारा किया गया।

भाजपा ससारखो मंडल की बैठक में मुद्दों पर हुई चर्चा

डुमरी (ससे) : भाजपा ससारखो मंडल की मासिक बैठक पार्टी कार्यालय ससारखो में शुक्रवार को किया गया। बैठक की अध्यक्षता मंडल अध्यक्ष जयप्रकाश वर्मा ने किया। वहीं संचालन मंडल के महामंत्री मुकेश मंडल ने किया। जबकि बैठक में प्रभारी अरविंद चन्द्र राय तथा प्रवासी विभाकर पाडेय उपस्थित थे।

बैठक में पार्टी द्वारा सेवा संकल्प अभियान के तहत होने वाले विभिन्न कार्यक्रमों की सफलता पर चर्चा की गई। साथ ही संगठनात्मक मजबूती पर भी चर्चा की गई। वहीं १२ सितंबर को डीसी एसपी कार्यालय घेराव कार्यक्रम में अधिक से अधिक पार्टी कार्यकर्ताओं की भागीदारी का निर्णय लिया गया।

इस दौरान पूर्व मंडल अध्यक्ष प्रमोद मंडल, पिन्टू राय, राजेश मंडल, संतोष मंडल, जागेश्वर महतो, गणेश यादव, विनोद राय, मुकेश मंडल, विद्यापति राय, बालेश्वर विश्वकर्मा, सुनील दास, गौरव सिंह, सुरेश राय, अशोक ठाकर, बिनोद राय, विनोद ठाकुर, दिलीप ठाकुर, सुनील विश्वकर्मा, मुकेश यादव, सुरेन्द्र दास आदि उपस्थित थे।

दिल्ली में लैंड करते ही पुतिन ने मिलाया रशियन गर्ल से हाथ

नई दिल्ली (ईएमएस) : रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में शामिल होने के लिए शुक्रवार (११ सितंबर) की अल सुबह दिल्ली पहुंचे। पालम एयर फोर्स स्टेशन पर उनका स्वागत विदेश राज्य मंत्री कीर्ति वर्धन सिंह ने किया। दिल्ली में लैंड करते ही पुतिन की एक रूसी युवती से हाथ मिलाने की तस्वीरें सामने आईं, जो दरअसल उनके सरकारी विमान की केबिन क्रू थीं। यह पुतिन के हर दौरे पर गेट पर खड़ी होकर स्वागत करने की सामान्य प्रक्रिया है।

पुतिन अपने विशेष विमान जिसे 'फ्लाइंग क्रेमलिन' भी कहा जाता है, से दिल्ली आए हैं। यह विमान एक मोबाइल कमांड सेंटर की तरह काम करता है, जिसमें उच्च सुरक्षा और संचार सुविधाएं होती हैं। पुतिन के आने से पहले ही तीन रूसी सैन्य ट्रांसपोर्ट विमान नोएडा एयरपोर्ट पर पहुंचे थे, जिनमें उनकी एडवांस टीम, सुरक्षाकर्मी और काफिले की गाड़ियां, जैसे आर्मर्ड लाई गई थीं। खुद पुतिन पालम एयरपोर्ट पर ही पहुंचे। तीन दिवसीय दौरे पर आए पुतिन १८वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेंगे, जो १२ और १३ सितंबर को दिल्ली के भारत मंडपम में आयोजित हो रहा है। यूक्रेन युद्ध शुरू होने के बाद रूस से बाहर ब्रिक्स समिट में यह उनकी पहली व्यक्तिगत उपस्थिति है। भारत इस साल ब्रिक्स की अध्यक्षता कर रहा है। समिट से पहले शुक्रवार को पुतिन ब्रिक्स बिजनेस फोरम के पूर्ण सत्र को संबोधित करेंगे और उसके बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से द्विपक्षीय मुलाकात करेंगे। दोनों नेता भारतरूस इंडस्ट्रियल ट्रेड फेयर इनोप्रोम का भी दौरा करेंगे।

छऊ नृत्य व छऊ मुखौटा निर्माण से संबंधित आकलनसमीक्षा बैठक संपन्न

चंदनकियारी (बोकारो) (ससे) : छऊ नृत्य एवं छऊ मुखौटा निर्माण से संबंधित प्रशिक्षण केंद्रों के प्रशिक्षुओं के आकलन एवं समीक्षा हेतु आयोजित दो दिवसीय समीक्षा बैठक का प्रथम दिन शुक्रवार को छऊ केंद्र, चंदनकियारी में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। यह समीक्षा बैठक ११ एवं १२ सितंबर २०२६ को आयोजित की जा रही है, जिसमें कुल १४ प्रशिक्षण केंद्रों से जुड़े गुरुजन एवं प्रशिक्षु सहभागिता कर रहे हैं। समीक्षा बैठक के प्रथम दिन ७ गुरुजन अपनेअपने दल के साथ छऊ केंद्र, चंदनकियारी में उपस्थित हुए। इनमें ओडिशा के मयूरभंज से ५ दल तथा सरायकेला से २ दल शामिल रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ विधिवत दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया।

कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य गुरुशिष्य परंपरा पर आधारित प्रशिक्षण केंद्रों से जुड़े प्रशिक्षुओं का उत्साहवर्धन करना तथा उन्हें छऊ नृत्य एवं छऊ मुखौटा निर्माण की समृद्ध कला परंपरा के प्रति और अधिक प्रोत्साहित करना रहा। इस अवसर पर संगीत नाटक अकादमी पुरस्कार से सम्मानित छऊ एक्सपोनेंट सदाशिव प्रधान, नृपेन सहिस, संगीत नाटक अकादमी के

पदाधिकारी दीपक जोशी, छऊ एडवाइजरी कमेटी के सदस्य सह केंद्र के समन्वयक डॉ. संजय कुमार चौधरी, छऊ एडवाइजरी कमेटी के सदस्य तपन पटनायक एवं हराधन महतो ने प्रशिक्षुओं द्वारा प्रस्तुत छऊ नृत्य तथा छऊ मुखौटा निर्माण से संबंधित कलाकौशल का अवलोकन, मूल्यांकन एवं सराहना की। विशेषज्ञों ने प्रशिक्षुओं के प्रदर्शन की सराहना करते हुए उन्हें छऊ कला की परंपरा, अनुशासन एवं मौलिकता को बनाए रखते हुए निरंतर अभ्यास एवं सृजनात्मक कार्य के लिए प्रेरित किया। डॉ. संजय कुमार चौधरी जी के निर्देशन में समीक्षा बैठक का प्रथम दिन सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। कार्यक्रम को सफल बनाने में केंद्र के दिलीप कुमार जेना, विजय कुमार, आशुतोष कुमार सहित अन्य गणमान्य कला-प्रेमियों एवं सहयोगियों का महत्वपूर्ण योगदान रहा। समीक्षा बैठक का दूसरा दिन १२ सितंबर २०२६ को आयोजित किया जाएगा।

एसआईआर2026 के सुनवाई कार्यों की डीईओ सह डीसी ने की समीक्षा

बोकारो (ससे) : जिला निर्वाचन पदाधिकारी (डीईओ) सह उपायुक्त (डीसी)अजय नाथ झा ने वीडियो संवाद के माध्यम से विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर)२०२६ के तहत संचालित कार्यों की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने क्रमवार *सभी निर्वाचक निबंधन पदाधिकारियों (ईआरओ) एवं सहायक निर्वाचक निबंधन पदाधिकारियों (एईआरओ) से उनके क्षेत्र में संचालित सुनवाई कार्यों की अद्यतन जानकारी ली। उपायुक्त ने अधिकारियों से कुल निर्धारित सुनवाई मामलों एवं अब तक निष्पादित सुनवाई मामलों की जानकारी ली। साथ ही नॉनमैपिंग एवं एनामली श्रेणी के कितने मामलों की सुनवाई की गई है, इसकी भी विस्तार से समीक्षा की।

डीईओ सह डीसी ने अधिकारियों से पूछा कि सुनवाई के दौरान किस प्रकार के मामले सामने आ रहे हैं तथा संबंधित मामलों का सत्यापन किन दस्तावेजों एवं माध्यमों से किया जा रहा है। इस संबंध में उन्होंने आवश्यक मार्ग दर्शन एवं दिशा-निर्देश दिए।

उन्होंने कहा कि नॉनमैपिंग से संबंधित वैसे मामले, जिनमें कोई दस्तावेज उपलब्ध नहीं है, उनमें सबसे पहले एईआरओ स्तर पर सुनवाई की जाए। इसके उपरांत ईआरओ द्वारा मामले की सुनवाई की जाए तथा आवश्यकता पड़ने पर मामले को जिला निर्वाचन पदाधिकारी स्तर पर सुनवाई के लिए अग्रसारित किया जाए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि मामलों का निष्पादन सुनवाई की प्रक्रिया के माध्यम से ही किया जाएगा।

डीईओ सह डीसी ने कहा कि एईआरओ को कार्य निष्पादन के दौरान किसी प्रकार की

समस्या आती है तो वे संबंधित ईआरओ के माध्यम से मामले से अवगत कराएं, ताकि उसका समयबद्ध समाधान सुनिश्चित किया जा सके।

बैठक के दौरान डीसी ने विभिन्न न्यायालयों में लंबित मामलों* की भी समीक्षा की। उन्होंने सितंबर माह के कंटेम्प्ट मामलों, एसओएफ की अद्यतन स्थिति, डब्ल्यूपीएस सहित अन्य लंबित मामलों की जानकारी* संबंधित विभागों से ली। उन्होंने संबंधित विभागों को लंबित मामलों में अविलंब एसओएफ उपलब्ध कराने का निर्देश दिया। साथ ही प्रत्येक शुक्रवार को वीडियो संवाद के माध्यम से लंबित मामलों की समीक्षा करने तथा प्रत्येक माह के मामलों की अद्यतन तालिका तैयार करने का निर्देश दिया।

उपायुक्त ने कहा कि सभी संबंधित विभाग लंबित मामलों की वस्तुस्थिति से नियमित रूप से अवगत कराएं, ताकि मामलों का प्रभावी एवं समयबद्ध निष्पादन सुनिश्चित किया जा सके।

बैठक में सिख दंगों से संबंधित लंबित मामलों की भी समीक्षा की गई। उपायुक्त ने संबंधित पदाधिकारियों से मामलों की अद्यतन स्थिति की जानकारी ली तथा आवश्यक दिशानिर्देश दिए। उपायुक्त ने एसआईआर२०२६ के दौरान छूटे हुए सभी पात्र नए मतदाताओं को मतदाता सूची में शामिल करने के लिए विशेष प्रयास करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि १८ वर्ष की आयु पूर्ण कर चुके एवं मतदाता सूची में शामिल होने से छूटे हुए पात्र नागरिकों का प्रपत्र६ भरवाना सुनिश्चित करें, ताकि कोई भी पात्र मतदाता मतदाता सूची में नाम दर्ज कराने से वंचित नहीं रहे।

उपायुक्त ने बैठक के दौरान जनगणना से संबंधित कार्यों की भी समीक्षा की तथा संबंधित पदाधिकारियों को निर्धारित दिशानिर्देशों के अनुरूप आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने को कहा। मौके पर जिला उप निर्वाचन पदाधिकारी प्रेमचंद सिन्हा, एपीआरओ अविनाश कुमार सहित अन्य उपस्थित थे। वहीं, वीडियो संवाद के माध्यम से विभिन्न क्षेत्रों के संबंधित पदाधिकारी बैठक में जुड़े रहे।

डी.बी. पब्लिकेशन्स प्रा. लि. के लिए जोड़ाफाटक रोड, धनबाद से राजेन्द्र कुमार अग्रवाल द्वारा मुद्रित एवं अंजना अग्रवाल द्वारा प्रकाशित. संपादक -गणेश मिश्रा. फोन -9431726337
e-mail : biharobserver@gmail.com RNI No- 58991/95. * पी.आर.बी. एक्ट के तहत समाचार चयन एवं प्रकाशन के लिए गणेश मिश्रा जिम्मेवार होंगे एवं समस्त विवाद धनबाद न्यायालय के अधीन होंगे

रागिनी सिंह ने केंद्रीय कोयला मंत्री के समक्ष उठाया

ब्लास्टिंग, पुनर्वास व रैयतों के मुआवजे का मुद्दा

धनबाद (कासं) : झरिया विधायक रागिनी सिंह ने झरिया समेत धनबाद जिले के विभिन्न खनन क्षेत्रों में लगातार सामने आ रही भूधंसान की घटनाओं तथा अवैध एवं अनधिकृत खनन की शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए केंद्रीय कोयला एवं खान मंत्री जी. किशन रेड्डी के समक्ष मामला उठाया।

उन्होंने कहा कि कई क्षेत्रों में खनन गतिविधियों को लेकर स्थानीय लोगों की ओर से लगातार शिकायतें मिल रही हैं। ऐसे में खनन कार्यों की नियमानुसार जांच और सुरक्षा मानकों की समीक्षा आवश्यक है, ताकि किसी बड़ी दुर्घटना की आशंका को समय रहते टाला जा सके। रागिनी सिंह ने मंत्री को बताया कि झरिया सहित धनबाद के विभिन्न कोयला क्षेत्रों में भूधंसान की घटनाओं के कारण लोगों के घर प्रभावित हो रहे हैं तथा कई मकानों में दरारें आने की शिकायतें सामने आ रही हैं।

अवैध अथवा अनधिकृत खनन के कारण भूगर्भीय स्थिति पर पड़ने वाले संभावित प्रभावों की भी तकनीकी स्तर पर जांच कराए जाने की आवश्यकता है।

उन्होंने कहा कि जहां कहीं भी नियमों के विपरीत खनन किए जाने की शिकायत है, वहां संबंधित एजेंसियों द्वारा स्थल निरीक्षण कर वास्तविक स्थिति स्पष्ट की जानी चाहिए। यदि जांच में किसी प्रकार की अनियमितता अथवा नियमों का उल्लंघन पाया जाता है, तो संबंधित लोगों और एजेंसियों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई होनी चाहिए। विधायक ने झरिया में हेवी ब्लास्टिंग का मुद्दा भी प्रमुखता से उठाया। उन्होंने कहा कि स्थानीय लोगों की ओर से लगातार शिकायतें मिल रही हैं कि ब्लास्टिंग के कारण आसपास के मकानों में कंपन एवं दरारों की समस्या उत्पन्न हो रही है। उन्होंने ब्लास्टिंग के निर्धारित मानकों, सुरक्षा प्रावधानों और उसकी निगरानी व्यवस्था की जांच कराने का आग्रह किया। रागिनी सिंह ने भूधंसान प्रभावित परिवारों के सुरक्षित पुनर्वास का मुद्दा भी केंद्रीय मंत्री के समक्ष रखा। उन्होंने कहा कि जिन परिवारों के घर असुरक्षित हो चुके हैं, उन्हें केवल स्थान उपलब्ध नहीं होने की समस्या के कारण जोखिम वाले क्षेत्रों में रहने के लिए मजबूर नहीं किया जाना चाहिए। सुरक्षित स्थान की उपलब्धता सुनिश्चित कर प्रभावित परिवारों को शीघ्र पुनर्वासित किया जाना चाहिए। इसके साथ ही उन्होंने प्रभावित रैयतों को उचित मुआवजा दिलाने की मांग भी रखी। उन्होंने कहा कि खनन गतिविधियों से जिन रैयतों की जमीन, मकान अथवा आजीविका प्रभावित हुई है, उनके मामलों की नियमानुसार समीक्षा कर पारदर्शी तरीके से उचित मुआवजा एवं पुनर्वास की सुविधा उपलब्ध कराई जानी चाहिए।

विधायक ने हाल में हुई भू-धंसान की गंभीर घटना का उल्लेख करते हुए कहा कि ऐसी घटनाओं को केवल एक स्थानीय घटना मानकर छोड़ना उचित नहीं होगा। भूधसान के कारणों, खनन गतिविधियों, अवैध खनन की शिकायतों, ब्लास्टिंग और सुरक्षा व्यवस्था के बीच संभावित संबंध की विशेषज्ञों से जांच कराना जरूरी है।

रागिनी सिंह ने केंद्रीय मंत्री से धनबाद के विभिन्न खनन क्षेत्रों की समग्र एवं उच्चस्तरीय जांच कराने तथा बीसीसीएल एवं संबंधित एजेंसियों के स्तर पर सुरक्षा, खनन, ब्लास्टिंग और पुनर्वास व्यवस्था की समीक्षा कराने का अनुरोध किया। विधायक ने बताया कि केंद्रीय कोयला एवं खान मंत्री जी. किशन रेड्डी ने उनके द्वारा उठाए गए विषयों को गंभीरता से लेते हुए मंत्रालय की टीम को जल्द धनबाद भेजकर खनन क्षेत्रों की वस्तुस्थिति का जायजा लेने और जांच के आधार पर आवश्यक कार्रवाई किए जाने का भरोसा दिया है।

5डे बैंकिंग की मांग पर बैंककर्मियों की हड़ताल

धनबाद (कासं) : ५डे बैंकिंग समेत विभिन्न मांगों को लेकर धनबाद समेत पूरे झारखंड में बैंकिंग सेवाएं ठप रहीं। यूनाइटेड फोरम ऑफ बैंक यूनियंस यानी यूएफबीयू के आह्वान पर बैंककर्मी एक दिवसीय हड़ताल पर रहे। केंद्र सरकार और बैंक प्रबंधन के साथ दो दिवसीय वार्ता विफल होने के बाद बैंक कर्मचारियों ने हड़ताल का रास्ता अपनाया। धनबाद के हीरापुर, बैंक मोड़, पुलिस लाइन, सरायढेला और मटकुरिया समेत कई इलाकों में बैंक कर्मचारियों ने प्रदर्शन कर नारेबाजी की।

हीरापुर स्थित इंडियन बैंक के अधिकारी विवेक कुमार ने बताया कि ५डे बैंकिंग को लेकर करीब दो साल पहले सरकार के साथ समझौता हुआ था, लेकिन अब तक इसे लागू नहीं किया गया है।

उन्होंने कहा कि बारबार केवल मामला विचाराधीन होने का आश्वासन दिया जाता है। बैंक कर्मचारियों के मुताबिक धनबाद जिले में २ सौ से अधिक बैंक शाखाएं बंद रहने के कारण करीब २५० से ३ सौ करोड़ का कारोबार प्रभावित हुआ है। बैंक संगठन सचिव राजीव कुमार रंजन ने कहा कि एलआईसी की तर्ज पर बैंकों में भी तत्काल ५-डे बैंकिंग लागू की जाए। इसके साथ ही पीएलआई यानी परफॉर्मेंस लिंक्ड इंसेंटिव में मौजूद विसंगतियों को दूर करने की मांग की गई है। बैंक कर्मचारियों ने चेतावनी दी है कि अगर उनकी मांगों पर जल्द फैसला नहीं लिया गया तो आगे तीन दिवसीय हड़ताल और इसके बाद अनिश्चितकालीन हड़ताल का रास्ता अपनाया जा सकता है। हालांकि, हड़ताल के दौरान ग्राहकों को पूरी तरह परेशानी न हो, इसके लिए एटीएम और ऑनलाइन बैंकिंग सेवाएं चालू रखी गई।

हड़ताल में यूएफबीयू से संबद्ध सात प्रमुख बैंक यूनियनों के कर्मचारी शामिल रहे। इसके चलते एसबीआई, इंडियन बैंक, बैंक ऑफ इंडिया, पीएनबी, केनरा बैंक, यूनियन बैंक, सेंट्रल बैंक, बैंक ऑफ बड़ौदा समेत सार्वजनिक क्षेत्र के अधिकांश बैंकों की शाखाओं में कामकाज प्रभावित रहा।

क्लब फुट से पीड़ित 3 बच्चों का हुआ सफल ऑपरेशन

धनबाद (कासं) : उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी आदित्य रंजन के निर्देशानुसार जिला प्रशासन के सौजन्य से राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम (आरबीएसके) के तहत बच्चों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए विशेष स्वास्थ्य अभियान जारी है। इस क्रम में शहीद निर्मल महतो मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल (एसएनएमएमसीएच) में क्लब फुट से पीड़ित ३ बच्चों का सफलतापूर्वक ऑपरेशन किया गया।

इस संबंध में उपायुक्त ने कहा कि आरबीएसके के माध्यम से चिन्हित बच्चों को विशेषज्ञ चिकित्सकीय सेवाएं उपलब्ध कराते हुए आवश्यक जांच, उपचार एवं सर्जरी की सुविधा प्रदान की जा रही है। उन्होंने कहा कि एसएनएमएमसीएच में विशेषज्ञ चिकित्सकों की देखरेख में तीनों बच्चों की क्लब फुट संबंधी समस्या का सफल ऑपरेशन किया गया।

उन्होंने कहा कि आरबीएसके का उद्देश्य बच्चों में जन्मजात एवं अन्य स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं की समय पर पहचान कर उनका समुचित उपचार सुनिश्चित करना है। जिले में चिन्हित बच्चों को आवश्यकता के अनुसार विशेषज्ञ चिकित्सकीय परामर्श, उपचार एवं सर्जरी की सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है, ताकि वे स्वस्थ एवं सामान्य जीवन की ओर आगे बढ़ सकें।

कई पुलिस निरीक्षकों व थाना प्रभारियों का हुआ तबादला

धनबाद (कासं) : धनबाद के कई पुलिस निरीक्षकों (इंस्पेक्टर) एवं थाना प्रभारियों का तत्काल प्रभाव से स्थानांतरण करते हुए नया पदस्थापन किया गया है। इस फेरबदल में झरिया और केन्दुआडीह के थाना प्रभारियों की अदलाबदली की गई है, वहीं कई अधिकारियों को साइबर थाना, विभिन्न अंचलों और महत्वपूर्ण कोषांगों की जिम्मेदारी सौंपी गई है। पु०नि० शशि रंजन कुमार थाना प्रभारी, झरिया थाना से स्थानांतरित कर थाना प्रभारी, केन्दुआडीह थाना बनाया गया। पु०नि० प्रमोद पाण्डेय थाना प्रभारी, केन्दुआडीह थाना से स्थानांतरित कर थाना प्रभारी, झरिया थाना बनाया गया। पु०नि० साजीद हुसैन पुलिस निरीक्षक, टुण्डी अंचल से साइबर थाना भेजा गया।

पु०नि० वकार हुसैन थाना प्रभारी, पुटकी से स्थानांतरित कर पुलिस निरीक्षक, टुण्डी अंचल बनाया गया। पु०नि० जय प्रकाश महतो पुलिस निरीक्षक, केन्दुआडीह अंचल से हटाकर प्रभारी, कोर्ट सुरक्षा की जिम्मेदारी दी गई।

पु०नि० राय सौमित्र पंकज भूषण साइबर थाना से स्थानांतरित कर पुलिस निरीक्षक, केन्दुआडीह अंचल बनाया गया। पु०नि० रामजी राय थाना प्रभारी, साइबर थाना से स्थानांतरित कर थाना प्रभारी, टुण्डी थाना बनाया गया। पु०नि० फागु होरो पुलिस निरीक्षक, चिरकुण्डा अंचल से प्रभारी, अभियोजन कोषांग बनाया गया।

पु०नि० संजय कुमार प्रभारी, कोर्ट सुरक्षा से स्थानांतरित कर पुलिस निरीक्षक, चिरकुण्डा अंचल बनाया गया। पु०नि० अनिल कु० शर्मा पुलिस निरीक्षक, जोरापोखर अंचल से स्थानांतरित कर थाना प्रभारी, साइबर थाना बनाया गया। पु०नि० बबलू कुमार साइबर थाना से पुलिस निरीक्षक, जोरापोखर अंचल बनाए गए पु०नि० मुकेश चौधरी प्रभारी, अभियोजन कोषांग से थाना प्रभारी, पुटकी थाना बनाए गए। पु०नि० उमा शंकर थाना प्रभारी, टुण्डी थाना से साइबर थाना स्थानांतरित। पु०नि० सदानन्द सिंह सरायढेला थाना से साइबर थाना स्थानांतरित। पु०नि० अर्जुन कु० सिंह चिरकुण्डा थाना से साइबर थाना स्थानांतरित। पु०नि० प्रभात रंजन राय थाना प्रभारी, तिसरा से साइबर थाना स्थानांतरित।

धनबाद में जल संकट, पीने के लायक नहीं बचा पानी

धनबाद (कासं) : देश की कोयला राजधानी धनबाद जिसके जमीन के नीचे कोयले का अथाह भंडार और ऊपर खनन गतिविधियों से भागती जिंदगी है। लेकिन अब इसी जमीन के नीचे मौजूद पानी को लेकर एक वैज्ञानिक रिपोर्ट सामने आई है, जो चिंता बढ़ाने वाली है। आईआईटीआईएसएम के पर्यावरण विज्ञान एवं इंजीनियरिंग विभाग के एचओडी प्रो. आलोक कुमार सिन्हा के नेतृत्व में हुए शोध ने जिले के अलगअलग इलाकों से लिए गए २६२ पानी के नमूनों की जांच की। ५४.९६ प्रतिशत नमूने पीने के लिए उपयुक्त नहीं हैं। यानी जिन जलस्रोतों पर लोग रोजमर्रा की जिंदगी के लिए निर्भर हैं, उनमें से आधे से ज्यादा पानी वैज्ञानिक जांच के आधार पर सीधे पीने के लिए सुरक्षित नहीं माना जा सकता।

डॉ. शालू केमिकल इंजीनियरिंग जर्नल के एडिटोरियल बोर्ड में शामिल

धनबाद (कासं) : आईआईटी-आईएसएम धनबाद के इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग विभाग की असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. शालू रानी को प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय रिसर्च जर्नल केमिकल इंजीनियरिंग जर्नल के एडिटोरियल बोर्ड में शामिल किया गया है। वह इस जर्नल के एडिटोरियल बोर्ड में भारत का प्रतिनिधित्व करने वाले केवल छह सदस्यों में शामिल हैं। यह उपलब्धि उनके रिसर्च एक्सपर्टीज, अकादमिक योगदान और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बढ़ती पहचान को दर्शाती है। डॉ. शालू रानी का चयन एनर्जी स्टोरेज, एडवांस्ड मैटेरियल्स और नई इलेक्ट्रॉनिक टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में उनके रिसर्च और अकादमिक योगदान की मान्यता है। उनका यह दायित्व आईआईटीआईएसएम धनबाद के रिसर्च प्रोफाइल को भी मजबूत करता है और संस्थान के फैकल्टी की इंटरनेशनल अकादमिक प्लेटफॉर्म पर बढ़ती भागीदारी को दर्शाता है।

केमिकल इंजीनियरिंग जर्नल एक प्रतिष्ठित इंटरनेशनल पीयर-रिव्यूड जर्नल है, जिसमें केमिकल इंजीनियरिंग के साथ-साथ एनर्जी कन्वर्जन एवं स्टोरेज, एडवांस्ड मैटेरियल्स, सेंसर और बायोमैटेरियल्स जैसे इंटरडिसिप्लिनरी क्षेत्रों में हाई-इम्पैक्ट रिसर्च प्रकाशित होती है। एडिटोरियल बोर्ड की सदस्य के रूप में डॉ. रानी जर्नल की पीयररिव्यू और एडिटोरियल प्रोसेस में योगदान देंगी। डॉ. रानी ने कहा, इस प्रतिष्ठित जर्नल के एडिटोरियल बोर्ड का हिस्सा बनना मेरे लिए सम्मान की बात है। मैं क्वालिटी और इम्पैक्टफुल इंटरडिसिप्लिनरी रिसर्च को आगे बढ़ाने में अपना योगदान देने के लिए उत्साहित हूं। डॉ. रानी की रिसर्च इंटरेस्ट में एडवांस्ड सुपरकैपेसिटर, माइक्रोसुपरकैपेसिटर, लिथियमआयन बैटरी, फ्लेक्सिबल इलेक्ट्रॉनिक्स और न्यूरोमॉर्फिक कंप्यूटिंग के लिए मेमरिस्टर शामिल हैं। उनका रिसर्च नेक्स्टजेनरेशन एनर्जी स्टोरेज डिवाइस और लोपावर एवं वियरेबल इलेक्ट्रॉनिक्स के डेवलपमेंट पर केंद्रित है। उन्होंने आईआईटी रुड़की से नैनोटेक्नोलॉजी में पीएचडी की है। उनकी डॉक्टोरल रिसर्च लो-पावर वियरेबल इलेक्ट्रॉनिक्स के लिए बाइंडरफ्री टीआईओ-बेस्ड फ्लेक्सिबल सुपरकैपेसिटर पर केंद्रित थी। उन्होंने इलेक्ट्रॉनिक्स एंड कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग में एमटेक और बीटेक भी किया है। डॉ. शालू रानी की यह उपलब्धि आईआईटीआईएसएम धनबाद की ग्लोबल रिसर्च और अकादमिक प्लेटफॉर्म पर बढ़ती मौजूदगी को और मजबूत करती है।

सड़क दुघर्टना में बाइक सवार घायल

बलियापुर (ससे) : प्रधानखंता जियारी थान से ढांगी जाने वाली सड़क पर पहाड़ धार टोला के पास दो बाईकों के बीच हुई टक्कर में दोनों बाइक सवार घायल हो गए। जानकारी के अनुसार सिंदूरपुर निवासी निशांत रजवार बाइक से उसी रास्ते धनबाद जा रहा था। उनके बाइक पर एक महिला एवं युवती सवार थी । पहाड़धार टोला के पास विपरीत दिशा से आ रहा अन्य एक बाइक सवार दोनों के बीच जोरदार टक्कर हो गई। जिससे दोनों बाइक चालक घायल हो गए। दूसरा बाइक सवार सरायढेला निवासी राज कुमार महतो को गंभीर चोटें आई हैं। मौके पर पहुंचे झामुमो नेता जग्गू महतो, जेएलकेएम नेता आशीष महतो आदि ने एक कार मांगा कर दोनों घायलों को इलाज हेतु धनबाद ले जाया गया है।

लिंडसे क्लब में कैंसर जागरूकता कार्यक्रम

धनबाद (कासं) : कैंसर जैसी गंभीर बीमारी के प्रति लोगों को जागरूक करने के उद्देश्य से लिंडसे क्लब परिसर में कैंसर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन डॉ. बिप्लव मिश्रा की अगुवाई में एक निजी हॉस्पिटल के सहयोग से लिंडसे क्लब में किया गया।

कार्यक्रम में विशेषज्ञों ने कैंसर के प्रारंभिक लक्षण, समय पर जांच, बचाव और उपचार से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारियां दीं। उन्होंने कहा कि कैंसर का समय रहते पता चलने पर उचित चिकित्सा और उपचार के माध्यम से बीमारी के प्रभाव को काफी हद तक नियंत्रित किया जा सकता है।

ऐसे में नियमित स्वास्थ्य जांच और शरीर में होने वाले असामान्य बदलावों के प्रति सजग रहना बेहद जरूरी है। इस दौरान उपस्थित लोगों को कैंसर से जुड़े विभिन्न पहलुओं की जानकारी दी गई तथा उनकी जिज्ञासाओं का समाधान किया गया। विशेषज्ञों ने स्वस्थ जीवनशैली अपनाने, तंबाकू एवं अन्य हानिकारक पदार्थों से दूर रहने और किसी भी तरह के संदिग्ध लक्षण दिखाई देने पर तत्काल चिकित्सकीय सलाह लेने की अपील की।

कार्यक्रम में लिंडसे क्लब के सदस्यों के साथ निजी हॉस्पिटल की टीम ने सक्रिय सहभागिता निभाइ। आयोजकों ने कहा कि कैंसर के खिलाफ लड़ाई में जागरूकता और समय पर जांच की महत्वपूर्ण भूमिका है। कार्यक्रम के माध्यम से समाज में यह संदेश दिया गया कि समय पर जागरूकता और समय पर जांच ही कैंसर के खिलाफ सबसे महत्वपूर्ण कदम है। लिंडसे क्लब की ओर से ऐसे सामाजिक एवं स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रमों के माध्यम से समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी और प्रतिबद्धता को आगे भी जारी रखने का संकल्प व्यक्त किया गया।

कोयला भवन में स्पेशल कैंपेन 6.0 पर महत्वपूर्ण बैठक

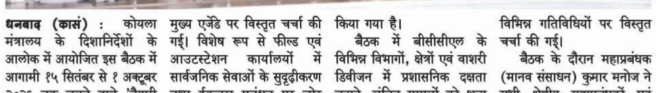

धनबाद (कासं) : कोयला मंत्रालय के दिशानिर्देशों के आलोक में आयोजित इस बैठक में आगामी १५ सितंबर से १ अक्टूबर २०२६ तक चलने वाले 'तैयारी चरण' तथा २ से ३१ अक्टूबर तक आयोजित क्रियान्वयन चरण की रूपरेखा एवं रणनीतियों पर विस्तार से विचारविमर्श किया गया। केंद्र सरकार के सभी मंत्रालयों, विभागों, अधीनस्थ कार्यालयों और सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों में लंबित मामलों के त्वरित निष्पादन तथा संस्थागत स्वच्छता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से इस अभियान की शुरुआत की जा रही है।

बैठक के दौरान अभियान के मुख्य एजेंडे पर विस्तृत चर्चा की गई। विशेष रूप से फील्ड एवं आउटस्टेशन कार्यालयों में सार्वजनिक सेवाओं के सुदृढ़ीकरण तथा ईकचरा प्रबंधन पर जोर दिया गया। इस वर्ष के अभियान का मुख्य फोकस ईकचरे के प्रभावी संग्रह, पृथक्कीकरण एवं सुरक्षित निस्तारण पर केंद्रित है। इसके अतिरिक्त कार्यस्थलों की सफाई एवं सुधार, कबाड़ निस्तारण, उपलब्ध स्थान का बेहतर उपयोग, जनशिकायतों का त्वरित निवारण, सर्वोत्तम प्रथाओं का अनुकरण तथा संपूर्ण प्रक्रिया की नियमित निगरानी एवं दस्तावेजीकरण को भी अभियान में प्रमुखता से शामिल किया गया है।

बैठक में बीसीसीएल के विभिन्न विभागों, क्षेत्रों एवं वाशरी डिवीजन में प्रशासनिक दक्षता बढ़ाने, लंबित मामलों को शून्य स्तर पर लाने और कार्यालय परिसर के वैज्ञानिक रखरखाव हेतु विस्तृत कार्ययोजना तैयार की गई। उपस्थित प्रतिभागियों को निर्देश दिया गया कि वे तैयारी चरण के दौरान ही अपनेअपने क्षेत्रों से संबंधित प्रस्तावित लक्ष्यों को चिन्हित कर निर्धारित समयसीमा के भीतर पूरा करना सुनिश्चित करें। साथ ही, क्रियान्वयन चरण के दौरान मुख्यालय तथा क्षेत्रीय स्तर पर आयोजित किए जाने वाले विभिन्न गतिविधियों पर विस्तृत चर्चा की गई।

बैठक के दौरान महाप्रबंधक (मानव संसाधन) कुमार मनोज ने सभी क्षेत्रीय महाप्रबंधकों एवं मुख्यालय के महाप्रबंधकों तथा अधिकारियों से विशेष अभियान में सक्रिय सहभागिता सुनिश्चित करने तथा इसे सफल बनाने का आह्वान किया।

बैठक में महाप्रबंधक (मानव संसाधन) कुमार मनोज सहित कोयला भवन मुख्यालय के विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष/प्रतिनिधि, क्षेत्रीय प्रबंधक (मानव संसाधन) तथा अन्य अधिकारी एवं कर्मी उपस्थित रहे।

डेकोरेटर एसोसिएशन संघ का वार्षिक अधिवेशन

बलियापुर (ससे) : धनबाद जिला डेकोरेटर एसोसिएशन बलियापुर शाखा का वार्षिक अधिवेशन शाखा अध्यक्ष ईशाक अंसारी की अध्यक्षता में हुई। जिसमें संगठन विस्तार समेत अन्य बिंदुओं पर चर्चा की गयी। जिसमें धनबाद जिला डेकोरेटर एसोसिएशन संघ के जिलाध्यक्ष पुरुषोत्तम कुमार रंजन, जिला महासचिव नीरज शाह, जिला सचिव बच्चू दत्ता, महेंद्र गोप, भगत जी भगत, जयशंकर प्रसाद, नसीम अंजुम, प्रदीप कुमार सिंह, शाखा अध्यक्ष ईशाक अंसारी, सचिव संजय चौहान, कोषाध्यक्ष शक्ति चरण महतो, शाखा संस्थापक विनोद कुमार गुप्ता, धनंजय रवानी, मुन्ना महतो, धीरेन रवानी, अजीत कुमार मंडल, वरुण महतो, अनिल महतो, शेख बबलू, साजिद, पप्पू, मोकीम, मदन, राजू निषाद, उज्ज्वल चौबे, दिनेश महतो, राकेश, टिंकू, संतोष आदि मौजूद थे।

नवोदय विद्यालय प्रवेश परीक्षा जागरूकता अभियान आयोजित

धनबाद (कासं) : उत्क्रमित उच्च विद्यालय, लोआडीह में नवोदय विद्यालय प्रवेश परीक्षा जागरूकता अभियान कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि रवि कुमार निषाद ने कहा कि नवोदय विद्यालय प्रवेश परीक्षा के प्रति ग्रामीण और जरूरतमंद परिवारों के बच्चों को जागरूक करना बेहद जरूरी है। सही मार्गदर्शन और मेहनत के जरिए बच्चे बेहतर शिक्षा प्राप्त कर देश के भविष्य को मजबूत कर सकते हैं।

उन्होंने बताया कि जवाहर नवोदय विद्यालय, बेनागोड़िया, निरसा, धनबाद में सत्र २०२७-२८ के लिए कक्षा ९ और ११ में लेटरल एंट्री के लिए ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया जारी है। उन्होंने स्पष्ट किया कि कक्षा ८ में सीधे प्रवेश का प्रावधान नहीं है। कक्षा ८ में अध्ययनरत विद्यार्थी कक्षा ९ में प्रवेश के लिए आयोजित परीक्षा में शामिल हो सकते हैं।

संकल्प एजुकेशन के निदेशक सह जय धरती मां फाउंडेशन के जिला सचिव सहदेव महतो ने

कहा कि नवोदय विद्यालय गरीब और मेधावी बच्चों के लिए बेहतर शिक्षा का महत्वपूर्ण अवसर है। उन्होंने बताया कि कक्षा ९ और ११ के लिए आवेदन करने की अंतिम तिथि ३० सितंबर है। ऑनलाइन सुधार की प्रक्रिया १ और २ अक्टूबर को होगी, जबकि प्रवेश परीक्षा १० अप्रैल २०२७ को आयोजित की जाएगी। उन्होंने बताया कि इच्छुक विद्यार्थी नवोदय विद्यालय समिति के आधिकारिक पोर्टल पर जाकर ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। परीक्षा ओएमआर शीट के माध्यम से ऑफलाइन मोड में आयोजित होगी।

कक्षा ९ में प्रवेश के लिए विद्यार्थी का शैक्षणिक सत्र २०२६२७ में धनबाद जिले के किसी सरकारी या मान्यता प्राप्त विद्यालय में कक्षा ८ में अध्ययनरत होना आवश्यक है। वहीं कक्षा ११ में प्रवेश के लिए धनबाद जिले से कक्षा १०वीं उत्तीर्ण होना जरूरी है।

कार्यक्रम में विद्यार्थियों को आवेदन प्रक्रिया, परीक्षा और पात्रता से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारियां दी गई। साथ ही किसी प्रकार की समस्या होने पर नजदीकी पीएम श्री जवाहर नवोदय विद्यालय, धनबाद (निरसा) से संपर्क करने की सलाह दी गई। मौके पर विद्यालय के शिक्षकगण भी मौजूद रहे।

पुल का बीम लॉन्चर गिरा

हाजीपुर (ईएमएस) : वैशाली के लालगंज में निर्माणाधीन पुल का बीम लॉन्चर अचानक गिर गया। इसमें कई कर्मचारी घायल हो गए। घायलों को तुरंत लालगंज रेफरल अस्पताल ले जाया गया। अस्पताल में ६ कर्मचारियों का इलाज किया गया, जबकि २ गंभीर घायलों को बेहतर इलाज के लिए रेफर कर दिया गया है। भारतमाला परियोजना के तहत एनएच१३९डब्ल्यू फोरलेन रोड का निर्माण हो रहा है। एकलव्य कंस्ट्रक्शन कंपनी ६ हजार करोड़ की लागत की परियोजना का निर्माण कर रही थी। हादसा लालगंज थाना क्षेत्र एतवारपुर गांव के सती स्थान के पास हुआ। हादसे के बाद निर्माण स्थल पर अफरातफरी मच गई। घटना की जानकारी मिलते ही अधिकारी और पुलिस मौके पर पहुंच गए। हादसे की वजह जानने के लिए जांच की जा रही है। निर्माण कार्य में सुरक्षा मानकों पर भी सवाल उठ रहे हैं।

पलाश के पेड़ के पास मिला महिला का शव, इलाके में सनसनी

गिरिडीह (ससे) : ताराटांड़ थाना क्षेत्र के अमरे गांव स्थित अलेटांड़ में पलाश के पेड़ के पास एक महिला का शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। मृतका की पहचान करीब ३५ वर्षीय बुधनी टुडू के रूप में हुई है, जो महजोरी गांव निवासी डिस्को मुर्मू की पत्नी बताई जा रही है।

ग्रामीणों ने पलाश के पेड़ के पास महिला का शव पड़ा देखा, जिसके बाद मौके पर लोगों की भीड़ जुट गई। घटना की सूचना ताराटांड़ थाना पुलिस को दी गई। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल, गिरिडीह भेज दिया।

महिला की मौत किन परिस्थितियों में हुई, इसका फिलहाल खुलासा नहीं हो सका है। पुलिस मामले की विभिन्न पहलुओं से जांच कर रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद मौत के कारणों का पता चलने की संभावना है।

ट्रैफिक नियम तोड़ने वालों पर पुलिस की सख्ती

धनबाद (कासं) : वरीय पुलिस अधीक्षक प्रभात कुमार के निर्देशानुसार यातायात व्यवस्था को बेहतर बनाने और सड़क सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए धनबाद पुलिस का विशेष अभियान लगातार जारी है। अगस्त माह में ट्रैफिक पुलिस ने नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों के खिलाफ व्यापक कार्रवाई की।

अगस्त में ३,००१ वाहनों से कुल ६९ लाख का चालान किया गया। जुलाई में ३,९६५ वाहनों से करीब एक करोड़ का चालान किया गया था। वहीं ड्रंक एंड ड्राइव के खिलाफ अभियान में ८५ वाहन जब्त किए गए जिन पर न्यायालय द्वारा कुल ९.३५ लाख का जुर्माना लगाया गया। रॉन्ग साइड पार्किंग के खिलाफ जुलाई में १५७ वाहनों पर कार्रवाई की गई थी जबकि अगस्त में यह संख्या बढ़कर ५७९ हो गई। इसी प्रकार हेलमेट जांच अभियान में ७५९ वाहनों पर कार्रवाई करते हुए ७ लाख ५९ हजार का चालान किया गया।

जुलाई में जिले में कुल ४२ सड़क हादसे दर्ज हुए थे जिनमें ३५ लोगों की मौत हुई थी। अगस्त में हादसों की संख्या घटकर ३० रह गई, यानी करीब २८ प्रतिशत की कमी आई। वहीं हादसों में मरने वालों की संख्या ३५ से घटकर २२ रही जो जुलाई के मुकाबले करीब ३७ प्रतिशत कम है। एसएसपी प्रभात कुमार ने कहा कि यातायात व्यवस्था और सड़क सुरक्षा को लेकर ऑटो-टोटो चालकों पर पुलिस की सख्ती जारी रहेगी।

यातायात नियमों की अनदेखी और ऑटोटोटो चालकों की लापरवाही सड़क हादसों एवं यातायात अव्यवस्था की प्रमुख वजहों में शामिल है। ऐसे में नियमों का पालन सुनिश्चित करने के लिए पुलिस द्वारा नियमित जांच और कार्रवाई का अभियान लगातार जारी रहेगा। वरीय पुलिस अधीक्षक प्रभात कुमार ने कहा कि सड़क सुरक्षा केवल पुलिस की जिम्मेदारी नहीं बल्कि प्रत्येक नागरिक की सामूहिक जिम्मेदारी है। यातायात नियमों का पालन करना स्वयं की और दूसरों की सुरक्षा के लिए आवश्यक है। उन्होंने वाहन चालकों से हेलमेट और सीट बेल्ट का अनिवार्य रूप से इस्तेमाल करने, शराब पीकर वाहन नहीं चलाने तथा निर्धारित गति सीमा का पालन करने की अपील की।

लोजपा के नवमनोनीत प्रदेश अध्यक्ष व प्रधान महासचिव को दी बधाई

जोड़ापोखर (ससे) : लोक जनशक्ति पार्टी रामविलास जिला धनबाद महानगर के पूर्व जिला अध्यक्ष रामनंदन पासवान ने केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान एवं झारखंड प्रभारी सांसद अरुण भारती का

आभार व्यक्त करते हुए झारखंड प्रदेश के नव मनोनीत प्रदेश अध्यक्ष एवं विधायक जनार्दन पासवान झारखंड प्रदेश के नव मनोनीत प्रधान महासचिव विकास रंजन उर्फ पप्पू सिंह को बनाए जाने पर बधाई दी। कहा कि आशा ही नहीं पूर्ण विश्वास है कि प्रदेश अध्यक्ष एवं प्रधान महासचिव के पद पर भारत सरकार के केंद्रीय मंत्री लोक जनशक्ति पार्टी रामविलास के राष्ट्रीय अध्यक्ष चिराग पासवान के द्वारा मनोनीत किए जाने पर चिराग पासवान का आभार व्यक्त करते हुए कहां की आशा ही नहीं पूर्ण विश्वास है कि झारखंड प्रदेश में लोक जनशक्ति पार्टी काफी सशक्त एवं मजबूत होगी। विधायक का राजनीतिक अनुभव और विकास रंजन सिंह उर्फ पप्पू सिंह का युवा ऊर्जा शक्ति के बदौलत पूरे झारखंड के २४ जिला में संगठन काफी मजबूत होगी।

धनबाद क्रिकेट संघ का अंपायरिंग व स्कोरिंग वर्कशाप शुरू

धनबाद (कासं) : धनबाद क्रिकेट संघ का अंपायरिंग व स्कोरिंग वर्कशाप रणधीर वर्मा स्टेडियम स्थित डीसीए के कार्यालय में शुरू हुआ। डीसीए के महासचिव विनय कुमार सिंह, जेएससीए के कार्यकारिणी सदस्य उत्तम विश्वास, उपाध्यक्ष व अंपायरिंग कमिटी के चेयरमैन मनोज कुमार सिंह, उपाध्यक्ष शांतनु चौधरी, स्कोरिंग कमिटी के सुनील कुमार, अरविंद महता व पूर्व क्रिकेटर मनोरंजन सिंह ने दीप प्रज्वलित कर वर्कशाप का शुभारंभ किया।

महासचिव विनय कुमार सिंह ने वर्कशाप के आयोजन का उद्देश्य बताते हुए अंपायरिंग व स्कोरिंग के क्षेत्र में करियर की संभावना के बारे में भी बताया। कहा कि जल्द ही जेएससीए की ओर से अंपायरिंग का सेमिनार होना है और उसमें हमारे यहां के अंपायर अधिक से अधिक संख्या में सफल हो, यही हमारी कामना है। वर्कशाप में लगभग २५ की संख्या में प्रतिभागी हिस्सा ले रहे हैं। स्टेट पैनल अंपायर नीरज पाठक व ओमप्रकाश राय क्रिकेट के लॉ व बाईलाज पर जानकारी दे रहे हैं। वर्कशाप के अंतिम दिन परीक्षा भी ली जाएगी। वहीं दीपक कुमार व ज्ञान रंजन स्कोरिंग के बारे में प्रतिभागियों को बता रहे हैं।

पत्नी पर तेजाब से हमला

नई दिल्ली (ईएमएस) : एक जघन्य अपराध में दिल्ली की अदालत ने अपनी पत्नी पर तेजाब फेंकने वाले पति को १४ साल की कठोर कारावास की सजा सुनाई है। फैसले में अदालत ने एक लाख का जुर्माना भी लगाया, जो पीड़िता को मुआवजे के तौर पर मिलेगा। अदालत ने कहा कि तेजाब हमलों के निशान केवल शारीरिक तक सीमित नहीं होते, बल्कि पीड़ित के साथ जीवन भर रहते हैं। एडिशनल सेशन जज प्रयांक नायक ने यह सजा सुनाकर स्पष्ट किया कि यदि दोषी जुर्माने की राशि अदा नहीं करता है, तब दोषी को एक साल की अतिरिक्त कारावास भुगतनी होगी। इसके साथ ही, अदालत ने केंद्रीय जिला विधिक सेवा प्राधिकरण (डीएलएसए) को भी कानून के अनुसार पीड़िता के लिए मुआवजा तय करने और प्रदान करने का निर्देश दिया है।

पुलिस का अभियान, 17 अड्डाबाज हिरासत में, 1345 वाहनों की जांच

धनबाद (कासं) : अपराध और असामाजिक गतिविधियों पर अंकुश लगाने के लिए धनबाद पुलिस ने जिलेभर में व्यापक और सघन जांच अभियान चलाया। वरीय पुलिस अधीक्षक प्रभात कुमार के निर्देश पर सभी थाना क्षेत्रों में थाना प्रभारियों के नेतृत्व में एक साथ कार्रवाई की गई। अभियान के दौरान अड्डाबाजी करने तथा सार्वजनिक स्थानों पर शराब का सेवन करने के आरोप

में १७ लोगों को हिरासत में लिया गया। पुलिस ने जिले के प्रमुख चौकचौराहों, संवेदनशील स्थानों और आनेजाने वाले प्रमुख मार्गों पर बैरिकेडिंग कर १३४५ वाहनों की सघन जांच की। इस दौरान वाहन चालकों के दस्तावेजों की जांच के साथ वाहनों में सवार लोगों की तलाशी और पहचान का सत्यापन किया गया।

संदिग्ध व्यक्तियों और गतिविधियों पर विशेष निगरानी रखते हुए पुलिस ने कई स्थानों पर अचानक जांच भी की।इधर, ग्रामीण एसपी एस. मोहम्मद याकूब के नेतृत्व में सिटी सेंटर एवं सरायढेला क्षेत्र में ड्रंक एंड ड्राइव के खिलाफ विशेष अभियान चलाया गया। पुलिस टीम ने ब्रेथ एनालाइजर की मदद से वाहन चालकों की जांच की। शराब के नशे में वाहन चलाते पाए गए लोगों के वाहनों को जब्त कर थाना लाया गया तथा नियमानुसार आवश्यक कार्रवाई की गई। पुलिस ने स्पष्ट किया कि नशे में वाहन चलाने वालों के कारण सड़क हादसों की आशंका बढ़ती है इसलिए ऐसे मामलों में किसी प्रकार की ढिलाई नहीं बरती जाएगी। अभियान के दौरान पुलिस ने चोरी, वाहन चोरी, अवैध शराब और लॉटरी के कारोबार के खिलाफ भी कार्रवाई की। इन गतिविधियों से जुड़े संदिग्धों और विभिन्न मामलों में वांछित अपराधियों की तलाश में पुलिस टीमों ने कई संभावित ठिकानों पर छापेमारी की।

पुलिस द्वारा संदिग्ध गतिविधियों की जानकारी जुटाने के साथ ऐसे लोगों की भी निगरानी की जा रही है जिनकी गतिविधियां आपराधिक मामलों से जुड़ी रही हैं। एसएसपी प्रभात कुमार ने बताया कि अभियान का उद्देश्य केवल तत्काल कार्रवाई करना नहीं बल्कि अपराधियों और असामाजिक तत्वों पर लगातार दबाव बनाए रखना है ताकि जिले में कानूनव्यवस्था का माहौल मजबूत हो और आम लोगों में सुरक्षा की भावना बनी रहे। एसएसपी प्रभात कुमार ने स्पष्ट किया कि अड्डाबाजी, सार्वजनिक स्थानों पर शराबखोरी, नशे में वाहन चलाना और किसी भी प्रकार की आपराधिक गतिविधि को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने पुलिस अधिकारियों को नियमित रूप से ऐसे अभियान चलाने और संदिग्ध गतिविधियों पर प्रभावी निगरानी रखने का निर्देश दिया है।

एचपीवी वैक्सीन जागरूकता से लाखों लड़कियों को लाभ

हैदराबाद (ईएमएस) : अल्लू अर्जुन, एक पैनइंडिया सुपरस्टार होने के साथ-साथ, अपने सामाजिक दायित्वों के प्रति भी उतने ही समर्पित है। उनकी विशाल फैन फॉलोइंग अब समाज को कुछ वापस देने में सक्रिय रूप से जुटी है। इसी क्रम में, अल्लू अर्जुन फैन एसोसिएशन (एएएफए) ने देशभर में एचपीवी वैक्सीन जागरूकता कार्यक्रमों का समर्थन कर एक सराहनीय पहल की है, जो बड़े पैमाने पर लोगों तक पहुँचकर शानदार काम कर रही है।

कार्यालय गिरिडीह नगर निगम
ई–मेलः giridihmunicipalcorporation@gmail.com

ज्ञापांक 305/SBM दिनांक 10/09/2026

अति अल्पकालीन कोटेशन आमंत्रण सूचना

स्वच्छ भारत मिशन (श०) 2.0 के अंतर्गत क्षमता निर्माण/प्रशिक्षण कार्यक्रम हेतु आवासन एवं शहरी कार्य मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा Guideline Framework निर्धारित Cost Norms उपलब्ध कराया गया है, जिसके अंतर्गत क्षमता संवर्द्धन कार्यक्रम का आयोजन किया जाना है। National Institute of Urban Affairs (NIUA) द्वारा Empanelled 23 Agencies/Swachhta Knowledge Partners के माध्यम से विभागीय मापदण्डों को पूरा करते हुए स्वच्छ भारत मिशन से संबंधित सभी कर्मियों/प्रतिनिधियों/योजना से संबंधित Stakeholders का प्रशिक्षण/क्षमतावर्द्धन किया जाना है। उक्त हेतु Empanelled 23 Agencies/Swachhta Knowledge Partners दिनांक 10/09/2026 को 03:00 बजे अप० से 18/09/2026 को 02:00 बजे अपराह्न तक गिरिडीह नगर निगम कार्यालय में अपना कोटेशन समर्पित कर सकते है। प्राप्त कोटेशन दिनांक 18/09/2026 को 04:00 बजे अपराह्न गिरिडीह नगर निगम कार्यालय में खोला जाएगा।

यह सूचना तथा कोटेशन से संबंधित नियम व शर्तें विभागीय वेबसाइट www.udhd.jharkhand.gov.in तथा गिरिडीह नगर निगम के सूचना पट्ट पर देखी जा सकती है।

ह०/–

PR 389575 (Urban Development)26-27*D नगर आयुक्त,गिरिडीह नगर निगम

जिला दण्डाधिकारी –सह– उपायुक्त का कार्यालय, जामताड़ा
(समाज कल्याण शाखा)
अति अल्पकालीन इच्छा की अभिव्यक्ति

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि जामताड़ा जिले के वन स्टॉप सेन्टर, जामताड़ा कार्यालय हेतु किराये पर व्यावसायिक वाहन रखा जाना है। उक्त निमित्त अति अल्पकालीन निविदा आमंत्रित की जाती है। फर्म/निविदादाता/ वाहन मालिक को सूचीबद्ध जिला समाज कल्याण कार्यालय, जामताड़ा द्वारा किया जाएगा।

अतः इच्छुक फर्म/निविदादाता/वाहन मालिक अपनी निविदा को आवेदन बन्द लिफाफा में जिला समाज कल्याण कार्यालय, जामताड़ा में दिनांक–.30.09.2026 को अपराह्न– 12.00 बजे तक हाथों–हाथ जमा कर सकते हैं। उक्त निविदा को समाहरणालय सभाकक्ष, जामताड़ा में दिनांक– 30.09.2026 को अपराह्न– 03.00 बजे खोला जाएगा।

नोटः– उक्त के संबंध में विस्तृत जानकारी जिले के वेबसाईट–www.jamtara.nic.in पर देखा जा सकता है।

उप विकास आयुक्त,
जामताड़ा।

PR 389515 District(26-27)D

OFFICE OF THE EXECUTIVE ENGINEER, DRINKING WATER &SANITATION DIVISION TENUGHAT

Very Short Term e-procurement Notice

Tender reference No. - DWSD/Tenughat/03/2026-27 (3rd Call) DATED: 10-09-2026

The under signed, on behalf of the Government of Jharkhand, invites Percentage rate bids for the work mentioned in table below through e-Procurement from eligible and approved Contractors, registered with Drinking Water &Sanitation Department, Government of Jharkhand. The work of Supply of Spare Parts of Deep Well Hand Pumps India Mark-II as detailed is BOQ. The rate to be paid for the work as said above will be decided as per the lowest rate quoted in e-procurement. The relevant articles of PWD Code will be applicable. The rates will be applicable for years 2026-27. The bid shall be submitted online in the Website http://jharkhandtenders.gov.in. The bidder(s) should have necessary portal enrolment with their own Digital Signature Certificate:

Sl no	Name of the work	Name of Group	Estimated Cost (in Rs.)	Earnest Money (Rs.)	Cost of Tender Paper (Rs.)	Period of Supply
1	2	3	4	5	6	7
1	Supply of Spare parts of Deep Well Hand Pumps India Mark-II conforming to IS:9301-1190 with latest amendment (may be read along with 1st amendment IS:15500(Part 1-7) 2004 with latest amendment for spares common to both India Mark-II & III respectively) under D.W.&S Division, Tenughat for the year 2026-27.	01	874351.00	18000.00	1250.00	20 Days
2	Date & Time of Publication of Tender on Website.	12/09/2026 at 04:00 PM				
3	Last Date & Time for Receipt of Bid. (Online)	24/09/2026 up to 04:00 PM				
4	Cost of tender Paper and Earnest Money Deposit on submission of bids (if applicable) as per mentioned in Annexure- 1 vide letter No- 120 dt 03.10.2023 by Secretary, Department of Information Technology and e-Governance Government of Jharkhand.	24/09/2026 up to 04:00 PM				
5	Date & Time of Opening of Tender	25/09/2026 at 04:00 PM				
6	Name & Address of Office inviting tender	Executive Engineer, Drinking Water & Sanitation Division Tenughat				
7	Contact No. of Procurement Office	7677744088, 8863832825				
8	Helpline No. of e-procurement cell	0651-248045				

Note:-
- **No claim shall be entertained because of disputation of internet service being used by the bidders. Bidders are advice to upload their bids well in advance to avoid last minute technical snags.**
- **Further details can be seen on website** Http://jharkhandtenders.gov.in
- **Estimated Cost may be increase or decrease.**

Executive Engineer,
PR.NO.389535 Drinking Water and Sanitation(26-27):D **Drinking Water & Sanitation Division Tenughat**

जिला जनसम्पर्क कार्यालय, जामताड़ा
ईमेल–iprdjamtara@gmail.com

कलादलो के जिला स्तरीय चयन एवं ग्रेडिंग हेतु "इच्छा की अभिव्यक्ति का आमंत्रण सूचना"

जिला जनसम्पर्क कार्यालय, जामताड़ा द्वारा "गीत नाट्य" एवं "सांस्कृतिक कार्यक्रमों" के माध्यम से राज्य सरकार की नीतियों, महत्वपूर्ण सामाजिक और नागरिक मुद्दो के जन–जागरण एवं योजनाओं के प्रचार–प्रसार हेतु इच्छुक नुक्कड़ नाटक दल/सांस्कृतिक दलों/स्वागत दलों से उनके परफॉरमेंस के आधार पर चयन एवं ग्रेडिंग किये जाने हेतु दिनांक 09/10/2026 को अपराह्न 01:00 बजे तक जिला जन–सम्पर्क कार्यालय, जामताड़ा में स्वयं/नामित प्रतिनिधि/ निबंधित पोस्ट अथवा स्पीड पोस्ट के माध्यम से बंद लिफाफे में आवेदन आमंत्रित किया जाता है। जिसे जिला स्तरीय चयन समिति के द्वारा ग्रेडिंग निर्धारित कर चयनित किया जायेगा।

इच्छा की अभिव्यक्ति की सूचना की शर्त्ते कार्यालय के सूचना पट्ट एवं वेबसाईट www.prdjharkhand.in एवं www.jamtara.nic.in पर उपलब्ध हैं।

PR.NO.389562 Jamtara(26-27):D उपायुक्त, जामताड़ा।

Government of Jharkhand
Urban Development Department
Chirkunda Nagar Parishad

e-Procurement Notice (अति अल्पकालीन निविदा)

Reference No. :CNP/12/2026-27 Date : 11.09.2026

Sl. No.	Tender Reference Number	Name of the Work	Estimated Cost	Earnest money (Rs. in Lakh)	Cost of Tender paper (Rs.)	Time of Completion
1	2	3	4	5	6	7
01	CNP/12/2026-27	CONSTRUCTION OF 06 UNIT OF URINAL IN WARD NO. 01 UNDER CHIRKUNDA NAGAR PARISHAD	1,91,928.00	2% of BOQ	1000.00	60 Months

- Date of Publication of Tender on website dated 16.09.2026 at 03:00 P.M.
- Last Date/Time for receipt of bids dated 26.09.2026 at 03:00 P.M. **(Online)**
- Date of Bid Opening date 28.09.2026 **At 04:00 P.M. (Online)**
- Estimated cost may be increased/decreased.

NOTE:- Only e-Tenders will be accepted.
Further details can be seen on website http://jharkhandtenders.gov.in.

PR 389604 Urban Development (26-27)_D **Executive Officer, Chirkunda Nagar Parishad**

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय
ग्रामीण विकास विशेष प्रमण्डल, धनबाद।
मोबाईल नं० : 7061981397 Email : rdsd.dhanbad@rediffmail.com

पत्रांकः– 964 धनबाद/दिनांक– 10.09.2026

शुद्धि पत्र

इस कार्यालय के पत्रांक 931 दिनांक 29.08.2026 के द्वारा आमंत्रित अति अल्पकालीन निविदा आमंत्रण सूचना सं0– 28/2026-27/RDSD/EE/Dhanbad जिसका PR No. 388637 Rural Development(26-27).D में प्रकाशित निविदा की तिथि में निम्नवत् संशोधन किया जाता है।

क्र0	विवरणी	पूर्व में प्रकाशित तिथि	संशोधित तिथि
1.	वेबसाइट में निविदा प्रकाशन की तिथि	दिनांक 08.09.2026	दिनांक 19.09.2026
2.	ई0 निविदा प्राप्ति की तिथि एवं समय	दिनांक 08.09.2026 से दिनांक 15.09.2026 को अपराह्न 05:00 बजे तक।	दिनांक 19.09.2026 से दिनांक 26.09.2026को अपराह्न 05:00 बजे तक।
3.	ई0 निविदा खोलने की तिथि एवं समय	दिनांक 18.09.2026 अपराह्न 02:00 बजे।	दिनांक 28.09.2026 अपराह्न 02:00 बजे।

अतः अन्य शर्तो यथावत रहेगी।

PR 389571 (Rural Development) 26-27 (D) कार्यपालक अभियंता, ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल, धनबाद

बिहार की कमान अनपढ़ अपराधी के हाथों में नहीं सौंपी जा सकती

प्रशांत किशोर और सीएम सम्राट चौधरी के बीच छिड़ी जुबानी जंग

पटना (ईएमएस): जन सुराज पार्टी के संस्थापक प्रशांत किशोर और बिहार के सीएम सम्राट चौधरी के बीच छिड़ी जुबानी जंग ने सियासी पारा बढ़ा दिया है। उत्तरी बिहार के सहरसा ज़िले में प्रशांत किशोर ने सीएम सम्राट चौधरी पर तीखा हमला बोलते हुए उन्हें अनपढ़ अपराधी बताया और कहा कि ऐसे व्यक्ति के हाथों में राज्य का शासन नहीं सौंपा जा सकता। यह विवाद तब गहराया जब एक इंटरव्यू में मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने बांकीपुर के विधायक प्रशांत किशोर के लिए बेचारा शब्द का इस्तेमाल किया था।

इस टिप्पणी पर तंज कसते हुए प्रशांत ने कहा कि सम्राट चौधरी का मुझे बेचारा कहना बिल्कुल सही है, क्योंकि मेरे पास उनके जैसे अनपढ़ अपराधी से बिहार को मुक्त कराने के लिए संघर्ष करने के अलावा और कोई दूसरा विकल्प नहीं बचा है। चुनावी रणनीतिकार से राजनेता बने प्रशांत किशोर ने साफ किया कि उनकी लड़ाई किसी व्यक्तिगत रंजिश का हिस्सा नहीं है, बल्कि यह बिहार में बेहतर शासन और व्यवस्था परिवर्तन का संकल्प है। उन्होंने तर्क दिया कि जब सत्ता की बागडोर ऐसे प्रशासनिक अनुभवहीन और विवादित छवि वाले नेताओं के हाथों में होगी, तो राज्य के युवाओं का पलायन, बदहाल शिक्षा प्रणाली और आर्थिक पिछड़ापन खत्म नहीं हो सकता।

जन सुराज के बैनर तले बिहार के ज़िलों का दौरा कर रहे प्रशांत किशोर लगातार सत्तारूढ़ एनडीए और पारंपरिक राजनीतिक दलों पर हमलावर रहे हैं। सहरसा में दिया गया यह बयान केवल एक तीखी टिप्पणी नहीं है, बल्कि यह संकेत देता है कि आने वाले समय में जन सुराज पार्टी राज्य के मुख्य राजनीतिक चेहरों की कार्यशैली और योग्यता को सीधे जनता की अदालत में चुनौती देने की आक्रामक रणनीति पर काम कर रही है। जन सुराज के बैनर तले बिहार के ज़िलों का दौरा कर रहे प्रशांत लगातार सत्तारूढ़ एनडीए और पारंपरिक राजनीतिक दलों पर हमलावर रहे हैं।

सहरसा में दिया गया यह बयान केवल एक तीखी टिप्पणी नहीं है, बल्कि यह संकेत देता है कि आने वाले समय में जन सुराज पार्टी राज्य के मुख्य राजनीतिक चेहरों की कार्यशैली और योग्यता को सीधे जनता की अदालत में चुनौती देने की आक्रामक रणनीति पर काम कर रही है।

बिहार में पीजी डॉक्टरों को तोहफाः मानदेय में बंपर बढ़ोतरी

पटना (ईएमएस): बिहार सरकार ने राज्य के चिकित्सा एवं दंत चिकित्सा महाविद्यालयों में स्नातकोत्तर (पीजी) की पढ़ाई कर रहे प्रशिक्षु चिकित्सकों के मासिक मानदेय में उल्लेखनीय वृद्धि की है। यह घोषणा शुक्रवार को की गई, जिसका उद्देश्य चिकित्सकों को प्रोत्साहित कर बेहतर स्वास्थ्य सेवाएँ सुनिश्चित करना है। स्वास्थ्य विभाग द्वारा जारी बयान के अनुसार, अब प्रथम वर्ष के पीजी छात्रों को ८२,००० रुपये की बजाय ९२,८०० रुपये का मानदेय मिलेगा। द्वितीय वर्ष के छात्रों का मासिक मानदेय ९०,२०० रुपये से बढ़ाकर १,०२,००० रुपये कर दिया गया है, जबकि तृतीय वर्ष के छात्रों को अब ९९,२२० रुपये की जगह १,१२,२०० रुपये मिलेगा।

ये संशोधित मानदेय दरें १ जनवरी, २०२६ से प्रभावी मानी जाएंगी, लेकिन छात्रों को इसका लाभ पूर्व प्रभाव से मिलेगा। स्वास्थ्य मंत्री निशांत कुमार ने कहा कि यह वृद्धि भविष्य के विशेषज्ञ चिकित्सकों को प्रोत्साहन देगी और राज्य में चिकित्सा शिक्षा के लिए एक बेहतर वातावरण का निर्माण करेगी, जिससे लोगों को गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं मिल सकेंगी।

एमएलसी चुनाव में राजद ने खोले पत्ते 6 सीटों पर उम्मीदवार घोषित

पटना (एजेंसी) : बिहार विधान परिषद स्नातक एवं शिक्षक निर्वाचन २०२६ को लेकर राष्ट्रीय जनता दल ने अपने उम्मीदवारों की पहली सूची जारी कर दी है। पार्टी ने कुल आठ सीटों में से छह सीटों पर प्रत्याशियों के नाम घोषित किए हैं। आरजेडी की यह सूची प्रदेश अध्यक्ष मंगनी लाल मंडल के हस्ताक्षर से ११ सितंबर २०२६ को जारी की गई। छह उम्मीदवारों के नाम सामने आने के बाद बिहार में विधान परिषद चुनाव को लेकर राजनीतिक गतिविधियां तेज होने की उम्मीद है।

पटना की दोनों एमएलसी सीटों पर आरजेडी ने उतारे उम्मीदवार

आरजेडी ने पटना शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र से डॉ. संजीव कुमार सिंह को उम्मीदवार बनाया है। वहीं पटना स्नातक निर्वाचन क्षेत्र से दिलीप कुमार को चुनाव मैदान में उतारा गया है। पटना की दोनों सीटों पर उम्मीदवारों की घोषणा के साथ ही चुनावी मुकाबले को लेकर राजनीतिक सरगर्मी बढ़ गई है।

सारण और तिरहुत में भी प्रत्याशी घोषित

पार्टी ने सारण शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र से प्रो. जयराम यादव को टिकट दिया है। वहीं तिरहुत स्नातक निर्वाचन क्षेत्र से डॉ. रश्मि विनायक गौतम आरजेडी की उम्मीदवार होंगी। इन दोनों क्षेत्रों में प्रत्याशियों के नाम घोषित होने के बाद स्थानीय स्तर पर भी चुनावी गतिविधियां तेज होने की संभावना है।

कोशी और दरभंगा स्नातक सीट पर भी चेहरे तय

कोशी स्नातक निर्वाचन क्षेत्र से नितेश कुमार को आरजेडी ने उम्मीदवार बनाया है। वहीं दरभंगा स्नातक निर्वाचन क्षेत्र से अनिल कुमार झा चुनाव लड़ेंगे। इस तरह आरजेडी ने शिक्षक और स्नातक दोनों श्रेणियों की छह सीटों पर अपने प्रत्याशियों का ऐलान कर दिया है।

आठ में से छह सीटों पर फैसला, दो सीटों पर सस्पेंस

आरजेडी ने फिलहाल आठ सीटों में से छह के लिए उम्मीदवार घोषित किए हैं। दो सीटों पर अभी पार्टी की ओर से नाम सामने नहीं आए हैं। इन सीटों को लेकर पार्टी नेतृत्व के स्तर पर मंथन जारी है और जल्द ही उम्मीदवारों की घोषणा किए जाने की संभावना है।

बेटे को मारने आए बदमाशों ने पिता को गोलियों से भूना

गुरुग्राम (ईएमएस): हरियाणा के गुरुग्राम में आपसी रंजिश ने एक बार फिर खूनी खेल खेला है। एक किशोर की पुरानी हत्या का बदला लेने की फिराक में आए तीन हमलावरों ने अपने असली निशाने, यानी बेटे की जगह उसके पिता की ही गोली मारकर निर्मम हत्या कर दी। इस घटना से इलाके में दहशत फैल गई है और पुलिस मामले की गहन जांच में जुट गई है। यह दिल दहला देने वाली वारदात बसई गांव में हुई। महेंद्र (४०) अपने बेटे साहिल के साथ मोटरसाइकिल पर जा रहे थे, तभी मोटरसाइकिल पर सवार तीन हथियारबंद युवकों ने उन्हें रोका। इससे पहले कि महेंद्र या साहिल कुछ समझ पाते, हमलावरों में से एक ने अपनी पिस्तौल निकाली और महेंद्र के पेट पर गोली मार दी। घटना को अंजाम देने के बाद तीनों हमलावर मौके से फरार हो गए। गंभीर रूप से घायल महेंद्र को तुरंत अस्पताल ले जाया गया, जहाँ चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

भागलपुर में बाढ़ का अटैकः दो तटबंध टूटे, कई गांवों पर खतरा

पटना (ईएमएस): बिहार में बाढ़ की गंभीर होती स्थिति के बीच भागलपुर जिले में मुश्किलें लगातार बढ़ती जा रही हैं। जिले में दो अलग-अलग स्थानों पर तटबंध टूटने की सूचना मिली है, जिससे कई गांवों पर बाढ़ का खतरा मंडरा रहा है और स्थानीय प्रशासन के लिए चुनौती बढ़ गई है। पहली घटना नवगछिया के रंगरा चौक प्रखंड के बनिया गांव में हुई, जहाँ कोसी नदी के बढ़ते जलस्तर और तेज दबाव के कारण पुरानी रेलवे लाइन तटबंध का लगभग १५ मीटर हिस्सा टूट गया। इस तटबंध के टूटने के बाद कोसी का पानी अत्यधिक वेग के साथ आसपास के मैदानी इलाकों में फैलना शुरू हो गया है। इससे साधोपुर, मसुदनपुर, बैसी, भवानीपुर और बनिया जैसे कई गांवों पर बाढ़ का सीधा खतरा उत्पन्न हो गया है। स्थानीय निवासी भयभीत हैं और प्रशासन लगातार स्थिति पर नजर बनाए हुए है।

दूसरी घटना नवगछिया के गोपालपुर प्रखंड में सामने आई, जहाँ ब्रह्मोत्तर बांध का लगभग १० मीटर हिस्सा ध्वस्त हो गया। स्थानीय लोगों के अनुसार, यह घटना देर रात आई तेज आंधी और भारी बारिश के कारण हुई। इस बांध के टूटने के तुरंत बाद बचाव और राहत कार्य तेजी से शुरू कर दिए गए हैं। प्रशासन और स्थानीय स्वयंसेवक मिलकर स्थिति को नियंत्रित करने का प्रयास कर रहे हैं। गौरतलब है कि ब्रह्मोत्तर बांध पर चार दिन पहले भी रिसाव की सूचना मिली थी, जिसके बाद से ही इसकी कमजोर स्थिति को लेकर चिंता बनी हुई थी। अब इसका बड़ा हिस्सा टूटने से गोपालपुर की बड़ी आबादी के प्रभावित होने की आशंका बढ़ गई है, जिससे ग्रामीणों की बेचैनी और अधिक बढ़ गई है। दोनों घटनाएं अलग-अलग कारणों से हुई हैं- एक कोसी नदी के प्रबल दबाव से, तो दूसरी आंधी-बारिश के बाद। इन दोहरे तटबंध टूटने से भागलपुर में बाढ़ का संकट और गहरा गया है। कोसी के तेज बहाव और लगातार बदल रही बाढ़ की स्थिति को देखते हुए, आसपास के गांवों में रहने वाले लोगों की सुरक्षा और विस्थापन एक बड़ी चिंता बन गई है। प्रशासन को अब इन दोनों मोर्चों पर एक साथ काम करते हुए, प्रभावित क्षेत्रों से लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुँचाने और क्षति को न्यूनतम करने के लिए तत्काल कदम उठाने होंगे।

आकाश के निष्कासन पर बसपा में बगावत, पूर्व प्रत्याशी ने भी छोड़ी पार्टी

लखनऊ (ईएमएस): बसपा में आकाश आनंद को पार्टी से बाहर किए जाने के बाद मऊ में भी सियासी हलचल तेज हो गई है। आकाश आनंद को पार्टी से निकाले जाने से आहत होकर मुहम्मदाबाद गोहना विधानसभा क्षेत्र (सुरक्षित) से वर्ष २०२२ में बसपा प्रत्याशी रहे धर्म सिंह गौतम ने पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने पार्टी नेतृत्व के फैसले पर सवाल उठाते हुए कहा कि आकाश आनंद को बार-बार पार्टी में शामिल करना और फिर बाहर कर देना युवा पीढ़ी के बीच भ्रम की स्थिति पैदा कर रहा है। धर्म सिंह गौतम ने कहा कि आकाश आनंद एक युवा नेता हैं और उन्होंने पार्टी की विचारधारा को आगे बढ़ाने के लिए लगातार प्रयास किए। इसके बावजूद उनके साथ बार-बार ऐसा व्यवहार किया गया, जिसे वह समझ नहीं पा रहे हैं। उन्होंने यह भी बताया कि आकाश आनंद को पहले भी कई बार पार्टी से निकाला गया और बाद में उन्हें वापस पार्टी में लिया गया, जिससे पार्टी के कार्यकर्ताओं और खासकर युवा पीढ़ी में निराशा पैदा हो रही है।

धर्म सिंह गौतम ने बताया कि हालिया घटनाक्रम ने उन्हें बेहद आहत किया है। उनके अनुसार, आकाश आनंद ने एक दिन पहले सोशल मीडिया पर संकेत दिया था कि यदि उनके ससुर राजनीति और पार्टी से इस्तीफा देते हैं तो उन्हें स्वतंत्र रूप से अपना रास्ता चुनने की छूट दी जाएगी। इसके बाद जब उनके ससुर ने इस्तीफा देकर सक्रिय राजनीति से संन्यास लेने की घोषणा की, तो अगले ही दिन बसपा नेतृत्व की ओर से आकाश आनंद को पार्टी से बाहर किए जाने की जानकारी सामने आई।

ब्रिक्स में गूंजेगा बिहार का देसी स्वाद अतिथि चखेंगे सत्तू और मखाना

नई दिल्ली (ईएमएस): दुनिया के बड़े मंच ब्रिक्स समिट में इस बार बिहार का देसी स्वाद अपनी अलग पहचान बनाने जा रहा है। विदेशी मेहमानों को न सिर्फ बिहार का सत्तू चखने को मिलेगा, बल्कि मखाने के साथ बिहारी स्वाद की सौगात घर ले जाने का मौका भी मिलेगा। भारत सरकार ने इस बार मीडिया किट के जरिए देश की विविधता और राज्यों की खासियत दुनिया के सामने रखने की तैयारी की है। विदेश मंत्रालय के ओएसडी वासुदेव रवि ने इसे 'इंडिया स्टोरी' दिखाने की कोशिश बताया है।

ब्रिक्स समिट में इस बार सिर्फ कूटनीति और वैश्विक मुद्दों की चर्चा नहीं होगी, बल्कि भारत के अलग-अलग राज्यों के स्वाद और हुनर की झलक भी देखने को मिलेगी। खास बात यह है कि बिहार का सत्तू और मखाना विदेशी मेहमानों के बीच आकर्षण का केंद्र बनेगा। समिट में आने वाले अंतरराष्ट्रीय मीडिया और मेहमानों को बिहार के इन पारंपरिक उत्पादों से रूबरू कराया जाएगा।

यूपी में 49 नई रेल परियोजनाएं, सीतापुर-बुढ़वल तक तीसरी-चौथी लाइन को मिली मंजूरी

सीतापुर (ईएमएस): पूर्वोत्तर रेलवे में सीतापुर से बुढ़वल तक तीसरी और चौथी रेल लाइन को मंजूरी मिली है, जिससे उत्तरप्रदेश में रेल संपर्क को अभूतपूर्व मजबूती मिलेगी। रेल मंत्रालय ने राज्य के लिए कुल ४९ रेल परियोजनाएं स्वीकृत की हैं, जिनकी कुल लंबाई ३,८०७ किलोमीटर और अनुमानित लागत ६२,३६० करोड़ रुपये है।

पूर्वोत्तर रेलवे का उच्च यातायात घनत्व वाला सीतापुर-बुढ़वल-गोंडा-गोरखपुर-भटनी-छपरा नेटवर्क में विस्तार होगा। इन मार्गों पर तीसरी रेल लाइन का निर्माण तेज गति से चल रहा है, वहीं चौथी लाइन के लिए भी सर्वेक्षण के साथ निर्माण कार्य आरंभ हो गया है।

लखनऊ मंडल में गोंडा कचहरी से बुढ़वल के बीच ५५.७५ किलोमीटर रेलमार्ग पर पूर्वोत्तर रेलवे की पहली चौथी रेल लाइन का निर्माण होगा। रेलवे बोर्ड ने इसके लिए ७९६.३० करोड़ रुपये का बजट स्वीकृत किया है, जिसमें सरयू नदी (घाघरा) पर १०३७ मीटर लंबे पुल का निर्माण शामिल है। इसके अतिरिक्त, डोमिनगढ़ से खलीलाबाद के बीच ३० किलोमीटर चौथी रेल लाइन के सर्वेक्षण को मंजूरी मिली है, और मनकापुर से खलीलाबाद तक ८८ किलोमीटर पर तीसरी और चौथी लाइन बिछाने की प्रक्रिया शुरू हो गई है।

यह व्यापक विस्तार रेल मंत्रालय की देश के सात हाई-डेंसिटी रेल कॉरिडोर को चरणबद्ध तरीके से फोर लेन बनाने की महत्वाकांक्षी योजना का हिस्सा है, जिसमें दिल्ली-मुंबई, दिल्ली-हावड़ा और दिल्ली-गुवाहाटी जैसे प्रमुख मार्ग शामिल हैं। पूर्वोत्तर रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी सुमित कुमार ने पुष्टि की है कि सीतापुर से बुढ़वल तक तीसरी और चौथी लाइन का कार्य स्वीकृत हो चुका है, जबकि बुढ़वल से गोंडा तक तीसरी लाइन पहले ही चालू हो चुकी है। शेष खंडों का सर्वेक्षण जारी है।

पीएम मोदी के नेतृत्व में ब्रिक्स में भारत की धमक : सुधांशु त्रिवेदी

नई दिल्ली (ईएमएस): भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता और राज्यसभा सांसद सुधांशु त्रिवेदी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में बीते १२ सालों में भारत ब्रिक्स समूह का अहम और प्रभावशाली सदस्य बनकर उभरा है। राज्यसभा सांसद त्रिवेदी ने बदलते वैश्विक परिदृश्य में इस समूह के महत्व पर जोर दिया, खासकर इस तरह के समय में जब दुनिया के कई हिस्सों में संघर्ष जारी हैं। राज्यसभा सांसद त्रिवेदी ने इस पर गर्व व्यक्त किया कि भारत इस महत्वपूर्ण शिखर सम्मेलन की मेजबानी कर रहा है, और संगठन में देश की स्थिति में आए उल्लेखनीय बदलाव को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि २०१४ से पहले, भारत को ब्रिक्स के भीतर एक कमजोर और कम महत्वपूर्ण सदस्य के रूप में देखा जाता था, जिसकी निरंतर भागीदारी पर भी सवाल उठते थे। हालांकि, प्रधानमंत्री मोदी के सशक्त नेतृत्व में, भारत ने अब खुद को एक महत्वपूर्ण खिलाड़ी के रूप में स्थापित किया है, जो अन्य ब्रिक्स देशों के साथ सक्रिय रूप से सहयोग कर रहा है।

एससी-एसटी एक्ट मुआवजे में गड़बड़ी की आशंका

एक ही परिवार को 23 लाख 0 अब पूरे उत्तर प्रदेश में होगी जांच

प्रयागराज (ईएमएस): इलाहाबाद हाईकोर्ट ने अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति अत्याचार निवारण अधिनियम, १९८९ (एससी-एसटी एक्ट) के तहत पीड़ितों को दी जाने वाली आर्थिक राहत राशि से जुड़े एक महत्वपूर्ण मामले में बड़ा फैसला सुनाया है। कोर्ट ने न केवल पीड़ितों के अधिकारों की पुष्टि की, बल्कि योजना के संभावित दुरुपयोग को लेकर पूरे उत्तर प्रदेश में जांच के आदेश भी दिए हैं। जस्टिस संतोष राय की एकल पीठ ने झांसी के अरविंद कुमार व दो अन्य और संतोष कुमार धोहरे की आपराधिक अपीलों की सुनवाई करते हुए यह आदेश दिया। ये दोनों मामले झांसी की विशेष न्यायाधीश (एससी-एसटी एक्ट, अत्याचार निवारण) अदालत के २३ जुलाई २०२४ के फैसले के खिलाफ दाखिल किए गए थे। कोर्ट के संज्ञान में आया कि संतोष कुमार धोहरे के एक ही परिवार को विभिन्न आपराधिक मामलों में अब तक २३ लाख ३६ हजार २५० रुपये से अधिक का मुआवजा दिया जा चुका है, जबकि लगभग १० से १२ और मामले जिला स्तरीय समिति के समक्ष लंबित हैं।

अपीलकर्ताओं का कहना था कि विवेचक द्वारा प्रत्येक पीड़ित को २ लाख रुपये की राहत राशि का प्रस्ताव भेजा गया था, जिसके तहत चार्जशीट दाखिल होने तक ७५ प्रतिशत यानी १ लाख ५० हजार रुपये मिलने चाहिए थे, लेकिन जिला समाज कल्याण अधिकारी, झांसी ने मनमाने ढंग से केवल ३७.५ प्रतिशत यानी ७५ हजार रुपये ही जारी किए। बार-बार प्रत्यावेदन देने के बावजूद बकाया राशि नहीं दी गई, जिसके बाद अपीलकर्ताओं ने विशेष न्यायाधीश की अदालत में आवेदन दिया था, जिसे निचली अदालत ने खारिज कर दिया था। हाईकोर्ट ने पाया कि निचली अदालत ने नियम १२(७) की व्याख्या में गलती की। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि यह नियम विशेष न्यायालय को केवल औपचारिकता निभाने वाला निकाय नहीं बनाता, बल्कि उसे यह अधिकार भी देता है कि वह जांच करे कि पीड़ित को समय पर पर्याप्त राहत मिली या नहीं, और यदि नहीं मिली तो बकाया राशि के भुगतान का आदेश दे। कोर्ट ने कहा कि निचली अदालत का यह मानना गलत था कि उसे अपराध की प्रकृति तय करने या राशि बढ़ाने का अधिकार नहीं है।

सुनवाई के दौरान राज्य सरकार की ओर से संतोष कुमार धोहरे के परिवार को मिली २३ लाख रुपये से अधिक की राहत राशि और लंबित मामलों की जानकारी दी गई। इस पर कोर्ट ने कहा कि बार-बार मामले दर्ज कराना अपने आप में दुरुपयोग साबित नहीं करता, लेकिन इतनी बड़ी संख्या और राशि को अनदेखा भी नहीं किया जा सकता। कोर्ट ने इसे जांच योग्य पैटर्न बताया।

भागलपुर में भाजपा नेता की दिनदहाड़े हत्या, सिर में गोली लगने से मौत

भागलपुर (एजेंसी) : बिहार के भागलपुर में शुक्रवार को दिनदहाड़े भाजपा से जुड़े नेता उमा भूषण तांती की गोली मारकर हत्या कर दी गई। बबरगंज थाना क्षेत्र के कुतुबगंज इलाके में हुई इस वारदात के बाद पूरे क्षेत्र में हड़कंप मच गया। बताया गया कि उमा भूषण तांती के सिर में गोली मारी गई थी। घटना की सूचना मिलते ही परिजन और आसपास के लोग मौके पर पहुंचे। गंभीर हालत में उन्हें मायागंज अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने जांच के बाद मृत घोषित कर दिया।

उमा भूषण तांती भाजपा में मंडल अध्यक्ष के पद पर कार्यरत थे। दिनदहाड़े हुई इस हत्या की खबर फैलते ही इलाके में लोगों के बीच आक्रोश का माहौल बन गया। घटना के बाद पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। हालांकि, अब तक पुलिस की ओर से हत्या की आधिकारिक वजह स्पष्ट नहीं की गई है। पुलिस हत्या के कारण और इसमें शामिल लोगों के बारे में जानकारी जुटा रही है।

काली पूजा के चंदे के विवाद से जुड़ा मामला?

भागलपुर में भाजपा नेता उमा भूषण तांती की हत्या के पीछे काली पूजा के लिए चंदा लेने को लेकर हुआ विवाद बताया जा रहा है। जानकारी के अनुसार, चंदा लेने को लेकर कुछ लोगों के बीच विवाद हुआ था। इसी विवाद के बाद उमा भूषण तांती की गोली मारकर हत्या किए जाने की बात सामने आ रही है। हालांकि, चंदे के विवाद को ही हत्या की वजह मानना अभी जल्दबाजी होगी। पुलिस ने इस संबंध में अभी कोई आधिकारिक कारण नहीं बताया है। इसलिए हत्या के पीछे वास्तविक वजह क्या थी, यह पुलिस की जांच पूरी होने के बाद ही स्पष्ट हो सकेगा। पुलिस इस बात की भी पड़ताल कर रही है कि वारदात के पीछे कोई पुराना विवाद या रंजिश थी या नहीं।

गोली लगने के बाद आसपास मौजूद लोगों ने उमा भूषण तांती को इलाज के लिए मायागंज अस्पताल पहुंचाया। वहां चिकित्सकों ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। भाजपा नेता की मौत की खबर मिलते ही अस्पताल में परिजनों और परिचितों की भीड़ जुट गई।पिता की हत्या की खबर सुनकर उनकी बेटी भी अस्पताल पहुंची। अस्पताल पहुंचने के बाद पिता का शव देखते ही वह उससे लिपटकर रोने लगी। इस दृश्य के बाद अस्पताल परिसर में भी माहौल गमगीन हो गया। परिवार के लोगों का रो-रोकर बुरा हाल था।

घटना की जानकारी मिलने के बाद भाजपा विधायक रोहित पांडेय भी अस्पताल पहुंचे। सिटी एसडीपीओ भी मौके पर पहुंचे और मामले की जानकारी ली। पुलिस की ओर से घटना से जुड़े तथ्यों को जुटाने का काम शुरू कर दिया गया है।

हत्याकांड में पुलिस के सामने कई सवाल

भाजपा नेता उमा भूषण तांती की दिनदहाड़े गोली मारकर हत्या ने पुलिस के सामने कई सवाल खड़े कर दिए हैं। सबसे बड़ा सवाल यही है कि वारदात को अंजाम देने वाला कौन था और उसने उमा भूषण तांती को निशाना क्यों बनाया। इसके साथ ही यह भी जांच का विषय है कि क्या काली पूजा के चंदे को लेकर हुआ विवाद ही हत्या की वजह बना या इसके पीछे कोई दूसरी वजह थी। पुलिस इस मामले में हत्या की वजह और वारदात में शामिल लोगों की पहचान करने में जुटी है। कुतुबगंज इलाके में हुई इस गोलीकांड के बाद लोगों में भी आक्रोश है। दिनदहाड़े भाजपा नेता की हत्या से इलाके की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर भी सवाल उठने लगे हैं।

झारखंड में रह रहे दूसरे राज्यों में जन्मे मतदाताओं के दस्तावेज भी मान्य

मौजूदा एसआईआर में अर्हता तिथि एक अक्टूबर 2026 : सीईओ

रांची (एजेंसी): झारखंड में चल रहे विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) में दूसरे राज्यों में जन्मे या पूर्व में वहां निवास कर चुके मतदाताओं को आयु और जन्म स्थान के सत्यापन के लिए झारखंड से जारी दस्तावेज ही प्रस्तुत करने की बाध्यता नहीं होगी। संबंधित राज्य से जारी भारत निर्वाचन आयोग द्वारा एसआईआर के लिए मान्य दस्तावेज भी स्वीकार किए जाएंगे।

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के. रवि कुमार ने कहा कि मतदाता सूची में नाम शामिल होने के लिए व्यक्ति का भारतीय नागरिक होना, संबंधित निर्वाचन क्षेत्र का सामान्य निवासी होना और निर्धारित अर्हता तिथि पर १८ वर्ष की आयु पूरी करना जरूरी है। मौजूदा एसआईआर में अर्हता तिथि १ अक्टूबर २०२६ है। दावा-आपत्ति और सुनवाई के दौरान यदि किसी मतदाता को आयु, जन्म स्थान अथवा अन्य विवरणों के सत्यापन के लिए नोटिस मिलता है, तो वह अपने संबंधित राज्य से जारी मान्य दस्तावेज प्रस्तुत कर सकता है। इसके लिए दस्तावेज का झारखंड से निर्गत होना जरूरी नहीं है।

दे सकते हैं वंशावली, खतियान और शैक्षणिक दस्तावेज

जन्म स्थान, आयु अथवा पारिवारिक संबंधों के सत्यापन के लिए वंशावली, सक्षम पदाधिकारी द्वारा जारी पारिवारिक सूची, खतियान, शैक्षणिक दस्तावेज समेत एसआईआर के लिए निर्धारित अन्य मान्य दस्तावेज प्रस्तुत किए जा सकते हैं। इन दस्तावेजों का परीक्षण संबंधित निर्वाचन निबंधन पदाधिकारी निर्धारित प्रक्रिया के तहत करेंगे।

नोटिस मिलने वाले मतदाताओं से निर्धारित समय पर सुनवाई में उपस्थित होकर उपलब्ध दस्तावेज प्रस्तुत करने को कहा गया है। निर्वाचन पदाधिकारियों को भी प्रत्येक मामले में दस्तावेजों की नियमानुसार जांच कर पात्रता पर निर्णय लेने का निर्देश दिया गया है।

निर्वाचन विभाग का जोर इस बात पर है कि कोई पात्र भारतीय नागरिक मतदाता सूची से वंचित न हो और किसी अपात्र अथवा विदेशी व्यक्ति का नाम सूची में शामिल न रहे।

ग्रामीण अर्थव्यवस्था मजबूत हुए बिना समावेशी विकास संभव नहीं : दीपिका पांडेय सिंह

रांची (एजेंसी): ग्रामीण विकास मंत्री दीपिका पांडेय सिंह ने शुक्रवार को रांची में नाबार्ड की ओर से आयोजित 'ग्रामीण भारत महोत्सव-क्लासिक एक्सपो २०२६' के छठे संस्करण का उद्घाटन किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सशक्त किए बिना समावेशी विकास संभव नहीं है। ग्रामीण क्षेत्रों में तैयार होने वाले उत्पादों को बाजार उपलब्ध कराना और उत्पादकों को उनके मेहनत का उचित मूल्य दिलाना जरूरी है।

मंत्री ने कहा कि कृषि के साथ ग्रामीण परिवारों के लिए आय के अतिरिक्त स्रोत विकसित करना जरूरी है। इससे परिवार आर्थिक रूप से मजबूत होंगे और बच्चों की शिक्षा, स्वास्थ्य समेत जीवन स्तर में सुधार आएगा। उन्होंने कहा कि बुनकरों, कारीगरों और महिला समूहों को केवल प्रशिक्षण देना पर्याप्त नहीं है, बल्कि उन्हें बाजार से जोड़ना भी जरूरी है।

उन्होंने कहा कि कई बार गांवों में तैयार उत्पाद बड़े शहरों में कई गुना अधिक कीमत पर बिकते हैं। ऐसे में उत्पाद से होने वाले मुनाफे का उचित हिस्सा उस कारीगर और बुनकर तक पहुंचना चाहिए, जिसकी मेहनत से उत्पाद तैयार हुआ है। ग्रामीण भारत महोत्सव जैसे आयोजन उत्पादकों को सीधे खरीदारों से जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। बायर्स-सेलर्स मीट के माध्यम से ग्रामीण उत्पादकों को बड़े बाजार की मांग और कीमत की जानकारी भी मिलती है।

दीपिका पांडेय सिंह ने ग्रामीण उद्यमियों के लिए आसान और पर्याप्त ऋण की जरूरत पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा कि बड़े उद्योगों की तरह ग्रामीण उद्यमियों और महिला समूहों को भी वित्तीय सहयोग मिलना चाहिए। झारखंड में ग्रामीण विकास विभाग और जेएसएलपीएस के माध्यम से महिला समूहों को स्वरोजगार, प्रशिक्षण, वित्तीय अवसर और बाजार से जोड़ने का काम किया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि झारखंड के ग्रामीण हुनर, महिलाओं की मेहनत और स्थानीय उत्पादों को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय बाजार तक पहुंचाना सरकार की प्राथमिकताओं में शामिल है। एक्सपो में देशभर से आए बुनकरों, कारीगरों और महिला समूहों ने हैंडलूम, हस्तशिल्प, आर्ट एंड क्राफ्ट समेत विभिन्न ग्रामीण उत्पादों के स्टॉल लगाए हैं। झारखंड की सिल्क साड़ियां और हस्तशिल्प विशेष आकर्षण का केंद्र हैं। उद्घाटन के बाद मंत्री ने विभिन्न स्टॉलों का निरीक्षण कर उत्पादकों से बातचीत की।

जेपीएससी 14वीं परीक्षा धांधली में श्वेता गुप्ता की बढ़ीं मुश्किलें

जमानत पर सुनवाई के बाद कोर्ट ने फैसला सुरक्षित रखा

रांची (एजेंसी): झारखंड लोक सेवा आयोग (जेपीएससी) की १४वीं प्रारंभिक परीक्षा में धांधली और फर्जीवाड़े के मामले में बड़ी खबर आई है। आयोग की पूर्व उप परीक्षा नियंत्रक श्वेता कुमारी गुप्ता की जमानत अर्जी पर अदालत में बहस पूरी हो गई है। रांची के अपर न्यायायुक्त योगेश कुमार की अदालत ने दोनों पक्षों की दलीलें सुनीं। इसके बाद अदालत ने अपना फैसला सुरक्षित रख लिया है।

२२ जुलाई से हैं जेल में

अब सभी की निगाहें कोर्ट के आने वाले फैसले पर टिकी हैं। इस मामले की जांच कर रही सीआईडी ने २२ जुलाई को श्वेता कुमारी गुप्ता को गिरफ्तार किया था। गिरफ्तारी के बाद उन्हें जेल भेज दिया गया था। जांच एजेंसी उनसे लगातार पूछताछ कर रही है। सीआईडी यह जानने की कोशिश कर रही है कि परीक्षा में अनियमितता कराने में उनकी क्या भूमिका थी। जांच में यह बात भी सामने आई है कि दूसरे विभाग में तबादला होने के बाद भी वह जेपीएससी में ही काम कर रही थीं। पुलिस इस बिंदु पर भी गंभीरता से पड़ताल कर रही है।

कार्रवाई का बढ़ा दायरा, कई बड़े चेहरे गिरफ्त में

१४वीं जेपीएससी फर्जीवाड़ा मामले में जांच का दायरा लगातार बढ़ता जा रहा है। सीआईडी इस पूरे नेटवर्क को बेनकाब करने में जुटी है। इस मामले में अब तक पूर्व अध्यक्ष एल. खियांगते समेत दो दर्जन से ज्यादा लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है। सीआईडी आरोपियों को रिमांड पर लेकर पूछताछ कर रही है। जांच एजेंसी का दावा है कि पूछताछ में परीक्षा धांधली से जुड़े कई बड़े और अहम सबूत मिले हैं।

मामले की शुरुआत २१ जुलाई से हुई थी। रांची पुलिस और सीआईडी की टीम ने जेपीएससी दफ्तर में अचानक छापेमारी की थी। छापेमारी के दौरान पुलिस के हाथ परीक्षा से जुड़े कई अहम दस्तावेज और जरूरी सामान लगे थे। इसके बाद से ही इस मामले में ताबड़तोड़ कार्रवाई जारी है।

मांस कारोबार पर अब नगर निकाय की मुहर जरूरी

एनओसी के बिना नहीं चलेगा बूचड़खाना और मीट शॉप

रांची (एजेंसी): झारखंड में मांस और मांस उत्पादों के कारोबार को अब मनमाने ढंग से संचालित करना आसान नहीं होगा। नगर विकास एवं आवास विभाग ने मांस एवं मांस उत्पादों के निर्माण, प्रसंस्करण, भंडारण और बिक्री से जुड़े कारोबार के लिए वर्ष २०२६ की नई नगर निकाय नियमावली अधिसूचित कर दी है। कैबिनेट से मंजूरी के बाद जारी नियमावली के तहत नगर निकाय क्षेत्र में बूचड़खाना, पशु वध स्थल, मांस प्रसंस्करण इकाई या मांस की दुकान संचालित करने से पहले स्थानीय निकाय से अनापत्ति प्रमाणपत्र (एनओसी) लेना अनिवार्य होगा। एनओसी के बिना खाद्य कारोबार का लाइसेंस नहीं मिल सकेगा।

नई व्यवस्था में नगर निकाय अपने क्षेत्र में बिक्री के लिए पशुओं के वध का स्थान निर्धारित करेगा। निर्धारित स्थल के बाहर बिक्री के उद्देश्य से पशु वध नहीं किया जा सकेगा। इसी तरह मांस की दुकानों के लिए भी नगर निकाय स्थान तय करेगा। यानी केवल व्यावसायिक परिसर होना पर्याप्त नहीं होगा, दुकान निर्धारित क्षेत्र में ही होनी चाहिए। नियमावली के अनुसार बूचड़खाना या वध स्थल सब्जी, मछली और अन्य खाद्य बाजारों से अलग होना चाहिए। वहां दुर्गंध, धुआं, धूल और अन्य प्रदूषकों से मुक्त वातावरण सुनिश्चित करना होगा। खाद्य सुरक्षा एवं मानक संबंधी प्रावधानों के साथ पशु क्रूरता निवारण (स्लॉटर हाउस) नियम, २००१ का पालन भी जरूरी होगा।

एनओसी से पहले होगा स्थल निरीक्षण

एनओसी के लिए संबंधित व्यक्ति को निर्धारित प्रपत्र में स्थानीय निकाय के पास आवेदन करना होगा। दस्तावेजों की जांच के बाद अधिकृत निरीक्षण दल प्रस्तावित स्थल का मौके पर निरीक्षण करेगा। टीम अपनी रिपोर्ट और अनुशंसा देगी। इसके बाद ही एनओसी जारी होगी। केवल नगर निकाय द्वारा पशु वध के लिए निर्धारित स्थान के भीतर आने वाले परिसरों को ही एनओसी दी जाएगी।

शिक्षिका मुन्नी कुमारी के निधन पर आक्रोश, 23 महीने के बकाया वेतन को लेकर उठे सवाल

रांची (एजेंसी): रांची विश्वविद्यालय के मारवाड़ी कॉलेज के हिंदी विभाग में कार्यरत अतिथि शिक्षिका मुन्नी कुमारी के हैदराबाद में इलाज के दौरान हुए असामयिक निधन पर झारखंड अतिथि शिक्षक संघ के द्वारा गहरा शोक व्यक्त किया गया है। उनके निधन से झारखंड के समस्त अतिथि शिक्षक समुदाय में गहरा आक्रोश और शोक है। संघ के अध्यक्ष अरविंद प्रसाद ने कहा कि मुन्नी कुमारी ने एक शिक्षिका के रूप में पूरी निष्ठा और ईमानदारी के साथ अपनी सेवाएं दीं, लेकिन बहुत ही दुर्भाग्यपूर्ण है कि उनके निधन के समय तक उन्हें २३ महीने के बकाया वेतन का भुगतान नहीं किया गया।

इलाज के इंतजार में चली गई शिक्षिका की जान?

उन्होंने कहा कि रांची विश्वविद्यालय एवं राज्य सरकार की लापरवाही के कारण एक शिक्षिका को अपने मेहनत की कमाई के लिए लंबे समय तक इंतजार करना पड़ा। अगर समय पर वेतन का भुगतान किया गया होता तो वो समय रहते अपना समुचित इलाज करा पाती। इससे भी ज्यादा पीड़ादायक स्थिति ये है कि आज मुन्नी कुमारी हमारे बीच नहीं हैं, लेकिन उनके परिवार को अभी भी उनके मेहनत की कमाई के २३ महीने के बकाया वेतन के लिए इंतजार करना पड़ रहा है।अरविंद प्रसाद ने कहा कि मिली हुई जानकारी के अनुसार राज्य सरकार ने ०७ अगस्त २०२६ को उच्च न्यायालय में भुगतान के लिए राशि जमा कर दी है, लेकिन न्यायालय में लंबित प्रक्रिया के कारण अभी तक उक्त राशि का भुगतान दिवंगत शिक्षिका के परिवार को नहीं हो पाया है।

23 माह के बकाया वेतन के भुगतान की मांग

झारखंड अतिथि शिक्षक संघ माननीय उच्च न्यायालय से विनम्र आग्रह करता है कि मामले में आवश्यक न्यायिक प्रक्रिया को जल्द से जल्द पूरा करते हुए दिवंगत मुन्नी कुमारी के २३ माह के बकाया वेतन का भुगतान उनके वैध आश्रितों को जल्द से जल्द सुनिश्चित किया जाए।संघ अध्यक्ष ने कहा कि मुन्नी कुमारी का निधन केवल उनके परिवार की व्यक्तिगत क्षति नहीं है, बल्कि ये पूरे अतिथि शिक्षक समुदाय के लिए अपूरणीय क्षति है। एक शिक्षिका द्वारा दी गई सेवाओं का पारिश्रमिक उसके जीवनकाल में नहीं मिल पाना और मृत्यु के बाद भी परिवार का उसके लिए इंतजार करना राज्य की झारखंड के उच्च शिक्षा की लचर व्यवस्था को दर्शाती है,जो की अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है।झारखंड अतिथि शिक्षक संघ इस दु:ख की घड़ी में दिवंगत मुन्नी कुमारी के परिवार के साथ पूरी संवेदना और मजबूती के साथ खड़ा है। ईश्वर दिवंगत आत्मा को शांति प्रदान करें तथा शोकाकुल परिवार को इस अपार दु:ख को सहने की शक्ति दें।

15 दिनों के भीतर कार्य शुरू नहीं करने वाले संवेदकों पर होगी कार्रवाई : योगेंद्र प्रसाद

रांची (एजेंसी): राज्य में जलापूर्ति योजनाओं की धीमी रफ्तार पर पेयजल एवं स्वच्छता मंत्री योगेंद्र प्रसाद ने कड़ा रुख अपनाया है। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिया है कि जिन योजनाओं में अब तक काम शुरू नहीं हुआ है, उनमें १५ दिनों के भीतर कार्य प्रारंभ कराया जाए। तय समय में काम शुरू नहीं करने वाले संवेदकों के खिलाफ नियमसंगत कार्रवाई की जाएगी। वहीं योजनाओं के क्रियान्वयन में लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों की भी जवाबदेही तय होगी।

मंत्री ने शुक्रवार को नेपाल हाउस स्थित विभागीय कांफ्रेंस हॉल में धनबाद अंचल के अंतर्गत तेनुघाट बहु-ग्रामीण एवं एकल ग्रामीण जलापूर्ति योजनाओं की समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को लंबित कार्यों में तेजी लाने और योजनाओं को निर्धारित समय में पूरा कराने का निर्देश दिया। साथ ही राज्यस्तरीय उच्चस्तरीय टीम गठित कर योजनाओं का स्थल निरीक्षण और विस्तृत समीक्षा कराने को कहा। उन्होंने अधिकारियों को केवल कार्यालय में बैठकर समीक्षा करने के बजाय क्षेत्र में जाकर योजनाओं की वास्तविक स्थिति जांचने का निर्देश दिया। ग्रामीणों से सीधे संवाद कर पेयजल से जुड़ी शिकायतों का तत्काल समाधान करने को भी कहा। मंत्री ने कहा कि जल जीवन मिशन का लक्ष्य प्रत्येक ग्रामीण परिवार तक सुरक्षित और नियमित पेयजल पहुंचाना है। इसमें किसी तरह की शिथिलता बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

गोमिया क्षेत्र की योजनाओं पर विशेष नजर

बैठक में गोमिया विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत आने वाली सभी जलापूर्ति योजनाओं की भौतिक प्रगति, भुगतान की स्थिति, स्थल निरीक्षण और ग्रामीणों से संवाद के साथ घरेलू नल संयोजन की स्थिति की भी समीक्षा की गई। गोमिया में ५२,६८९ घरों में से ३५,१९१ घर नल जल से जुड़े हैं। कसमार में १८,५७४ में से ७,४९९, पेटरवार में ३२,६८७ में से २१,७९९, नावाडीह में २६,६२५ में से १४,४३७ और चंद्रपुरा में ११,१६२ में से ९,८३४ घरों में नल से जल पहुंच चुका है। मंत्री ने अधिकारियों को योजनाओं की नियमित निगरानी करने और जहां काम की रफ्तार धीमी है, वहां तत्काल कार्रवाई करने का निर्देश दिया।

बैठक में जल जीवन मिशन के अभियान निदेशक, अभियंता प्रमुख, मुख्य अभियंता, पीएमयू, मुख्य अभियंता सीडीओ, धनबाद के अधीक्षण अभियंता समेत चास और तेनुघाट प्रमंडल के कार्यपालक अभियंता, सहायक अभियंता एवं कनीय अभियंता मौजूद थे।

पूर्ववर्ती छात्र बिगाड़ रहे नेतरहाट आवासीय विद्यालय का माहौल : प्राचार्य

रांची (एजेंसी): देश के प्रतिष्ठित नेतरहाट आवासीय विद्यालय के प्राचार्य पद का विवाद थमने का नाम ही नहीं ले रहा है।

एक प्राचार्य संतोष कुमार का कहना है कि नेतरहाट विद्यालय के पूर्ववर्ती छात्र विद्यालय का माहौल बिगाड़ने में लगे हैं। वह इस विद्यालय का माहौल बिगाड़ने में नेतरहाट विद्यालय की तदर्थ समिति के सभापति बने राजकुमार और केदार नाथ का नाम भी गिनाते हैं। संतोष कुमार का कहना है कि सभापति द्वारा विद्यालय के कंप्यूटर साइंस टीचर रवि रंजन को प्रभारी प्राचार्य बनाया जाना नियमानुकूल नहीं है। सभापति ने रविरंजन को प्रभारी प्राचार्य बना दिया लेकिन उनके इस निर्णय पर तदर्थ समिति के अन्य सदस्यों की सहमति नहीं है।

स्कूल के एडमिनिस्ट्रेटिव अफसर रौशन कुमार भी यही तर्क देते हैं। मालूम हो कि द फॉलोअप ने ७ सितंबर को नेतरहाट आवासीय विद्यालय में प्राचार्य पद को लेकर जारी विवाद और झगड़े से जुड़ी खबर प्रकाशित की थी।

दुमका में ठगी का अनोखा तरीका, बेटे की जान का खौफ दिखाकर महिला के 10 लाख के गहने उड़ाए

दुमका (एजेंसी): शहर के व्यस्त इलाके में शातिर ठगों ने एक वृद्ध महिला को अपनी ठगी का शिकार बनाया। भागलपुर रोड की रहने वाली उषा सिंघानिया अपनी पोती को स्कूल से घर लाने गई थीं। होली चाइल्ड स्कूल के पास चार नकाबपोश बदमाश दो मोटरसाइकिलों पर सवार होकर आए। उन्होंने महिला को रोककर हाथ की लकीरें देखने का नाटक किया।

ठगों ने महिला को मानसिक रूप से डरा दिया। उसने दावा किया कि उनके बेटे पर बहुत बड़ा संकट आने वाला है। बदमाशों ने महिला से कहा कि अगर सही समय पर उपाय नहीं किया तो उसके बेटे की जान जा सकती है। अपने बेटे पर खतरे की बात सुनते ही महिला बेहद घबरा गई। इसी घबराहट का फायदा उठाकर ठगों ने महिला को पूरी तरह अपने जाल में फंसा लिया।

चमत्कार का नाटक रचकर उतरवाए जेवर, ५१ कदम चलते ही गायब हुए शातिर ठग

ठगों ने महिला का भरोसा जीतने के लिए एक सोची-समझी साजिश रची। एक ठग ने पानी मांगा और पानी पीते ही अपने दूसरे साथी से भगवान के दर्शन होने का झूठा दावा किया। बदमाशों ने महिला के सामने एक फर्जी खेल खेला। उन्होंने अपने ही साथी से जेब से दो हजार रुपये निकलवाए और उसे ५१ कदम चलकर वापस आने को कहा। जब वह युवक वापस लौटा तो ठगों ने उसे पैसे लौटा दिए।

यह सब देखकर महिला को उनकी बातों पर पूरा यकीन हो गया। इसके बाद ठगों ने महिला से सोने के सारे गहने उतारने को कहा। महिला ने अपने हाथों की अंगूठियां, चूड़ियां और भारी सोने की चेन उतारकर एक बैग में रख दी। ठगों ने बैग अपने पास रख लिया और महिला से ५१ कदम आगे बढ़कर वापस आने को कहा।

जैसे ही महिला ५१ कदम चलकर पीछे मुड़ी, दोनों बाइक सवार बदमाश बैग लेकर रफूचक्कर हो चुके थे। बैग में करीब १० लाख रुपये के गहने और एक महंगा मोबाइल फोन मौजूद था। महिला के होश उड़ गए और उसने तुरंत शोर मचाकर आसपास के लोगों को इकट्ठा किया।

घटना की सूचना तुरंत नगर थाना पुलिस को दी गई। सूचना मिलते ही पुलिस बल मौके पर पहुंचा और जांच-पड़ताल में जुट गया। नगर थाना प्रभारी अशोक राम ने बताया कि अज्ञात अपराधियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है। घटना स्कूल छूटने के समय हुई थी, इसलिए पुलिस आसपास की दुकानों और सड़कों पर लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाल रही है। आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए पूरे जिले में नाकेबंदी कर दी गई है।

देवघर में कार्बाइन मशीन गन लेकर निकला युवक, पुलिस ने दौड़ाकर दबोचा

देवघर (एजेंसी): पुलिस को एक बड़ी कामयाबी मिली है। पुलिस ने कुंडा थाना क्षेत्र के कोरियासा मैदान के पास छापेमारी की। इस दौरान एक अपराधी को गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने उसके पास से एक घातक कार्बाइन मशीन गन बरामद की है। इसके साथ ही दो मैगजीन और एक कीपैड मोबाइल भी मिला है।

गिरफ्तार आरोपी का नाम सूरज कुमार सिंह उम्र २८ वर्ष है। वह जसीडीह के रोहिणी परमेश्वर चौक का रहने वाला है। मूल रूप से वह बिहार का निवासी है। देवघर के एसपी प्रवीण पुष्कर ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में इस पूरे मामले का खुलासा किया।

जवानों ने उसे खदेड़कर पकड़ा

एसपी ने बताया कि पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी। सूचना थी कि कोरियासा मैदान के पास कुछ अपराधी हथियार बेचने आए हैं। जानकारी मिलते ही पुलिस ने एक विशेष टीम बनाई। टीम तुरंत मौके पर पहुंची। पुलिस को देखकर एक आरोपी भागने लगा। जवानों ने उसे खदेड़कर पकड़ लिया। जब आरोपी की तलाशी ली गई तो पुलिस हैरान रह गई। उसने अपनी गंजी के अंदर एक थैला छिपा रखा था। थैले की जांच करने पर काले रंग की कार्बाइन मशीन गन मिली। इसके बाद पुलिस ने उसे तुरंत गिरफ्तार कर लिया।

बालू कारोबारी दीपक झा भी हिरासत में, पुलिस कर रही पूछताछ

पूछताछ में आरोपी ने चौंकाने वाला खुलासा किया। उसने बताया कि यह कार्बाइन उसने मुंगेर से खरीदी थी। उसने यह हथियार बालू कारोबारी दीपक झा के लिए खरीदा था। पुलिस ने दीपक झा को भी हिरासत में ले लिया है। उससे कड़ाई से पूछताछ की जा रही है। दीपक ने दो साल पहले जसीडीह में बालू घाट का टेंडर लिया था। उस समय बाबा गिरोह के लोग उससे रंगदारी मांग रहे थे। गिरोह की धमकी से बचने के लिए दीपक ने सूरज से हथियार मंगवाया था। अब दीपक को इस कार्बाइन की जरूरत नहीं थी। इसलिए उसने सूरज को इसे बेचने के लिए कहा था।

दीपक से मिली जानकारी के आधार पर पुलिस छापेमारी कर रही है। पुलिस को अंदेशा है कि कुछ और हथियार छिपाकर रखे गए हैं। कुंडा थाना पुलिस अलग-अलग ठिकानों पर दबिश दे रही है। पकड़े गए आरोपी सूरज का पुराना आपराधिक रिकॉर्ड रहा है। वह पहले भी जेल की हवा खा चुका है। वर्ष २०१९ में देवीपुर थाने में उसके खिलाफ लूट का केस दर्ज हुआ था। उस मामले में वह जेल गया था। इसके अलावा बिहार के बांका में भी उस पर शराब तस्करी का मामला दर्ज है।

इस सफल ऑपरेशन में एसडीपीओ कुलदीप कुमार शामिल थे। जसीडीह थाना प्रभारी दीपक कुमार और कुंडा थाना प्रभारी प्रशांत कुमार ने भी मुख्य भूमिका निभाई। टीम में एएसआइ शिवयतन मुर्मू और तकनीकी शाखा के जवान मौजूद थे। चौकीदार अनिल मंडल और सच्चिदानंद मंडल ने भी अभियान में पूरा सहयोग दिया।

बारिश के दौरान बगीचा रहेगा एकदम हरा-भरा, इन बातों का रखें ध्यान

बालकनी में बैठ पकौड़े और चाय की चुस्कियों के साथ बारिश के मौसम का आनंद लेने का अलग ही मजा होता है। कई बार तो लोग मानसून के दौरान बाहर घूमने जाने का भी प्लान बना लेते हैं। छाता से लेकर रेनकोट हर चीज की व्यवस्था हम बारिश शुरू होने से पहले कर लेते हैं। लेकिन इस दौरान सबसे ज्यादा नुकसान छोटे और हल्के पौधों को पहुंचता है। वैसे तो बारिश का पानी प्राकृतिक रूप से पौधों की ग्रोथ करने में कारगर होते हैं। अगर बारिश के मौसम में ठीक से ख्याल रखा जाए तो हम अपने प्लांट को पूरे मौसम हरा-भरा रख सकते हैं। इस आर्टिकल में आज हम आपको उन छोटी-छोटी बातों के बारे में बताने जा रहे हैं,जिसकी मदद से आप इनकी केयर कर सकती हैं।

इन तरीके से करें बारिश में गार्डन और पौधों की देखभाल

- बारिश शुरू होने से पहले पौधों के नीचे वाली पत्तियों को तोड़कर हटा दें।
- इस मौसम में पौधों के गमले के ऊपर तक 3 भाग मिट्टी और 1 भाग गोबर की खाद को मिक्स करके भरें। ऐसा इसलिए क्योंकि अगर आप गमले का ऊपरी हिस्से खाली छोड़ देंगे तो इसमें पानी भर जाएगा और पौधे सड़ जाएंगे।
- 1 हफ्ते के अंतराल में पौधों पर होममेड पेस्टिसाइड का छिड़काव करें। ऐसा करने से पौधों में कीड़े नहीं लगेंगे।
- ग्रोथ होने पर समय-समय पर पौधों की कटिंग करें। इससे प्लांट्स में नए पत्ते तेजी से ग्रो करेंगे।
- बारिश के कारण मिट्टी गीली रहती है। ऐसे में इसमें पानी तब ही डालें जब मिट्टी सूखने लगे।
- प्लाट्ंस में पानी भरने पर उसे निकाल दें। इसके अलावा पौधों को एक जगह से दूसरी जगह शिफ्ट करते रहें।
- अगर आप प्लांट्स को उठाकर दूसरी जगह नहीं रख सकते हैं तो इसके ऊपर शीट या पन्नी लगाएं।
- कई बार हम खुली जगह पर पौधे लगाते हैं जो बड़े होने के बाद घने हो जाते हैं। इस स्थिति में अपने हर एक प्लांट्स को अच्छे से चेक करें। सभी पौधों को बराबर पानी मिल रहा है या नहीं। इसके साथ किसी पौधे में कीड़े तो नहीं लग गए हैं।
- पॉट का इस्तेमाल करते समय यह जरूर चेक करें कि उसमें होल है या नहीं। होल को मिट्टी से ढके नहीं। एक्स्ट्रा पानी गमले से आसानी से निकल जाए इसके लिए होल के ऊपर ईट का छोटा टुकड़ा लगाकर मिट्टी भरें।
- अगर आपने पॉट को स्टैंड पर रखा है तो उसके नीचे लगी प्लेट को दूसरे दिन साफ करें।
- हल्के व बेल वाले पौधेको किसी लकड़ी या फिर स्टैंड के सहारे टिकाएं। इससे पौधे तेज हवा और पानी के झोंके से नहीं टूटेंगे।

लॉन्ग कुर्ती में दिखना है स्टनिंग तो पहले जान लें यह रूल्स

जब भी एथनिक वियर की बात होती है तो सूट का नाम लिया जाता है। हालांकि, इन दिनों आपको मार्केट में केवल कंप्लीट सूट सेट ही नहीं मिलता, बल्कि अलग से कुर्तियां भी अवेलेबल हैं, जिन्हें कई तरह से स्टाइल किया जा सकता है।

खासतौर से, लॉन्ग कुर्ती की मदद से आप ना केवल एथनिक लुक क्रिएट कर सकती हैं, बल्कि इंडो-वेस्टर्न स्टाइल को भी कैरी किया जा सकता है। इतना ही नहीं, आप केजुअल्स से लेकर आउटिंग यहां तक कि पार्टीज में भी इन लॉन्ग कुर्ती को स्टाइल कर सकती हैं।
आमतौर पर देखने में आता है कि महिलाएं इन लॉन्ग कुर्तीज को केवल लेगिंग्स के साथ पेयर करती हैं, हालांकि, इन्हें अन्य भी कई तरीकों से कैरी किया जा सकता है। इतना ही नहीं, हर बार आप एक ही लॉन्ग कुर्ती को कई अलग-अलग तरीकों से कैरी करके एक न्यू लुक क्रिएट कर सकती हैं।3
जींस के साथ करें स्टाइल
यह लॉन्ग कुर्ती को स्टाइल करने का एक सिंपल लेकिन बेहतरीन आईडिया है। जींस के साथ हर टाइप की कुर्ती बेहद ही स्टाइलिश लगती है। भले ही वह फंट ओपनिंग कुर्ती हो या फिर प्रिंटेड कुर्ती। आप चाहें तो इस लुक में स्टनिंग एसेसरीज कैरी करके एक स्टाइल स्टेटमेंट क्रिएट कर सकती हैं या फिर स्कार्फ को भी इस आउटफिट के साथ पेयर किया जा सकता है।

श्रग में दिखेंगी स्टनिंग

अगर आप लॉन्ग कुर्ती को आउटिंग के दौरान कैरी कर रही हैं और अपने लुक से सबको इंप्रेस करना चाहती हैं तो ऐसे में आप इसके साथ श्रग कैरी कर सकती हैं। इस तरह आप अपने लुक में कलर ब्लॉकिंग कर सकती हैं। लॉन्ग कुर्ती विद श्रग स्टाइल में आप बॉटम वियर में लेगिंग्स से लेकर प्लाजो तक को पेयर कर सकती हैं। इसके साथ एक लॉन्ग पेंडेंट आपके लुक को खास बनाएगा।

सिगरेट पैंट्स के साथ करें पेयर

अगर आप ऑफिस में लॉन्ग कुर्ती को स्टाइल करना चाहती हैं तो ऐसे में आप सिगरेट पैंट्स के साथ इसे पेयर कर सकती हैं। इसमें मैचिंग कलर से लेकर कॉन्ट्रास्टिंग कलर दोनों ही काफी अच्छे लगते हैं। वहीं फुटवियर में आप हील्स के अलावा जूतियां भी पेयर कर सकती हैं।

शरारा के साथ करेंगी रॉक

यह लॉन्ग कुर्ती को स्टाइल करने का एक बेहतरीन आईडिया है। अगर आप पार्टी में लॉन्ग कुर्ती को पहनना चाहती हैं तो इसके साथ शरारा कैरी किया जा सकता है। यूं तो शरारा को कुर्ती के साथ मैचिंग कलर में सलेक्ट किया जा सकता है। लेकिन इसके अलावा, अगर आप चाहें तो व्हाइट या क्रीम कलर के शरारा को भी पेयर कर सकती हैं। इस लुक में चुनरी को भी कैरी किया जा सकता है। आप शरारा से मैचिंग चुनरी को पेयर करें। इसके साथ एसेसरीज में ब्रेसलेट काफी अच्छे लगते हैं।

लॉन्ग कुर्ती विद लेयर्ड स्कर्ट

अगर आप लीक से हटकर लॉन्ग कुर्ती को स्टाइल करना चाहती हैं तो ऐसे में आप लेयर्ड स्कर्ट को अपने लुक का हिस्सा बनाएं। इसमें आप सॉलिड कलर्स को सलेक्ट कर सकती हैं। साथ ही कलर कॉन्ट्रास्टिंग करके अपने लुक को खास बना सकती हैं। खासतौर से, लॉन्ग स्ट्रेट कट कुर्ती के साथ फ्लेयर्ड स्कर्ट की पेयरिंग का ऑप्शन बेहद खास लगता है। इस लुक में आप ओकेजन के अनुसार एसेसरीज को सलेक्ट कर सकती हैं।

भूख लगने पर शिशु देता है कुछ ऐसे संकेत

शिशु बोलकर आपको अपनी बात या जरूरत नहीं समझा सकता है इसलिए इतने छोटे बच्चे की बात आपको ही समझनी पड़ती है। बड़े बच्चों को जब भी भूख लगती है, वो बोलकर आपको बता देते हैं लेकिन नन्हे शिशु की बात और जरूरत को समझना मुश्किल होता है क्योंकि ये सिर्फ रोकर ही अपनी बात कहते हैं और अभी इन्होंने बोलना शुरू नहीं किया होता है। नवजात शिशु बोलकर अपनी बात नहीं की सकता है लेकिन वो कुछ संकेतों की मदद से आपको अपनी जरूरत के बारे में जरूर बताता है। अब आपको उसकी बात समझनी होगी।

पहली बार पेरेंट बने

अगर आप पहली बार पेरेंट बने हैं, तो शिशु की भाषा को समझना आपके लिए थोड़ा मुश्किल हो सकता है। शुरुआत में आपको इसमें दिक्कत हो सकती है लेकिन धीरे-धीरे आप सब सीख जाएंगे। शिशु की बात समझने में सबसे ज्यादा दिक्कत आती है कि बच्चे को कब भूख लगी है। अगर आपका बच्चा यहां बताए गए कुछ संकेत दे रहा है, तो समझ लें कि उसे भूख लगी है।

शिशु से मिलने वाले कॉमन साइन

अगर बच्चा जागा हुआ है और एलर्ट दिख रहा है, तो यह इस बात का साफ संकेत है कि उसे भूख लगी है। आपकी अटेंशन पाने के लिए शिशु अपने शरीर को हिलाता है। वो अपने पैर और हाथ इधर-उधर मारेगा।

कैसे समझें शिशु के संकेत

यदि शिशु लगातार अपनी उंगलियों को मुंह में ले रहा है, तो समझ लें कि उसे दूध पीना है। जब बच्चे को बहुत तेज भूख लगती है, तब वो अपना सिर हिलाने लगता है। बेचैन होने पर बच्चा मुंह भी बनाने लगता है। तेज से रोने का भी यही मतलब है कि शिशु को भूख लगी है। भूख लगने का यह सबसे स्पष्ट संकेत होता है।

दूध पीने के बाद भी रोए तो

नन्हा शिशु रोकर ही अपनी बात कहता है और भूख लगने का सबसे स्पष्ट संकेत भी वो रोकर ही देता है लेकिन कई बार शिशु के रोने की कोई और वजह भी हो सकती है। अगर दूध पीने के बाद भी बच्चा रो रहा है, तो इसके पीछे कोई और कारण हो सकता है। कई शिशु दूध पीने के बाद सोना चाहते हैं इसलिए दूध पिलाने के बाद बच्चे को सुलाने की कोशिश करें।

शिशु के रोने के कारण

आमतौर पर शिशु दिन में सबसे ज्यादा बार भूख लगने पर ही रोता है। वो रोकर आपको यह बताने की कोशिश करता है कि उसे भूख लगी है और दूध पीना है। लेकिन हर बार या हर रोज शिशु भूख की वजह से ही रो रहा है, ये जरूरी नहीं है। पेट दर्द या गैस की वजह से भी शिशु रो सकता है। कई घंटों तक शिशु के रोने की वजह कोलिक पेन भी हो सकता है। अगर आपको शिशु के रोने की वजह समझ नहीं आ रही है तो एक बार डॉक्टर को दिखा लें।

डॉक्टर को कब दिखाएं

अगर बच्चा कुछ दिनों से लगातार रोकर भूख लगने का संकेत दे रहा है, तो आपके एक बार पीडियाट्रिशियन को दिखा लेना चाहिए। वहीं अगर शिशु को बहुत ज्यादा नींद आ रही है या दूध पिलाने के लिए हर समय आपको उसे उठाना पड़ता है, तो भी आपको डॉक्टर से चेकअप करवाना चाहिए।

सहेज लो, यह धरा पुकार रही

लगातार बढ़ता तापमान, सूखते जलस्रोत और प्रदूषित होता वायुमंडल यह सब संकेत हैं कि आने वाला समय और भी कठिन संकट ला सकता है।

लगातार बढ़ता तापमान, सूखते जलस्रोत और प्रदूषित होता वायुमंडल यह सब संकेत हैं कि आने वाला समय और भी कठिन संकट ला सकता है। तो क्यों ना संभलते हुए इन सब समस्याओं से निकलने के प्रयास किए जाएं क्योंकि छोटे-छोटे प्रयास ही सार्थक होकर किसी बड़े कार्य को पूर्ण करेंगे। शायद पर्यावरण बचाव के यज्ञ में हर एक का योगदान एक-एक आहुति से कम न हो।

एक वृक्ष पहल

हमारे देश में प्रकृति व पृथ्वी को मां का ही दर्जा दिया है। सिर्फ इसलिए कि वे अपने पुत्रों व परिवार के संरक्षण के लिए समर्पित हैं इसलिए क्यों न हम अपने परिवार में एक ऐसी संस्कृति को पनपाएं जो प्रकृति के संवर्धन में भी जुटे और अपने पारिवारिक उत्सव को पर्यावरण संरक्षण से भी जोड़ सके। इसमें एक महत्वपूर्ण कड़ी के रूप में परिवारजनों का जन्मदिन हो सकता है परिवार के प्रत्येक व्यक्ति के जन्मदिन के शुभ अवसर पर वृक्षारोपण कर पृथ्वी के उस कर्ज की मुक्ति का रास्ता भी खोला जा सकता है। जिसमें हमने जो कुछ प्रकृति से लिया है या लेंगे उसकी वापसी का रास्ता भी बन सके। इससे प्रकृति प्रेम भी पनपेगा और आने वाली पीढ़ी के लिए संस्कार भी तैयार होंगे। इसी तरह परिवार के अन्य कार्यों जैसे शादी, ब्याह, मुंडन इन सभी को पर्यावरण के किसी कार्य से जोड़ लेना चाहिए। ऐसा ही करके शायद हम अपनी प्रकृति को बचा पाएंगे और आने वाली पीढ़ी को अपनी परंपराओं का हिस्सा बना पाएंगे।

बिन पानी सब सून

बूंद-बूंद पानी की तरस को इस वर्ष तकरीबन 11 राज्यों के 33 करोड़ लोगों ने देखा है। सबसे बुरे हालात महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश एवं कर्नाटक के गांवों में रहे, जहां गांव के गांव पलायन करने को मजबूर हो गए। यहां तक की गले तर करने तक के लिए रेल के जरिए पानी को भेजा गया। यदि इसी तरह के हालात रहे तो यह सभी के लिए दुखदायी होंगे। इसलिए हम सभी को यह सोचना होगा कि जब पानी के बिना सब सूना है तो क्यों न बूंद-बूंद से ही घट भरा जाए। जब तक हम सचेत नहीं होंगे तब तक और किसी को नहीं सिखाया जा सकता है। तो क्यों न इस पानी बचाव की शुरुआत घर से ही प्रारंभ की जाए। घर के हर सदस्य को पानी की बचत के साथ पानी को सुरक्षित रखने के उपाय अपनाने होंगे तभी तो हम इसका संरक्षण कर पाएंगे।

महिलाओं का योगदान

इतिहास को खंगाले तो ज्यादा दूर नहीं जाना पड़ेगा, पर्यावरण की रक्षा में हमेशा से महिलाओं को ही अग्रणीय पाया गया है। विश्व प्रसिद्ध चिपको आंदोलन की प्रणेता गौरा देवी गांव की सरल महिला थीं, जिसकी वन वृक्ष की लड़ाई विश्व प्रसिद्ध हुई। आखिर पूरे हिमालय में वनों के प्रति यह संवेदनशीलता उस महिला को ही क्यों भायी? वनों के पतन की पीड़ा ने उन्हें ही क्यों झकझोरा था? बात गौरा देवी की ही नहीं बल्कि राजस्थान के विश्नोई समुदाय की भी है, जहां महिलाओं ने पेड़ों पर चिपककर उनके काटने का विरोध किया था। आखिर नोबेल पुरस्कार विजेता अफ्रीका की मथाई को ही करोड़ों वृक्षों को लगाने की सुध क्यों आई। ऐसे ही अपने देश व विदेशों की बहुत-सी कहानियां हैं, जिनमें महिलाएं वृक्षों के प्रति गंभीर संवेदनशीलता दर्ज कर चुकी हैं। इतिहास गवाह है कि वन लगाने की बात हो या फिर इसको बचाने की मुहिम हो उस पर महिलाएं ही अग्रणी रही हैं। इसलिए पर्यावरण की सुरक्षा में सबसे पहले महिलाओं को ही याद किया जाता है ताकि उनके और प्रयास से हम आने वाले समय में भी कुछ बेहतर प्रयास कर सकें।

प्रकृति और महिलाएं एक-दूजे की पर्याय

असल में इसका कारण वृक्ष और महिलाओं की समान प्रवृत्तियां है। दोनों ही समाज के लिए समर्पित हैं। दोनों के ही समान व्यवहार हैं। महिला और वृक्ष समाज के सृजन व बेहतरी के लिए बिना किसी शर्त के सदियों से सेवा में जुटे हैं। निस्वार्थता दोनों का मूल चरित्र है। इसलिए यह कहना कदापि अतिश्योक्ति नहीं होगी कि दोनों के बिना प्रकृति पृथ्वी और समाज अर्थविहिन व पंगु कहलाएगा।
सच यह है कि मूल भाव से दोनों ही एक-दूसरे को समझते ही नहीं है बल्कि पूरक भी हैं और अगर ऐसा नहीं होता तो क्यों महिलाएं वनों व वृक्षों से ज्यादा बेहतर तालमेल रखतीं। यह स्वत: ऐसी प्रक्रिया है जिससे प्रकृति व प्रवृत्ति की समान झलक दिखाई देती है।

ऐसी लगवाने जा रहे हैं? भूलकर भी मत करिएगा ये 5 गलतियां, वरना पड़ेगा भारी

गर्मी के मौसम में राहत पाने के लिए एयर कंडीशनर (AC) एक जरूरी होम अप्लायंस बन गया है। हालांकि नया AC लगवाते समय कुछ गलतियां हो सकती हैं, जिनसे बिजली का बिल बढ़ सकता है, AC के काम करने के तरीके पर असर पड़ सकता है या फिर सुरक्षा से जुड़ा खतरा भी पैदा हो सकता है। हाल ही में कई AC ब्लास्ट के मामले सामने आए हैं, ऐसे में सावधान रहना और भी जरूरी हो जाता है। हम कुछ ऐसी गलतियों के बारे में बता रहे हैं, जो आपको बिल्कुल भी नहीं करनी हैं।

गलत आकार के AC का चुनाव

यह सबसे आम गलतियों में से एक है। अगर आप कमरे के आकार के लिए बहुत छोटा AC चुनते हैं, तो यह ठंडा करने के लिए ज्यादा पावर इस्तेमाल करता रहेगा, जिससे बिजली का बिल बढ़ जाएगा और यह जल्दी खराब भी हो सकता है। यदि आप बहुत बड़ा AC चुनते हैं, तो यह कमरे को ज्यादा ठंडा कर देगा और बिजली भी बर्बाद होगी।

AC जैसी ठंडी हवा देगा आपका कूलर, ये जुगाड़ आजमाते ही कूल-कूल हो जाएंगे आप

गलत जगह ACका प्लेसमेंट

AC को सीधी धूप, खिड़कियों या दरवाजों से दूर और दीवारों और छत से जरूरी दूरी देखते हुए लगवाना चाहिए। अगर आप AC को गलत जगह लगवाते हैं या फिर इसका आउटडोर यूनिट सीधे धूप में रखवा देते हैं तो ना सिर्फ बिजली का बिल बढ़ेगा बल्कि सुरक्षा से जुड़ा खतरा पैदा हो सकता है।

गलत तरह से इंस्टॉलेशन करना

AC को एक प्रोफेशनल टेक्नीशियन से लगवाया जाना बेहद जरूरी है। अगर AC ठीक से इंस्टॉल ना किया जाए, तो यह लीक कर सकता है, शोर कर सकता है या फिर खराब हो सकता है। गलत इंस्टॉलेशन किसी तरह के शॉर्ट-सर्किट की वजह भी बन सकता है।

कूलिंग नहीं कर रहा है AC तो फौरन करें ये बदलाव, बिजली का बिल भी कम हो जाएगा

AC के जरूरी रखरखाव में कमी

AC को नियमित रूप से साफ करते रहना और फिल्टर बदलना जरूरी है। अगर आप इसका रखरखाव नहीं करते हैं, तो यह ठीक से काम या कूलिंग नहीं करेगा। आपका बिजली का बिल बढ़ जाएगा, और यह जल्दी खराब भी हो सकता है।

पुरानी टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल

नए AC यूनिट्स खास फीचर्स के साथ आते हैं और पावर-एफिशिएंट होते हैं। कई ACमॉडल्स को अलग से स्टेबलाइजर की जरूरत नहीं होती। अगर आप पुराना मॉडल खरीद रहे हैं तो यह बड़ी गलती साबित हो सकता है। हमेशा अपडेटेड फीचर्स और रेटिंग्स वाला AC ही खरीदें।

कॉन्फिडेंस पैदा करता है जॉब इंटरव्यू से पहले होमवर्क

जब आप किसी जॉब इंटरव्यू के लिए जाते हैं, तो इसके लिए होमवर्क करना बेहद जरूरी है, क्योंकि एक अच्छा होमवर्क आपके भीतर कॉन्फिडेंस पैदा करता है और आप सफलता हासिल करते हैं।

फर्स्ट इम्प्रेशन

इंटरव्यू के लिए फर्स्ट इम्प्रेशन बहुत मायने रखता है। इसलिए ऐसे कपड़ों का चयन करें जिसमें आप ज्यादा स्मार्ट दिखते हों। इससे लोगों का ध्यान आपकी ओर जाएगा। यह भी ध्यान रखें कि उस कपड़े में आप खुद को कंफर्ट महसूस करें। आपके कपड़े का कलर सौम्य और प्रभावशाली हो। इसके लिए आप काला, सफेद, ग्रे लाइट या डार्क शेड के अलावा भूरा, ब्लू और मटमैले कलर के कपड़ों का कॉम्बिनेशन पहन सकते हैं।

स्ट्रांग परफ्यूम न लगाएं

पुरुषों के लिए यह जरूरी है कि वे क्लीन शेव हों। किसी वजह से ऐसा नहीं कर सकते, तो दाढ़ी ट्रिम होनी चाहिए, बालों को स्टाइलिश रखें। वह महिलाओं के लए जरूरी है कि वे लाइट मेकअप करें। बाल बंधे हों तो ज्यादा अच्छा है। एक बात का ध्यान दें कि लंबे नाखून पुरुष और महला दोनों के ही नहीं होने चाहिए। यदि परफ्यूम है तो वह स्ट्रांग नहीं होना चाहिए, आपके जूते अच्छी हालत में होने चाहिए, जूते आवाज न करें।

बाएं हाथ में रखें फाइल

मीटिंग या इंटरव्यू में हमेशा समय से पहले पहुंचें और फ्रंट ऑफिस को अपने आने का कारण बताएं। जब तक आपको अंदर न बुलाया जाए, शांति से अपनी जगह पर बैठे रहें। बुलाने पर तेजी से कदम बढ़ाते हुए जाएं, अपने बैग या फाइल को ठीक तरीके से हैंडल करें। इसे बांए हाथ में पकड़ना अच्छा होगा क्योंकि दाहिने से शेक हैंड्स करना होता है। अपनी बॉडी लैंग्वेज को सही रखें।

हाथ मिलाना बाध्यता नहीं

यह जरूरी होता है कि आप सामने वाले से हाथ मिलाएं, लेकिन इसे बाध्यता नहीं समझना चाहिए, टेबल के ऊपर हाथ न रखें। अगर आप पुरुष हैं और महिला से मुलाकात हो रही है, तो आप खुद हाथ आगे न बढ़ाएं, इंतजार करें।

पॉजटिव एहसास कराएं

इंटरव्यू समाप्त होने पर सामने वाले को धन्यवाद कहें और उसे इस बात का एहसास करवाएं कि आप पॉजिटिव रिस्पांस सुनने के लिए तैयार हैं। जाते वक्त यह ध्यान में रखें कि आपके अंदर आने के दौरान गेट खुला था या बंद, गेट जिस अवस्था में था, उसी अवस्था में करके ही बाहर निकलें।

आर्थिक रूप से कमजोर बच्चों के लिए भी विदेश में पढ़ने का रास्ता खोलता है स्कॉलरशिप

विदेश में पढ़ाई करना बेहद ही खर्चीला होता है, जिसकी वजह से हर कोई वहां पढ़ाई नहीं कर सकता है। इसलिए स्कॉलरशिप ही एकमात्र वो जरिया होती हैं, जिनके जरिए आर्थिक रूप से कमजोर बच्चों के लिए भी विदेश में पढ़ने का रास्ता खुलता है।

दुनिया की सबसे प्रतिष्ठित यूनिवर्सिटीज की जब भी बात होती है तो हार्वर्ड यूनिवर्सिटी का जिक्र जरूर होता है। अमेरिका के मैसाचुसेट्स में मौजूद ये यूनिवर्सिटी अपने कोर्सेज के लिए दुनियाभर में फेमस है। हर साल बड़ी संख्या में छात्र यहां पढ़ने के लिए अप्लाई करते हैं, लेकिन सिर्फ चुनिंदा लोगों को ही दाखिला मिल पाता है। हार्वर्ड यूनिवर्सिटी की फीस भी बहुत ज्यादा है। अगर भारतीय रुपये में बात करें तो यहां की फीस लाखों में है।

हार्वर्ड यूनिवर्सिटी में औसतन फीस 83 हजार डॉलर (लगभग 68 लाख रुपये) है। यही वजह है कि यहां ज्यादातर वही लोग पढ़ पाते हैं, जिनके पास अच्छा खासा पैसा है। हालांकि, इसका मतलब ये बिल्कुल भी नहीं है कि आम आदमी यहां पढ़ाई नहीं कर सकता है। हार्वर्ड उन्हें भी एक समान मौका देता है। यूनिवर्सिटी में कई सारी स्कॉलरशिप का भी ऑप्शन है, जो यहां पढ़ने के लिए दी जाती हैं। ऐसे में आइए जानते हैं कि हार्वर्ड यूनिवर्सिटी में भारतीय छात्रों को कौन सी स्कॉलरशिप मिलती हैं।

बौस्टनी एमबीए हार्वर्ड स्कॉलरशिप

अमेरिका की हार्वर्ड यूनिवर्सिटी में पढ़ने के लिए ये स्कॉलरशिप उन छात्रों को दी जाती है, जिनका पढ़ाई का बैकग्राउंड काफी ज्यादा मजबूत है। हार्वर्ड एमबीए प्रोग्राम में एडमिशन होने के बाद ही छात्र इस स्कॉलरशिप के लिए अप्लाई कर सकते हैं। जिन छात्रों को शॉर्टलिस्ट किया जाएगा, उन्हें इंटरव्यू देना होगा। इस स्कॉलरशिप के तहत छात्रों की 75 फीसदी ट्यूशन फीस कवर हो जाती है। इसके जरिए रहने और यात्रा का भी खर्च कवर होता है।

होरेस डब्ल्यू गोल्डस्मिथ फेलोशिप

इस स्कॉलरशिप के लिए छात्र का बैचलर डिग्री पूरा किया होना जरूरी है। उसके पास वर्क एक्सपीरियंस भी होना चाहिए। उम्मीदवार ने अगर किसी नॉन प्रॉफिट संस्था में फुल-टाइम लीडरशिप की भूमिका में काम किया होगा तो उसे स्कॉलरशिप के लिए एलिजिबिल माना जाएगा। शॉर्टलिस्ट किए गए उम्मीदवारों का इंटरव्यू होता है। हार्वर्ड में एमबीए की पढ़ाई कर रहे फर्स्ट ईयर के 7 से 10 छात्रों को 10 हजार डॉलर स्कॉलरशिप के तौर पर मिलते हैं। एमबीए के लिए अप्लाई करते समय ही उम्मीदवार की फाइल स्कॉलरशिप के लिए पहुंच जाती है। फिर उसकी क्वालिफिकेशन के आधार पर स्कॉलरशिप मिलती है।

रॉबर्ट एस. कपलान (एमबीए 1983) लाइफ साइंसेज फेलोशिप

हार्वर्ड में पढ़ने के लिए इस स्कॉलरशिप को उन्हीं उम्मीदवारों को दिया जाता है, जिन्होंने बैचलर डिग्री पूरी की है। उनके काम वर्क एक्सपीरियंस है और साथ ही साथ लाइफ साइंसेज क्षेत्र में बेहतरीन योग्यता है। शॉर्टलिस्ट किए गए उम्मीदवारों का इंटरव्यू लिया जाता है। एमबीए के लिए अप्लाई करते समय उम्मीदवार के नाम पर स्वतः ही स्कॉलरशिप के लिए विचार किया जाता है। ये स्कॉलरशिप 10 एमबीए स्टूडेंट्स को मिलती हैं। दो साल में 20 हजार डॉलर छात्र को स्कॉलरशिप के तौर पर मिलते हैं।

आगा खान स्कॉलरशिप

अगर किसी स्टूडेंटस की पढ़ाई का बेहतरीन इतिहास रहा है, तो वह इस स्कॉलरशिप के लिए अप्लाई कर सकता है। ये स्कॉलरशिप विकासशील देशों के उन छात्रों को प्रदान की जाती है, जिन्हें वास्तव में पढ़ाई के लिए वित्तीय सहायता की जरूरत होती है। इस स्कॉलरशिप को पोस्ट ग्रेजुएशन की पढ़ाई के लिए दिया जाता है। अगर किसी छात्र के पास प्रोफेशनल एक्सपीरियंस है। साथ ही वह विविधि गतिविधियों में भाग लेता रहा है तो उसे स्कॉलरशिप के लिए योग्य माना जाएगा। ये स्कॉलरशिप मास्टर स्तर के कोर्सेज की पूरी अवधि के लिए प्रदान की जाती है और पीएचडी छात्रों को इसे केवल पहले दो वर्षों के लिए दिया जाता है। इसके लिए आगा खान फाउंडेशन की वेबसाइट पर अप्लाई करना होता है।

कैसे बनाएं जॉब और इंटरव्यू के लिए बेहतर और प्रोफेशनल रिज्यूमे

जॉब पाने से लेकर इंटरव्यू तक पहुंचने के सफर में रिज्यूमे आपकी काफी मदद करता है। जॉब और इंटरव्यू के लिए सभी को एक बेहतर और प्रोफेशनल रिज्यूमे की दरकार होती है। आइए जानते हैं आप बेहतरीन रिज्यूमे कैसे बना सकते हैं।

अगर आप भी अपनी पसंदीदा जॉब पाना चाहते हैं, तो इसमें रिज्यूमे बहुत अहम भूमिका निभाती है। जितना आपका रिज्यूमे शानदार होगा, उतना ही आपको जॉब मिलने में आसानी होगी। जॉब पाने से लेकर इंटरव्यू तक पहुंचने के सफर में रिज्यूमे आपकी काफी मदद करता है। जॉब और इंटरव्यू के लिए सभी को एक बेहतर और प्रोफेशनल रिज्यूमे की दरकार होती है। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको बताने जा रहे हैं कि आप एक बेहतरीन रिज्यूमे कैसे बना सकते हैं।

खुद से बनाएं रिज्यूमे

अधिकतर देखने को मिलता है कि ज्यादातर लोग रिज्यूमे बनवाने के लिए साइबर कैफे या ग्राफिक डिजाइनर के भरोसे रहते हैं। लेकिन बता दें कि आप स्मार्ट वर्क के तहत खुद भी घर बैठे अपना रिज्यूमे बनाकर तैयार कर सकते हैं। रिज्यूमे बनाने के लिए आपके पास स्मार्टफोन या लैपटॉप होना जरूरी है। इससे आप शानदार रिज्यूमे बनाकर तैयार कर सकती हैं। इससे आपका समय और पैसे दोनों बचेंगे।

कैसे बनाएं रिज्यूमे

बता दें कि अधिकतर लोग सोचते हैं कि अच्छा रिज्यूमे बनाने के लिए क्या टिप्स फॉलो करना चाहिए। लेकिन अब गूगल और इंटरनेट ने इस काम को बेहद आसान कर दिया है। अगर आप गूगल पर जाकर रिज्यूमे सर्च करते हैं, तो आपके सामने ऐसी तमाम वेबसाइट आ जाएंगी। जिनमें रिज्यूमे बनाने की विधि और उसके लेटेस्ट फॉर्मेट आ जाएंगे। सबसे पहले रिज्यूमे में आपको अपना व्यक्तिगत परिचय, नाम, संपर्क और पते की डिटेल्स देना होता है। फिर यह बताएं कि आप जॉब के लिए क्यों अप्लाई कर रहे हैं और इसके बाद क्वालिफिकेशन व एक्सपीरियंस के बारे में जानकारी दें। आखिर में आपको यह बताना होता है कि आपमें ऐसी क्या खासियत है, जिसके कारण आप उस जॉब के लिए अप्लाई कर रहे हैं। साथ ही आप रिज्यूमे में अपनी पॉजिटिव चीजें बताएं कि आप किस तरह से उस जॉब के लिए परफेक्ट हैं।

विदेश में जाकर नौकरी करने की सबकी अपनी वजहें होती हैं। कोई करियर में ग्रोथ के लिए विदेश का रुख करता है तो कोई आर्थिक रूप से मजबूत होने के लिए जाता है। कुछ लोग ऐसे भी होते हैं, जो बेहतर जीवन-शैली से प्रभावित होकर विदेशों में बस जाते हैं। हालांकि, विदेश में नौकरी करना तो सब चाहते हैं, लेकिन उसे कैसे हासिल किया जाए, ये बेहद ही कम लोगों को मालूम है। ऐसे में आइए जानते हैं कि विदेश में काम करने के इच्छुक लोग किस तरह से नौकरी पाने के लिए रणनीति बना सकते हैं।

विदेश में करनी है नौकरी बस करने होंगे ये जरूरी काम

भारतीयों के लिए विदेश में नौकरी करना फायदे का सौदा साबित हो सकता है। विदेशी मुद्रा के ज्यादा मूल्य होने की वजह से विदेश में काम करना आर्थिक रूप से काफी ज्यादा फायदेमंद होता है। सिर्फ इतना ही नहीं, बल्कि लोगों को अलग-अलग संस्कृतियों को सीखने का मौका मिलता है और वे नेटवर्किंग भी कर पाते हैं। इसकी वजह से किसी भी शख्स को ग्लोबल जॉब मार्केट में नौकरी ढूंढने में फायदा मिलता है, जो अच्छे करियर की नींव रखने का भी काम करता है।

विदेश में नौकरी कैसे पाएं?

सही देश का चुनाव - जो लोग विदेश में नौकरी करना चाहते हैं, उन्हें सबसे पहले सही देश का चुनाव करना होगा। काम करने के लिए देश चुनते समय वहां होने वाले खर्चे, जीवनशैली, सैलरी और संस्कृति के आधार पर फैसला लेना चाहिए। गलत देश का चुनाव आपकी जेब पर तो भारी पड़ेगा ही, साथ ही साथ आपको तनाव भी दे जाएगा।

नियम कायदे को समझना

जिस देश में काम करने की योजना बनाई जा रही है, उस देश के नियमों-कायदों को समझना जरूरी होता है। इसमें वीजा नीतियां और श्रम कानून शामिल हैं। कुछ कंपनियां नौकरी के साथ वीजा भी मुहैया करती हैं, जबकि कुछ ऐसा नहीं करतीं, इसलिए इस मुद्दे पर पहले से रिसर्च करना जरूरी है।

बेहतरीन रिज्यूम तैयार करना

उम्मीदवारों को अपना बायोडाटा इंटरनेशनल स्टैंडर्ड के अनुसार डिजाइन करना चाहिए। नौकरी पाने की संभावना बढ़ाने के लिए यह एप्लिकेशन ट्रैकिंग सिस्टम (एटीएस) के अनुकूल होना चाहिए। बायोडाटा में उन सर्टिफिकेट्स को भी शामिल किया जा सकता है, जिसे आपने हासिल किया है।

कनेक्शन बनाना

लिंक्डइन जैसे प्लेटफॉर्म पर कनेक्शन बनाने से नौकरियों के लिए रेफरल मिलना आसान हो जाता है। विदेश में नौकरी की तलाश कर रहे लोगों को अपने सेक्टर से जुड़े वर्कर्स के साथ नेटवर्क बनाना चाहिए, जो पहले से ही विदेश में काम कर रहे हैं।

हायरिंग एजेंसी

विदेश में नौकरी के लिए उन कंसल्टिंग एजेंसियों का भी सहारा लिया जा सकता है, जो लोगों की नौकरियां लगवाती हैं। हालांकि, इस दौरान सावधानी बरतना बेहद जरूरी होता है, क्योंकि कुछ एजेंसियां झूठे वायदे कर पैसे की ठगी कर लेती हैं।

संक्षिप्त समाचार

अमेरिकी थिंकटैंक एफएएस की रिपोर्ट: 160+ हथियार तैयार किए जा चुके

वाशिंगटन, एजेंसी। भारत के परमाणु शस्त्रागार में अनुमानित रूप से 190 एटमी हथियार हैं,

जिनमें नई मिसाइलों के लिए तैयार किए जा रहे 30 अतिरिक्त हथियार भी शामिल हैं। यही नहीं, उसके पास करीब 35 परमाणु हथियार तैयार करने लायक प्लूटोनियम भी रिजर्व भंडार में है। यह बात अमेरिका के एक गैर-सरकारी थिंकटैंक फेडरेशन ऑफ अमेरिकन साइंटिस्ट्स (एफएएस) ने अपनी ताजा रिपोर्ट में कही है। एफएएस ने यह अनुमान ओपन सोर्स पर उपलब्ध जानकारी, सरकारी डाटा और कमर्शियल सैटेलाइट से मिली तस्वीरों के विश्लेषण के आधार पर लगाया है। एफएएस के न्यूक्लियर इंफॉर्मेशन प्रोजेक्ट के निदेशक हंस क्रिस्टेनसेन के बुधवार को प्रकाशित लेख में कहा गया है कि भारत अपने परमाणु शस्त्रागार को लगातार आधुनिक बना रहा है। एफएएस के मुताबिक, 2026 की शुरुआत तक इंटरनेशनल पैनल ऑन फिसाइल मटेरियल्स का अनुमान था कि भारत ने लगभग 730 किलोग्राम हथियार-ग्रेड प्लूटोनियम का उत्पादन किया है। यह सैद्धांतिक रूप से 140 से 225 के बीच परमाणु हथियार बनाने के लिए पर्याप्त होगा। लेख में कहा गया, भारत करीब 190 हथियार असेंबल कर चुका है। लेकिन यह सिर्फ अनुमानित संख्या है, क्योंकि हथियार में कितना प्लूटोनियम इस्तेमाल होगा, यह काफी हद तक उसके डिजाइन पर निर्भर करता है। एफएएस के मुताबिक, भारत जमीन, हवा और समुद्र तीनों माध्यमों से परमाणु हथियार इस्तेमाल करने की क्षमता विकसित कर रहा है।

नेपाल में बाढ़ के बाद 70 अमेरिकी नागरिक अभी भी लापता, 18 बचाए गए

वाशिंगटन, एजेंसी। नेपाल-चीन सीमा क्षेत्र में आई भीषण आपदा के बाद करीब 70

अमेरिकी नागरिक अब भी लापता हैं। अमेरिकी विदेश विभाग ने बताया कि आपदा में सड़कें और पुल तबाह हो गए हैं, जबकि कई पूरे गांव भी मलबे में दब गए हैं। विदेश विभाग के मुताबिक, गुरुवार दोपहर तक 18 अमेरिकी नागरिक सुरक्षित स्थानों पर पहुंच चुके हैं। विभाग ने कहा कि प्रभावित क्षेत्र में मौजूद अमेरिकी नागरिकों की सुरक्षा उसकी सबसे बड़ी प्राथमिकता है। अमेरिकी विदेश विभाग के एक प्रवक्ता ने कहा कि काठमांडू में मौजूद अमेरिकी टीम नेपाल पहुंचे सभी प्रभावित परिवारों से मिल चुकी है। वहीं, वॉशिंगटन में तैनात अधिकारी अमेरिका में मौजूद परिवारों के साथ लगातार संपर्क में हैं।प्रवक्ता ने बताया कि राहत और बचाव दलों के लिए हालात बेहद मुश्किल हैं। आपदा में सड़कें, पुल और पूरे गांव नष्ट हो गए हैं। कई इलाकों का नक्शा ही बदल गया है। कुछ जगहों पर पहले जहां लोग रहते थे, वहां अब कई फीट तक मिट्टी और चट्टानों का मलबा जमा है। आपदा के कारण हेलीकॉप्टर से चलाए जा रहे राहत और बचाव अभियान में भी मुश्किलें आ रही हैं। पायलटों को संकरी घाटियों से उड़ान भरनी पड़ रही है। कई जगह सड़कें और नदियों के किनारे मौजूद पुराने निशान तक गायब हो चुके हैं। ऊंचाई वाले इलाकों में हवा कम होने के कारण बचाव अभियान बेहद खतरनाक हो गए हैं। कुछ जगहों पर इन अभियानों को करना संभव भी नहीं हो पा रहा है।

वर्ल्ड ट्रेड सेंटर हमले के बाद बदली दुनिया, अमेरिका में नहीं हुआ फिर बड़ा आतंकी हमला

वाशिंगटन, एजेंसी। एक ऐसा हमला, जिसने कुछ घंटों में अमेरिका की तस्वीर बदल दी। दिन था 11 सितंबर 2001। आतंकवादियों ने चार विमानों को हाईजैक कर कई ठिकानों को निशाना बनाया। इनमें से दो विमानों को न्यूयॉर्क के वर्ल्ड ट्रेड सेंटर की ट्विन टावर से टकराया। वहीं एक विमान पेंटागन से जा टकराया। चौथा विमान पेंसिल्वेनिया में दुर्घटनाग्रस्त हो गया। इस हमले में हजारों लोगों की जान चली गई।

घटना के 25 साल पूरे हो चुके हैं, लेकिन उस दिन की दर्द आज भी लोगों के जेहन में ताजा हैं। इस हमले के बाद अमेरिका ने आतंकवाद के खिलाफ अपनी रणनीति में बड़े बदलाव किए। दुनिया के कई देशों ने भी अपनी सुरक्षा व्यवस्था को और सख्त किया।

आइए जानतें हैं कि अमेरिका ने पिछले 25 वर्षों में ऐसा क्या किया, जिसके बाद वहां कभी भी कोई आतंकी हमला नहीं हुआ। अमेरिका ने क्या बड़े बदलाव किए हैं इसके साथ ही भारत को इससे क्या सीखना चाहिए

आतंकवाद और चरमपंथ से लड़ने के लिए क्या किया आतंकी हमलों के बाद तत्कालीन अमेरिकी राष्ट्रपति जॉर्ज डब्ल्यू बुश ने दुनिया भर में आतंकवादियों के खिलाफ अभियान शुरू करने का एलान किया। इसे

'ग्लोबल वॉर ऑन टेरर' कहा गया। इसमें सैन्य कार्रवाई के साथ आतंकियों की आर्थिक मदद रोकना शामिल था। इसके साथ ही उन्हें सुरक्षित ठिकाने मिलने से रोकना भी शामिल था। कई देशों ने इस अभियान में अमेरिका का साथ दिया। 20 सितंबर 2001 को बुश ने तालिबान से अल-कायदा के सदस्यों को पनाह देना बंद करने को कहा। इसके बाद 24 सितंबर को आतंकवादी संगठनों और उन्हें आर्थिक मदद देने वालों की संपत्तियां फ्रीज करने का आदेश दिया गया।

7 अक्तूबर 2001 को अमेरिका ने अफगानिस्तान में सैन्य कार्रवाई शुरू की। शुरुआती हमलों में अल-कायदा के प्रशिक्षण शिविरों और तालिबान के सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया गया। इसके साथ अफगानिस्तान के लोगों को मानवीय मदद भी देने की बात कही गई।

इसके बाद अमेरिका ने इराक पर भी दबाव बढ़ाया। अमेरिका ने सद्दाम हुसैन की सरकार पर आतंकवाद से संबंध और बड़े पैमाने पर विनाशकारी हथियार रखने जैसे आरोप लगाए। 19 मार्च 2003 को अमेरिका ने इराक में सैन्य अभियान शुरू किया, जिसका मकसद सद्दाम हुसैन को सत्ता से हटाना था। डीएचएस का मुख्य मकसद देश को आतंकवाद और दूसरे सुरक्षा खतरों से बचाना था। इसके तहत अलग-अलग सरकारी एजेंसियों को एक साथ लाया गया, ताकि उनके बीच बेहतर तालमेल हो सके। कुल 22 एजेंसियों और कार्यालयों को मिलाकर एक कैबिनेट स्तर का विभाग बनाया गया। टॉम रिज इसके पहले सचिव बने।

हालांकि, शुरुआत में डीएचएस को कामकाज में तालमेल की कमी और नौकरशाही जैसी समस्याओं को लेकर आलोचना का सामना करना पड़ा। 2005 में आए तूफान कैटरीना के दौरान भी इसकी कार्यप्रणाली पर सवाल उठे। इसके अलावा निगरानी और नागरिक अधिकारों को लेकर भी चिंताएं सामने आईं।

डीएचएस ने लोगों को आतंकवादी खतरों के बारे में जानकारी देने के लिए सुरक्षा चेतावनी प्रणाली शुरू की, जिसे बाद में 2011 में नेशनल टेररिज्म एडवाइजरी सिस्टम से बदल दिया गया। इसका उद्देश्य आतंकवाद से निपटने के साथ देश की आपदा और आपातकालीन तैयारियों को मजबूत करना था।

पेट्रियट एक्ट क्यों लागू किया गया: यूएसए पेट्रियट एक्ट 26 अक्टूबर 2001 को 9/11 आतंकी हमलों के बाद लागू किया गया। इसका मुख्य उद्देश्य अमेरिका की घरेलू सुरक्षा को मजबूत करना और आतंकवाद से जुड़े मामलों की जांच को आसान बनाना था। इस कानून के तहत सुरक्षा और जांच एजेंसियों को आतंकवाद की रोकथाम और जांच के लिए कई अधिकार दिए गए।

ब्राजील के सुप्रीम कोर्ट में गहराया संकट: लगातार दूसरी बैठक रद्द, जजों पर भ्रष्टाचार के मामले में बढ़ा विवाद

इस विवाद का असर अक्टूबर में होने वाले राष्ट्रीय चुनावों पर भी पड़ रहा है

ब्रासीलिया, एजेंसी। ब्राजील के सर्वोच्च न्यायालय ने गुरुवार को लगातार दूसरे दिन की सुनवाई रद्द कर दी। यह कदम ऐसे समय उठाया गया है, जब देश में राजनीतिक और संस्थागत संकट गहराता जा रहा है। कोर्ट के कई सदस्यों पर भ्रष्टाचार, राजनीतिक पक्षपात और पुलिस के काम में दखल देने के आरोपों को लेकर सवाल उठ रहे हैं। इस विवाद का असर अक्टूबर में होने वाले राष्ट्रीय चुनावों पर भी पड़ रहा है।

चीफ जस्टिस लुइज एडसन फाचिन ने गुरुवार की बैठक टालते हुए मंगलवार को अगली बैठक तय की है, जबकि आमतौर पर मंगलवार को कोर्ट की ऐसी बैठक नहीं होती। मंगलवार को सभी 10 जजों की बेंच इस बात पर फैसला करेगी कि क्या उनके ही एक साथी जज अलेक्जेंड्रे डी मोरेस के खिलाफ जांच होनी चाहिए। मोरेस पर धोखाधड़ी के आरोपों के बाद बंद हो चुके 'बैंको मास्टर' के मालिक के साथ कथित संबंधों का आरोप है।

सुप्रीम कोर्ट में यह विवाद 1 सितंबर को तब बढ़ा, जब पूर्व राष्ट्रपति जेयर बोल्सोनारो के कार्यकाल में नियुक्त हुए जज आंद्रे मेंडोंका ने फेडरल पुलिस के गोपनीय दस्तावेज सार्वजनिक किए। इन दस्तावेजों के मुताबिक,

बैंक मालिक डेनियल वोर्कारो ने कानूनी सलाह के लिए कई बार जज मोरेस से संपर्क किया था। इसके बाद से ही मोरेस और मेंडोंका के बीच तनाव काफी बढ़ गया है।

मोरेस को उस समय मौजूदा राष्ट्रपति लुला डा सिल्वा के समर्थकों ने बहुत सराहा था, जब उन्होंने पिछले साल तख्तापलट की साजिश रचने के जुर्म में पूर्व राष्ट्रपति जेयर बोल्सोनारो को 27 साल की जेल की सजा सुनाई थी। दूसरी तरफ, मेंडोंका सुप्रीम कोर्ट का जज बनने से पहले बोल्सोनारो की सरकार में सॉलिसिटर-जनरल रह चुके हैं। इस सप्ताह की शुरुआत में डी मोरेस ने भी जवाबी कार्रवाई की। उन्होंने मेंडोंका के खिलाफ कथित तौर पर अधिकारों के दुरुपयोग की जांच की मांग की। मामला बैंकर से हुई एक बातचीत से जुड़ा है, जिसमें पुलिस या अभियोजकों की मौजूदगी नहीं थी।

चार्ली किर्क की पहली बरसी: यूएस में राष्ट्रपति के करीबी को श्रद्धांजलि

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के रिपब्लिकन मिडटर्म सम्मेलन के दूसरे दिन गुरुवार को रिपब्लिकन नेताओं और समर्थकों ने 'टर्निंग पॉइंट यूएसए' के संस्थापक चार्ली किर्क को याद करते हुए भावभीनी श्रद्धांजलि दी। इस दौरान पूरा हॉल 'चार्ली, चार्ली' के नारों से गूंज उठा। बता दें कि एक साल पहले किर्क की हत्या कर दी गई थी। डलास के बास्केटबॉल स्टेडियम में जुटी भीड़ उस समय एकदम खामोश हो गई, जब किर्क के सम्मान में पांच मिनट का एक स्मृति वीडियो दिखाया गया। इस वीडियो ने सम्मेलन के सियासी माहौल को कुछ देर के लिए पूरी तरह गमगीन कर दिया। ट्रंप वॉर रूम नाम के ट्रुथ सोशल हैंडल पर किर्क को महान बताया गया। ट्रंप ने इस संदेश और वीडियो को रिपोस्ट किया।

इस दौरान टर्निंग पॉइंट के उपाध्यक्ष और पादरी लुकास माइल्स ने कहा कि एक साल बीत जाने के बाद भी चार्ली किर्क की आवाज कमजोर नहीं पड़ी है। उन्होंने बताया कि इस एक साल में संगठन के सदस्यों और सोशल मीडिया पर उनके समर्थकों की संख्या कई गुना बढ़ गई है। माइल्स ने सम्मेलन में कहा- टर्निंग पॉइंट खत्म नहीं हुआ है। चार्ली ने जिस संस्था की नींव रखी थी, वह लगातार बढ़ रही है और अब एक

नई पीढ़ी आगे आ रही है।

चार्ली किर्क अमेरिकी दक्षिणपंथ में एक बेहद असरदार चेहरा थे। उन्होंने कॉलेज परिसरों में युवाओं का एक बड़ा नेटवर्क तैयार किया, एक चर्चित पॉडकास्ट चलाया और युवा रूढ़िवादी ईसाइयों के बीच गहरी पकड़ बनाई। वह डोनाल्ड ट्रंप के 'मेक अमेरिका ग्रेट अगेन' अभियान के अलग-अलग गुटों को एकजुट रखने वाले एक अहम सूत्रधार भी थे। किर्क की हत्या 10 सितंबर 2025 को यूटा वैली यूनिवर्सिटी कैंपस में उस समय कर दी गई थी, जब वह छात्रों को संबोधित कर रहे थे। मामले में 23 साल के टायलर रॉबिन्सन पर हत्या का गंभीर आरोप है और दोष साबित होने पर उसे मौत तक की सजा मिल सकती है।

तपती धरती, उबलते समंदर: अगस्त बना इतिहास का सबसे गर्म महीना, पूर्वी यूरोप में गंभीर सूखे की स्थिति

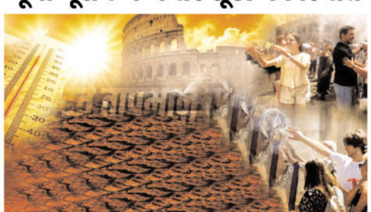

जेनेवा, एजेंसी। वैश्विक स्तर पर जलवायु संकट ने एक बार फिर खतरे की घंटी बजा दी है। यूरोपीय संघ की प्रमुख निगरानी संस्था कॉपरनिकस क्लाइमेट चेंज सर्विस (सी3एस) के ताजा आंकड़ों के अनुसार, अगस्त 2026 जुलाई 2023 के साथ संयुक्त रूप से इतिहास का सबसे गर्म महीना दर्ज किया गया है। इस दौरान दुनिया का औसत वायु तापमान 16.96 डिग्री सेल्सियस रहा, जो 1991-2020 के औसत से 0.85 डिग्री सेल्सियस और पूर्व-औद्योगिक काल (1850-1900) की तुलना में 1.65 डिग्री सेल्सियस अधिक है। वैज्ञानिकों के अनुसार, यह अप्रत्याशित गर्मी जीवाश्म ईंधन (कोयला, तेल, गैस) के जलने से वायुमंडल में लगातार बढ़ रही ग्रीनहाउस गैसों और भूमध्यरेखीय प्रशांत महासागर में सक्रिय हो रही मजबूत अल नीनो परिस्थितियों का मिला-जुला नतीजा है। महासागरों का तापमान भी रिकॉर्ड स्तर पर है। 60 डिग्री दक्षिण से 60 डिग्री उत्तर के बीच गैर-ध्रुवीय महासागरों का औसत सतही तापमान 21.07 डिग्री दर्ज किया। इसने अगस्त 2023 में बने 20.98 डिग्री के पुराने रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया है। पश्चिमी यूरोप ने अपने इतिहास की सबसे भीषण गर्मी का सामना किया, जिसने 2003 के ऐतिहासिक रिकॉर्ड को भी तोड़ दिया। मई महीने से शुरू हुआ भीषण लू का सिलसिला अगस्त तक जारी रहा। गर्मी के साथ पश्चिमी, मध्य और पूर्वी यूरोप के बड़े हिस्से में गंभीर सूखे की स्थिति बन गई।

जेल में बिगड़ी मादुरो की पत्नी की सेहत: 11 किलो वजन घटा; दिल की बीमारी के बीच घर में नजरबंदी की मांग

अल्बानी, एजेंसी। वेनेजुएला के पूर्व राष्ट्रपति निकोलस मादुरो की पत्नी और देश की पूर्व प्रथम महिला सीलिया फ्लोरेस ने अमेरिका की अदालत से जेल से बाहर आने की मांग की है। 69 वर्षीय फ्लोरेस इस समय ब्रुकलिन की संघीय जेल में बंद हैं। उनके वकीलों ने कहा है कि जेल में रहने के दौरान उनकी दिल की बीमारी और बिगड़ गई है। इसलिए उन्हें मुकदमे की सुनवाई तक जेल के बजाय घर में नजरबंद रखने की अनुमति दी जानी चाहिए। फ्लोरेस के वकीलों ने बुधवार को अदालत में आवेदन दिया है। उन्होंने मैनहट्टन संघीय अदालत के क्षेत्र में घर में रखने की मांग की। अगले साल जून में फ्लोरेस और मादुरो का मुकदमा होना है। घर में रहने के दौरान 24 घंटे सशस्त्र निगरानी की बात कही गई है।

घर में नजरबंदी की स्थिति में फ्लोरेस पर कैसी पाबंदियां रहेंगी

वकीलों मार्क डोनेली और एंड्रेस सांचेज ने अदालत को बताया कि घर में रहने की अनुमति मिलने पर फ्लोरेस की कड़ी निगरानी की जाएगी। उनके मुताबिक, उन्हें 24 घंटे सशस्त्र सुरक्षा में रखा जाएगा। उनसे मिलने वाले लोगों को अदालत और संघीय अभियोजकों से मंजूरी लेनी होगी। घर में वीडियो के जरिये निगरानी होगी और उनके फोन कॉल रिकॉर्ड किए जाएंगे। यानी वकील जेल से बाहर आने की मांग कर रहे हैं, लेकिन पूरी तरह खुली आजादी नहीं। फ्लोरेस कई वर्षों से माइट्रल वाल्व प्रोलैप्स नाम की दिल की बीमारी से जूझ रही हैं। वकीलों का कहना है कि गिरफ्तारी के बाद से उन्हें इस बीमारी को संभालने के लिए जरूरी

मासिक इंजेक्शन नहीं मिला है। इसके बजाय उन्हें बेबी एस्पिरिन, स्टैटिन और डिल्टियाजेम दी जा रही हैं, जबकि सीने में दर्द होने पर नाइट्रोग्लिसरीन लेने को कहा गया है। फ्लोरेस लगातार रिफ्लक्स और गैस्ट्राइटिस से भी परेशान हैं। जेल में रहते हुए उनके दो दांत निकल चुके हैं। उनका वजन 11.3 किलोग्राम से ज्यादा कम हो गया है। डॉक्टरों ने उन्हें कार्डियक कैथेटराइजेशन कराने की सलाह दी है।

मादुरो और फ्लोरेस जेल में क्यों बंद हैं

फ्लोरेस और उनके पति निकोलस मादुरो को जनवरी की शुरुआत में काराकास स्थित उनके घर से अमेरिकी बलों ने आधी रात की कार्रवाई में हिरासत में लिया था। इसके बाद दोनों को न्यूयॉर्क लाया गया। अमेरिका ने दोनों पर कोकीन को अमेरिका पहुंचाने की साजिश में शामिल होने के आरोप लगाए हैं। दोनों ने इन आरोपों में खुद को निर्दोष बताया है। अलग अदालत में दाखिल एक याचिका में दोनों ने अपने खिलाफ आरोपपत्र खारिज करने की मांग भी की है। उनका कहना है कि किसी विदेशी देश के नेता और प्रथम महिला होने के कारण उन्हें कानूनी छूट यानी इम्युनिटी हासिल है।

शीर्ष अदालत अब फ्लोरेस की मांग पर क्या करेगी

अभी अमेरिकी संघीय अभियोजकों ने फ्लोरेस की घर में नजरबंदी की मांग पर जवाब दाखिल नहीं किया है। मैनहट्टन स्थित अमेरिकी अटॉर्नी कार्यालय के प्रवक्ता ने भी टिप्पणी करने से इनकार किया है। जज एल्विन के. हेलरस्टीन ने फ्लोरेस की मांग पर अभी कोई फैसला नहीं सुनाया है।

वकीलों ने यह भी माना है कि जेल के कर्मचारियों ने फ्लोरेस और मादुरो के साथ बेहद सम्मानजनक व्यवहार किया है और उन्हें जेल तथा अस्पताल में मेडिकल विशेषज्ञों से अच्छी देखभाल मिली है। लेकिन उनका तर्क है कि हिरासत केंद्र में दिल की किसी प्रक्रिया के बाद ठीक होने के लिए जरूरी माहौल नहीं है। अगर कैथेटराइजेशन या आगे कोई दिल की प्रक्रिया होती है, तो फ्लोरेस को स्वस्थ होने के लिए पर्याप्त समय और बेहतर माहौल की जरूरत होगी।

पुतिन का प्लेन नहीं, कमांड सेंटर: किसमें हैं रूसी राष्ट्रपति पहचानना मुश्किल

मॉस्को, एजेंसी। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेने के लिए भारत पहुंचे हैं। लेकिन उनकी यात्रा में सिर्फ कूटनीतिक मुलाकातें ही चर्चा में नहीं हैं। उनके भारत आने के तरीके ने भी लोगों का ध्यान खींचा है। पुतिन जिस खास विमान से यात्रा करते हैं, उसकी सुरक्षा व्यवस्था इतनी गोपनीय रखी जाती है कि बाहर से यह पता लगाना मुश्किल होता है कि राष्ट्रपति आखिर किस विमान में सवार हैं। हाल की रिपोर्टों में उनके विमान को 'फ्लाइंग क्रेमलिन' भी कहा गया है।इस यात्रा के दौरान खास बात यह रही कि पुतिन के साथ एक जैसा दूसरा विमान भी उड़ता दिखाई दिया।

दोनों का मॉडल, रंग और बाहरी डिजाइन एक जैसा था। यानी आसमान से देखने वाले के लिए दोनों में अंतर करना आसान नहीं था। यही पूरी सुरक्षा रणनीति का सबसे अहम हिस्सा है। रूसी राष्ट्रपति पुतिन ने मॉस्को से आईएल-96-300पीयू मॉडल के दो एक जैसे विमानों के साथ भारत के लिए उड़ान भरी। इनमें से

एक विमान में राष्ट्रपति होते हैं, जबकि दूसरा डिकॉय विमान के तौर पर साथ उड़ता है। इसका मकसद यह भ्रम बनाए रखना है कि पुतिन वास्तव में किस विमान में मौजूद हैं। दोनों विमान एक ही मॉडल के होते हैं और उनका रंग-रूप भी एक जैसा रखा जाता है, ताकि बाहर से पहचान करना मुश्किल रहे। दोनों विमान एक साथ उड़ान भरते हैं और पुतिन इनमें से किसी एक में होते हैं, लेकिन कौन से विमान में हैं, यह सार्वजनिक तौर पर पता नहीं चलता। इस व्यवस्था का सबसे बड़ा फायदा यही है कि किसी संभावित हमलावर के लिए पहले यह तय करना मुश्किल हो जाता है कि राष्ट्रपति किस विमान में यात्रा कर रहे हैं। राष्ट्रपति के विमान की वास्तविक पहचान की जानकारी उनकी सुरक्षा व्यवस्था से जुड़े लोगों तक ही सीमित रहती है।

क्या रडार पर भी दोनों विमानों को लेकर भ्रम पैदा किया जाता है- दी गई जानकारी के मुताबिक, सुरक्षा व्यवस्था सिर्फ दो एक जैसे विमान उड़ाने तक सीमित नहीं है। दोनों विमानों के रडार सिग्नल में भी समय-समय पर बदलाव होता है। कभी एक विमान का सिग्नल बंद दिखाई देता है तो कभी दूसरे का। कुछ समय के लिए दोनों विमान ट्रैकिंग सिस्टम पर दिखाई नहीं देते। यही वजह है कि केवल सार्वजनिक फ्लाइट ट्रैकिंग के आधार पर यह तय करना मुश्किल हो जाता है कि पुतिन किस विमान में हैं।

कजाकिस्तान यात्रा में भी दिखी थी ऐसी ही रणनीति

कजाकिस्तान की यात्रा के दौरान दोनों विमानों को फ्लाइट ट्रैकर पर एक-दूसरे के बेहद करीब उड़ते देखा गया था। दोनों विमान लगभग एक ही गति से उड़ रहे थे, जिससे यह पहचानना और मुश्किल हो गया कि राष्ट्रपति किस विमान में हैं। उस समय दोनों विमानों की पहचान आरएसडी221 और आरएसडी369 के तौर पर हुई थी। इसके बावजूद सार्वजनिक ट्रैकिंग से यह स्पष्ट नहीं हो सका कि पुतिन इनमें से किस विमान में सवार थे। पुतिन का विमान आईएल-96-300पीयू सामान्य यात्री विमान का साधारण रूप नहीं है। यह आईएल-96-300 का विशेष रूप से तैयार किया गया संस्करण है। उपलब्ध जानकारी के मुताबिक, पीयू का इस्तेमाल रूसी राष्ट्रपति के विशेष विमान के तौर पर होता है। इस विमान की सबसे महत्वपूर्ण खासियत उसकी सुरक्षित संचार व्यवस्था बताई जाती है। इसमें सैटेलाइट फोन और ऐसी विशेष संचार सुविधाओं का जिक्र है, जिनकी मदद से राष्ट्रपति यात्रा के दौरान भी रूस से संपर्क में रह सकते हैं। विमान को मिसाइल हमले से बचाने के लिए विशेष सुरक्षा उपकरणों से लैस बताया गया है। इसी वजह से इसे आम राष्ट्रपति विमान से कहीं ज्यादा सुरक्षित और विशेष विमान माना जाता है। विमान में सैटेलाइट फोन और विशेष संचार व्यवस्था मौजूद होने की जानकारी दी गई है, ताकि यात्रा के दौरान भी संपर्क बना रहे। इसमें मिसाइल हमले से बचाने वाली विशेष सुरक्षा व्यवस्था का जिक्र है, जो विमान की सुरक्षा को मजबूत बनाती है। इस विमान को रूस की परमाणु ताकत को नियंत्रित करने में सक्षम विशेष कमांड विमान के तौर पर भी बताया गया है।

सबालेंका, रायबाकिना के खिलाफ नंबर 1 की चुनौती के लिए तैयार हैं

न्यूयॉर्क, एजेंसी। ऐलेना रायबाकिना से विश्व नंबर 1 रैंकिंग गंवाने पर आर्यना सबलेंका ने आखिरकार खुलकर अपनी बात रखी है। उन्होंने स्वीकार किया कि यूएस ओपन में अच्छा प्रदर्शन करने के बावजूद शीर्ष स्थान से हाथ फिसलते देखना थोड़ा अजीब लग रहा था। हालांकि, रायबाकिना के खिलाफ होने वाले रोमांचक फाइनल से पहले बेलारूसी खिलाड़ी इस हार पर ज्यादा ध्यान नहीं देना चाहतीं। क्वार्टर फाइनल में किनवेन झेंग को 3-6, 6-1, 6-4 से हराकर रायबाकिना ने नंबर 1 रैंकिंग हासिल कर ली । इस जीत के साथ ही कजाख खिलाड़ी ने सबालेंका को पछाड़कर शीर्ष स्थान प्राप्त कर लिया और बेलारूसी खिलाड़ी के 99 सप्ताह के वर्चस्व को समाप्त कर दिया। इसके बाद रायबाकिना ने सेमीफाइनल में कोको गॉफ को हराकर फाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली। सेमीफाइनल में जेसिका पेगुला को 7-5, 6-2 से हराने के बाद अपनी प्रेस कॉन्फ्रेंस में बोलते हुए, सबलेंका ने स्वीकार किया कि रायबाकिना ने सीजन के मध्य में अपने प्रदर्शन में आई गिरावट के बावजूद शीर्ष स्थान हासिल करने के लिए पर्याप्त प्रदर्शन किया है। 'मैं अच्छी तरह समझती हूं कि विश्व नंबर 1 बनना कितना मुश्किल है। यह मेरा एक लक्ष्य था। लेकिन अभी मैं कुछ खास नहीं कर सकती। सीजन के मध्य में मेरा प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा। एलेना ने कमान संभाली और बहुत अच्छा खेला,' सबलेंका ने कहा। 28 वर्षीय खिलाड़ी अब लगातार चौथी बार यूएस ओपन के फाइनल में पहुंच चुकी हैं, जिससे उन्हें रैंकिंग में गिरावट के बावजूद टूर्नामेंट को एक और ग्रैंड स्लैम खिताब के साथ समाप्त करने का मौका मिल गया है। 'मैं सिर्फ खुद पर ध्यान केंद्रित कर सकती हूं और वर्तमान क्षण में रहकर अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने की कोशिश कर सकती हूं। बस इसे बरकरार रखना है और शायद मैं उससे यह खिताब वापस ले लूं,' उसने आगे कहा।

फाइनल में रायबाकिना का सामना होगा

फाइनल में पहुंचकर सबलेंका को शीर्ष स्थान से हटकर अपनी जगह बनाने वाली खिलाड़ी के खिलाफ खुद को परखने का सीधा मौका मिलेगा। रायबाकिना अपना पहला यूएस ओपन खिताब जीतने की कोशिश में हैं, जबकि सबलेंका न्यूयॉर्क में लगातार तीसरी चैंपियनशिप जीतने का प्रयास कर रही हैं। सबलेंका को पता है कि आगे क्या चुनौती है। रायबाकिना ने अपनी शानदार सर्विस और आक्रामक बेसलाइन गेम के दम पर पूरे टूर्नामेंट में बेहतरीन प्रदर्शन किया है, वहीं गौफ के खिलाफ उनकी वापसी ने यह साबित कर दिया कि जब मैच कड़े हो जाते हैं तो वह दबाव को भी झेल सकती हैं। हालांकि, सबलेंका के लिए स्थिति स्पष्ट है। रैंकिंग में फिर से बदलाव हो सकता है, और वह जानती है कि खुद को फिर से मुकाबले में लाने के लिए उसे क्या करना होगा। उन्होंने कहा, 'हर कोई एक-दूसरे का पीछा कर रहा है। यह सब छोटी-छोटी चीजों में सुधार करने और बेहतर बनने के बारे में है।' शनिवार को, यूएस ओपन ट्रॉफी की दौड़ में नई विश्व नंबर 1 और उनकी पूर्ववर्ती खिलाड़ी सबसे बड़े मंच पर आमने-सामने होंगी।

सबालेंका ने नंबर 1 बदलाव को स्वीकार किया

रैंकिंग में बदलाव के समय ने स्थिति को विशेष रूप से असामान्य बना दिया है। सबालेंका एक बार फिर न्यूयॉर्क में बेहतरीन खिलाड़ियों में से एक रही हैं और फाइनल में अपने खिताब का बचाव करेंगी, फिर भी रायबाकिना के शानदार प्रदर्शन ने उनसे शीर्ष रैंकिंग छीन ली। सबलेंका ने स्वीकार किया कि उन्हें इस बात को स्वीकारना मुश्किल लगा, लेकिन उन्होंने जोर देकर कहा कि यह अंततः टेनिस की प्रतिस्पर्धी प्रकृति का ही एक हिस्सा है। 'यह थोड़ा अजीब लगता है कि आप टूर्नामेंट में अच्छा प्रदर्शन करें और फिर भी आपसे नंबर 1 स्थान छीन लिया जाए। कोई बात नहीं। यही तो खेल है। मुझे यह पसंद है। यही तो खेल की खूबसूरती है,' उन्होंने कहा। न्यूयॉर्क पहुंचने से पहले ही रायबाकिना रैंकिंग में अंतर कम कर रही थीं और फाइनल में पहुंचकर उन्होंने निर्णायक बढ़त हासिल कर ली। गौफ पर उनकी जीत का मतलब है कि वह शनिवार को होने वाले फाइनल में विश्व की नंबर 1 खिलाड़ी के रूप में उतरेंगी।

नवांग त्सेरिंग ने जीता 'लद्दाख मैराथन'

- 122 किलोमीटर की दूरी रिकॉर्ड समय में पूरा किया

लद्दाख, एजेंस। अपनी प्रतिभा को पहचानकर कोई भी अगर उस पर कड़ी मेहनत करता है और निखारने की लगातार कोशिश करता है, तो एक न एक दिन उसे बड़ी सफलता जरूर मिलती है। नवांग त्सेरिंग की कहानी कुछ ऐसी ही है। नवांग ने लद्दाख मैराथन जीतकर रिकॉर्ड बनाया है। नवांग त्सेरिंग ने लद्दाख मैराथन में 122 किलोमीटर सिल्क रूट अल्ट्रा (एसआरयू) की दूरी को 12 घंटे, 12 मिनट और 18 सेंकड (12:12:18) में पूरा कर रिकॉर्ड बनाते हुए पहला स्थान हासिल किया है। त्सेरिंग का यह पहला प्रयास था और पहले ही प्रयास में वह चैंपियन बनकर निकले हैं। लद्दाख मैराथन जीतने के बाद आईएएनएस से खास बातचीत में नवांग ने कहा, 'मैंने लद्दाख मैराथन सिल्क रुट अल्ट्रा (एसआरयू) में पहली बार हिस्सा लिया था और पहले प्रयास में ही पहला स्थान हासिल किया है। यह काफी मुश्किल और चुनौतीपूर्ण था। मेरी मांसपेशिया काफी सख्त हो गई थीं। प्रतिस्पर्धा काफी कड़ी थी। इस साल मैंने (12:12:18) रिकॉर्ड बना दिया है।' नवांग ने अपनी सफलता का श्रेय अपने सभी कोचों, सहयोगियों और प्रशासन को दिया। मैराथन में आने से जुड़े सवाल पर नवांग ने मुस्कुराते हुए कहा, 'मैं अपने दोस्तों को देखकर मैराथन में आया हूं। मैं उन लोगों को देखता था। वे दूसरे राज्यों में जाते थे। वही, देखकर मैंने मैराथन में आने का फैसला किया।' युवाओं को संदेश देते हुए नवांग ने कहा, 'मैं युवाओं से यह कहना चाहता हूं कि आप सभी अपनी प्रतिभा को बर्बाद मत कीजिए। अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करिए। मैं यह नहीं कह रहा कि सभी दौड़ में ही आगे आएं। सभी के पास एक खास प्रतिभा होती है। आप उस प्रतिभा को निखारिए और उसमें आगे बढ़िए।' नवांग की सफलता निश्चित रूप से उन युवाओं के लिए प्रेरणा है जो अभावों के बीच बड़ी उपलब्धि हासिल करने का प्रयास कर रहे हैं।

कुलदीप यादव ने 10 विकेट लेकर इंग्लैंड में काटा गदर

टीम को दिलाई जीत

यॉर्कशर ने एसेक्स को पारी और 106 रनों से मात दी। इस मैच में कुलदीप ने कुल 10 विकेट अपने नाम किए। उन्होंने पहली पारी में चार विकेट लिए तो वहीं दूसरी पारी में छह विकेट अपने नाम किए। रन खर्च करने के मामले में भी कुलदीप कंजूस ही रहे। उन्होंने पहली पारी में 70 रन खर्च किए और दूसरी पारी में 50 रन। यहां तक की कुलदीप ने अपने बल्ले से भी टीम की जीत में अहम योगदान दिया।

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय टीम में लगातार नजरअंदाज किए जाने वाले चाइनामैन गेंदबाज कुलदीप यादव इस समय इंग्लैंड में काउंटी क्रिकेट खेल रहे हैं। कुलदीप ने यॉर्कशर की जर्सी पहनी है और अपनी फिरकी पर अंग्रेज बल्लेबाजों को जमकर नचाया है। उन्होंने एसेक्स के खिलाफ खेले गए मैच में 10 विकेट लेकर अपनी काबिलियत को फिर सिद्ध किया है और टीम इंडिया के मैनेजमेंट को एक कड़ा संदेश भी दिया है। कुलदीप को टी20, वनडे और टेस्ट में नियमित मौके नहीं मिल रहे हैं। गौतम गंभीर ने जब से टीम इंडिया के कोच का पद संभाला है तब से कुलदीप को नियमित रूप से प्लेइंग-11 में जगह नहीं मिली है, लेकिन इंग्लैंड में इस गेंदबाज ने जो किया है उसने गंभीर को भी सोचने को मजबूर कर दिया होगा।

क्या बदलेगा प्लान?

कुलदीप के इस प्रदर्शन के बाद सवाल ये है कि क्या टीम मैनेजमेंट उन्हें लेकर अपने प्लान में बदलाव करेगा? हाल ही में श्रीलंका दौरे पर कुलदीप को नजरअंदाज किया गया था। स्पिनरों की मददगार पिचों पर कुलदीप को नजरअंदाज करना भारत को भारी पड़ सकता है। वह अपनी फिरकी से इंग्लैंड में बल्लेबाजों के लिए काल बन चुके हैं तो उपमहाद्वीप में तो वह और ज्यादा खतरनाक साबित हो सकते हैं।

टेस्ट जर्सी के लिए अर्शदीप झोंक रहे हैं पूरी ताकत

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत की टी20 टीम के अहम सदस्य अर्शदीप सिंक का सपना भी हर क्रिकेटर की तरह टेस्ट क्रिकेट खेलना है। वह चाहते हैं कि लाल गेंद से भी अपनी स्विंग का कमाल दिखाएं। अभी तक वह सीमित ओवरों में ही चमके हैं और टेस्ट गेंदबाज के तौर पर भी अपनी पहचान बनाना चाहते हैं। इसलिए वह फर्स्ट क्लास क्रिकेट को नजरअंदाज नहीं करते है। उनको पता है कि टेस्ट खेलने के सपने को पूरा करने की राह में प्रथम श्रेणी क्रिकेट अधिक नहीं खेलने को आदर्श तैयारी नहीं माना जा सकता, लेकिन उनका कहना है कि यह पारंपरिक प्रारूप के लिए उनकी तैयारी में कमी को नहीं दर्शाता है।

क्षमता पर है यकीन

दलीप ट्रॉफी के बाद शेर ए पंजाब टीम लुधियाना लॉयंस से जुड़े अर्शदीप ने कहा कि प्रथम श्रेणी क्रिकेट में लंबा अंतराल तैयारी के लिए आदर्श नहीं है, लेकिन मैं उन्हीं चीजों पर फोकस कर सकता हूं जिससे मौका मिलने पर तैयार रह सकूं। टेस्ट क्रिकेट खेलना सम्मान की बात है और मुझे इसका इंतजार है। मुझे अपनी क्षमता पर यकीन है कि मैं भारत के लिये योगदान दे सकता हूं।

हर कोशिश जारी

सीमित ओवरों के प्रारूप में भारत के शीर्ष गेंदबाजों में से एक अर्शदीप ने दिसंबर 2019 में पदार्पण के बाद से सिर्फ 24 प्रथम श्रेणी मैच खेले हैं। दलीप ट्रॉफी के दो मैच खेलने से पहले उन्होंने एक साल तक कोई प्रथम श्रेणी मैच नहीं खेला था। अर्शदीप ने समाचार एजेंसी पीटीआई को दिए साक्षात्कार में कहा कि मैं टेस्ट क्रिकेट खेलने के लिए अपनी ओर से हरसंभव प्रयास कर रहा हूं।

एशियन गेम्स स्क्वॉड से अन्नू रानी बाहर

क्वालिफिकेशन मार्क नहीं छू पाईं, चोट से लौटे अविनाश साबले ने स्टीपलचेज में जगह पक्की की

नई दिल्ली, एजेंसी। हांगझोउ एशियन गेम्स की गोल्ड मेडलिस्ट अन्नू रानी जापान एशियन गेम्स के भारतीय स्क्वॉड से बाहर हो गई हैं। वे महिलाओं की जैवलिन थ्रो में क्वालिफिकेशन मार्क हासिल नहीं कर सकीं। अन्नू ने गुरुवार को छुरह स्टेडियम में इंडियन एथलेटिक्स फाइनल सीरीज में 57.50 मीटर का थ्रो किया। वह 57.62 मीटर के क्वालिफिकेशन मार्क से 12 सेंटीमीटर पीछे रह गईं।

अविनाश साबले की वापसी – इसी इवेंट में चोट से लौटे अविनाश साबले ने 3,000 मीटर स्टीपलचेज में गोल्ड जीता। उन्होंने 8:32.39 सेकेंड का समय निकालकर 8:36.57 सेकेंड का क्वालिफिकेशन मार्क हासिल किया। एथलेटिक्स फेडरेशन ऑफ इंडिया ने प्रतियोगिता से पहले खिलाड़ियों को साफ कर दिया था कि एशियन गेम्स में जाने के लिए क्वालिफिकेशन मार्क हासिल करना जरूरी है। ख्रद्ध प्लानिंग कमेटी के चेयरमैन ललित भनोत ने कहा, जिसने क्वालिफिकेशन मार्क हासिल नहीं किया है, उसे एशियन गेम्स में नहीं भेजा जाएगा। ख्रद्ध का रुख बिल्कुल साफ था। उन्होंने कहा, अगर अन्नू रानी क्वालिफाई नहीं कर पाई हैं, तो वे नहीं जाएंगी। जिन खिलाड़ियों ने मार्क हासिल नहीं किया है, वे दल का हिस्सा नहीं होंगे।

अविनाश 14 महीने तक चोट से बाहर रहे – 31 साल के अविनाश साबले 14 महीने तक चोट के कारण बाहर रहने के बाद अपनी 3,000 मीटर स्टीपलचेज स्पर्धा में लौटे। उन्होंने 8:32.39 सेकेंड के समय के साथ गोल्ड जीता। उनका समय 8:36.57 सेकेंड के एशियन गेम्स क्वालिफिकेशन मार्क से बेहतर रहा।

19 सितंबर से शुरू होगा इवेंट – एशियन गेम्स 2026 का 19 सितंबर से 4 अक्टूबर 2026 तक जापान के आइची-नागोया में खेला जाएगा। यह एशियन गेम्स का 20वां संस्करण है। इसमें एशिया के 45 देशों के खिलाड़ी अलग-अलग खेलों में हिस्सा लेंगे। भारतीय दल भी एथलेटिक्स, शूटिंग, बॉक्सिंग, कुश्ती, बैडमिंटन, हॉकी, तीरंदाजी, कबड्डी और क्रिकेट समेत कई खेलों में चुनौती पेश करेगा।

बांग्लादेश के खिलाफ शांत रहते हुए पारी को बढ़ाने की कोशिश की: शेफाली वर्मा

दुबई, एजेंस। भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने एशिया कप 2026 के फाइनल में जगह बना ली है। गुरुवार को हुए सेमीफाइनल मुकाबले में भारतीय टीम ने बांग्लादेश को हराकर फाइनल में जगह बनाई। भारतीय टीम की जीत में सलामी बल्लेबाज शेफाली वर्मा की 64 रनों की विस्फोटक पारी की अहम भूमिका रही। शेफाली को उनकी बेहतरीन पारी के लिए प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। वर्मा ने कहा कि उन्होंने गुरुवार को यहां महिला एशिया कप सेमीफाइनल में बांग्लादेश के खिलाफ मैच जिताने वाली 64 रन की पारी के दौरान मुश्किल बैटिंग पिच के हिसाब से खुद को ढालते हुए शांत रहने और टीम के लिए योगदान देने पर ध्यान दिया। शेफाली ने बीसीसीआई विमेन द्वारा जारी एक वीडियो में कहा, 'एक सलामी बल्लेबाज के तौर पर मैं कभी-कभी बड़े शॉट लगाती हूं और कभी-कभी बस शांत रहने और सिंगल लेने की कोशिश करती हूं, क्योंकि स्मृति भी साथ होती हैं। कभी-कभी, मैं बस टीम के लिए वहां रहने और पारी को आगे बढ़ाने की कोशिश करती हूं।' सीनियर खिलाड़ी और ऑलराउंडर दीप्ति शर्मा ने शेफाली वर्मा की तारीफ करते हुए कहा, 'गेंद उनके पास वैसी नहीं आ रही थी जैसी वह चाहती थीं। पिछले मैच से अलग चुनौती थी, पिच भी मुश्किल थी, लेकिन उन्होंने खुद को शांत रखा और अपने शॉट्स पर भरोसा किया। यह देखना अच्छा था, और उनके शॉट्स को देखकर लगा कि उनकी मानसिकता स्पष्ट नजर आई। उन्हें पता था कि क्या करना है, और ये छोटी-छोटी चीजें उनकी मदद कर रही थीं।' दीप्ति ने कहा, 'मैं बहुत खुश हूं कि मुझे 2-3 या 4 बॉल खेलने को मिलीं, और मैं बस जल्द से जल्द ऐसी छोटी पारी खेलने का इंतज़ार कर रही थी। मैं बहुत खुश हूं कि मैं आखिरी कुछ गेंदों पर योगदान दे पाई। एक ऑल-राउंडर के तौर पर खेल के अलग-अलग विभाग में योगदान करना अहम है। जब आप तीनों डिपार्टमेंट्स में अपना बेस्ट करने जाते हैं, तो ज़ाहिर है आप एक कदम आगे होते हैं, चाहे वह बैटिंग हो, बॉलिंग हो या फील्डिंग।'

बायर्न ने चैंपियंस लीग के पहले मैच में बोडो/ग्लिम्ट को 5-0 से हराया

बर्लिन। जमाल मुसियाला ने बायर्न म्यूनिख की शुरुआती लाइनअप में वापसी करते हुए पहला गोल किया। इसकी मदद से जर्मन टीम ने यूईएफए चैंपियंस लीग में बोडो/ग्लिम्ट को 5-0 से हरा दिया। बायर्न ने शुरू से ही गेंद पर कब्जा बनाए रखा, लेकिन शुरुआत में मेहमान टीम की पांच लोगों की डिफेंसिव लाइन को तोड़ने में संघर्ष किया। लुइस डियाज को पांच मिनट बाद पहला हाफ में मौका मिला, जोशुआ किमिच के क्रॉस पर उन्होंने पास से हेडर मारा, लेकिन गोलकीपर निकिता हाइकिन ने उसे बचा लिया। किमिच का 22 मीटर का शॉट 33वें मिनट में पोस्ट के बाहर लगा, इससे पहले हाइकिन ने पहले हाफ के आखिर में मुसियाला और फिर किमिच को रोका। हाइकिन, जिन्हें बाद में सेव करते समय कमर में दिक्कत हुई, उनकी जगह हाफटाइम में जूलियन फे लुंड ने ले ली, और बायर्न को रीस्टार्ट के बाद सिर्फ दो मिनट में ही बढ़त मिल गई। हैरी केन को रोकने की कोशिश में व ब्लॉक हो गई, लेकिन मुसियाला ने लूज बॉल को पकड़ा और अपना शॉट बाएं कोने में मार दिया। केन ने 61वें मिनट में माइकल ओलिस की फ्री-किक डिलीवरी पर फे लुंड के पास से हेडर मारकर बढ़त दोगुनी कर दी। अल्फांसो डेविस ने 77वें मिनट में 17-मीटर का स्ट्राइक करके मैच को आसानी से खत्म कर दिया, जिसके छह मिनट बाद ओलिस ने लेनार्ट कार्ल के पास पर बायर्न के लिए चौथा गोल किया। बोडो/ग्लिम्ट का काम तब और मुश्किल हो गया जब 87वें मिनट में ओडिन ब्योर्टुफ्ट को पेनल्टी एरिया के पास ओलिस को गिराने के लिए रेड कार्ड दिखाया गया। ओलिस ने फिर स्टॉपेज टाइम में अपना डबल पूरा किया और विंसेंट कोम्पनी की टीम के लिए दूसरे हाफ में पांच गोल किए। जीत के बाद केन ने कहा, 'हम पहले हाफ में काफी बेहतर थे। हमें बस दरवाजा खुलने तक सब्र रखना था। दूसरे हाफ की शुरुआत में किए गए गोल ने गेम को आगे बढ़ाया और हम और मजबूत हुए।'